निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, सोमवार 6 जुलाई 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 50 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित



झारखंड में धनरोपनी में लगे खेतिहर मजदूर

पत्रकारिता के उच्चतर मूल्यों और लाखों पाठकों के अटूट भरोसे का प्रतीक है नवबिहार टाइम्स

नवबिहार टाइम्स की 37वीं वर्षगांठ पर आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम

वक्ताओं ने की नवबिहार टाइम्स की निष्पक्ष और जनपक्षधर पत्रकारिता की प्रशंसा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नवबिहार टाइम्स के 37 वर्षों का सफर यह साबित करता है कि इस अखबार ने पत्रकारिता के उच्चतर मूल्य और लाखों पाठकों का अटूट भरोसा हासिल किया है जिसकी वजह से औरंगाबाद जैसे छोटे स्थान से निकलने वाला समाचार पत्र आज बिहार[झारखंड, उत्तर प्रदेश तथा दिल्ली के लाखों पाठकों की पसंद बना हुआ है। यह बात वक्ताओं ने शनिवार को नवबिहार टाइम्स के 37 वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए ए एन कॉलेज सभागार में कही। सर्वप्रथम इस अवसर पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार, ग्रामीण विकास मंत्री सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार, ओबरा विधायक प्रकाश चंद्र, भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद सिंह चंद्रवंशी, नवबिहार टाइम्स के मुख्य संपादक कमल किशोर सहित अन्य ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। मौके पर आगत अतिथियों ने नवबिहार टाइम्स के मुख्य संपादक डॉ कमल किशोर के कार्यों और संघर्षों की सराहना की। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि नवबिहार टाइम्स ने न केवल पत्रकारिता के ऊंचे मापदंडों को कायम रखा है बल्कि आम जनों की पीड़ाओं, संघर्षों, सफलताओं और खुशियों को स्वर दिया है। इसके लिए इसके संपादक कमल किशोर बधाई के पात्र हैं। डॉ कुमार ने कहा कि आज जब बड़े अखबार अपने अस्तित्व का संकट झेल रहे हैं, वैसी स्थिति में नवबिहार टाइम्स ने जनता के भरोसे को जीत कर पिछले तीन दशकों में अपना विस्तार किया है। डॉ कुमार ने कहा कि पिछले 37 वर्षों से बिहार के सुदूरवर्ती इलाके से नियमित रूप से दैनिक समाचार पत्र का प्रकाशन महत्वपूर्ण कार्य है और क्षेत्रीय विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ग्रामीण विकास मंत्री सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बीते 37 वर्षों में नवबिहार टाइम्स ने पाठकों के विश्वास के बल पर अपनी एक मजबूत पहचान बनाई है। श्री कुमार ने कहा कि प्रिंट मीडिया पर पाठकों का भरोसा आज भी बरकरार है। मीडिया लोकतंत्र का चौथा मजबूत स्तंभ है और इसके तीनों अन्य स्तंभों पर अपनी सजग नजर रखता है। उन्होंने कहा कि मीडिया को आज सकारात्मक रूख रखते हुए काम करने की जरूरत है और समाज के सजग प्रहरी के रूप में जनता को जागरूक करने की दिशा में जोर देने की आवश्यकता है। इस दौरान उन्होंने सभी सहयोगियों को धन्यवाद देते हुए भविष्य में और बेहतर पत्रकारिता का संकल्प लिया। ओबरा विधायक प्रकाश चंद्र ने कहा कि विकास को तेज करने एवं समाज को सही दिशा देने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है और आंचलिक इलाकों से प्रकाशित होने वाले समाचार पत्र इस भूमिका का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने भी नवबिहार टाइम्स के 37 वर्षों के सफर में सकारात्मक पत्रकारिता की सराहना की। श्री चन्द्रवंशी ने कहा कि समाचार पत्रों की क्षेत्र के विकास और जनजागरण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके अलावा उन्होंने समाचार पत्रों को प्रोत्साहित करने और पत्रकार हित में भी कई महत्वपूर्ण बातें कही। कार्यक्रम के दौरान समाज के ऐसे प्रमुख हस्ताक्षरों को उनके सामाजिक सरोकारों के लिए सम्मानित किया जिसकी वजह से समाज को सही दिशा मिली है। इस क्रम में विद्या निकेतन के संस्थापक सुरेश कुमार गुप्ता, कैरियर मिशन अकादमी, जंदाहा के निदेशक आनंद रंजन झा, साजन क्लीनिक के निदेशक डॉ साजन दुबे, सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज के प्राचार्य सुधीर कुमार मिश्रा, कैचेस मशाला के निदेशक नितेश कुमार, एनटीपीसी लिमिटेड पूर्वी क्षेत्र वन पटना के महाप्रबंधक विश्वनाथ चंदन सहित अन्य को सम्मानित किया गया। इसके पूर्व अपने स्वागत भाषण में नवबिहार टाइम्स समाचार पत्र समूह के प्रधान संपादक कमल किशोर ने निष्पक्ष विकासोन्मुखी और सकारात्मक पत्रकारिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि आज से 37 वर्ष पूर्व उन्होंने औरंगाबाद के छोटे से कस्बे बारुन से अखबार का प्रकाशन शुरू किया था और आज अपने पाठकों, विज्ञापनदाताओं के सहयोग से यह अखबार हिंदी पत्रकारिता जगत में अपना विशिष्ट स्थान बना चुका है। उन्होंने कहा कि नवबिहार टाइम्स ने हमेशा नकारात्मक पत्रकारिता से अलग हटते हुए सकारात्मक पत्रकारिता को महत्व दिया। साथ ही जनता के मुद्दों पर हमेशा जनता के साथ खड़े रहने का हौसला जताया है। नवबिहार टाइम्स ने सरकार प्रशासन और जनता के बीच हमेशा संवाद सेतु के रूप में काम किया है तथा विकास के सभी मसलों पर जनता, प्रशासन और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया है। उन्होंने बिहार-झारखंड और देश के विकास में नवविहार टाइम्स के भविष्य में भी संपूर्ण योगदान निभाने का संकल्प व्यक्त किया। इसके पूर्व विषय प्रवेश करते हुए वरिष्ठ पत्रकार प्रेमेंद्र कुमार मिश्रा ने नवबिहार टाइम्स की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला तथा उन मूल्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जिन्हें नवबिहार टाइम्स ने अपने शुरुआती दौर से अपनाया और आज तक उसका पालन कर रहा है। उन्होंने बदलती हुई पत्रकारिता के मध्य नवबिहार टाइम्स के गौरवपूर्ण 37 वर्षों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार प्रेमेंद्र मिश्रा एवं वरिष्ठ उद्घोषक शंकर कैमूरी ने किया। वहीं मुंबई के मशहूर सिंगर अभिनाश ठाकुर, पाल मुखर्जी एवं नीलोफर शबनम ने अपने सुमधुर गीतों से समा बांध दिया जिसमें देव एंड म्यूजिकल ग्रुप ने सहयोग किया। इस अवसर पर अजय सिन्हा, अजीत सिंह, अजय प्रकाश, अरविंद कुमार सिंह, महेंद्र ओझा सहित अन्य प्रमुख लोग मौजूद रहे।





जल्द शुरू होगा 'रिम्स-2' का निर्माण कार्य : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की जनता के लिए राज्य सरकार ने स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 'रिम्स-2' की स्थापना को हरी झंडी दे दी है। बीते दिनों इसके लिए कैबिनेट से करोड़ों की राशि स्वीकृत कर दी गई है। इस संबंध में सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मधुपुर के खलासी मोहल्ला स्थित अपने आवासीय कार्यालय परिसर में आयोजित एक प्रेस वार्ता में एक घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस बेहद महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को झारखंड विधानसभा सत्र से मंजूरी मिल गई है। जल्द ही इसका निर्माण कार्य धरातल पर शुरू हो जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के दबे-कुचले, आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक और सभी वर्ग के गरीब लोग पैसे और संसाधनों के अभाव में बड़ी बीमारियों का इलाज नहीं करा पाते थे। कई बार समय पर बेहतर उपचार न मिलने के कारण लोग दम तोड़ देते थे। 'रिम्स-2' की स्थापना उनका एक बड़ा सपना था, जिसे अब सरकारी मंजूरी मिल चुकी है। इसके माध्यम से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी देश की सबसे आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं राज्य के भीतर ही मुफ्त या बेहद किफायती दरों पर मिल सकेंगी। इस ऐतिहासिक फैसले के बाद स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों की चौतरफा सराहना हो रही है। रांची के मांडर निवासी सुनील उरांव ने स्वास्थ्य मंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे जात-पात की राजनीति से ऊपर उठकर हर वर्ग के कल्याण के लिए काम करते हैं। स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने की दिशा में उनका यह प्रयास मील का पत्थर साबित होगा। वहीं मधुपुर के पूर्व नगर उपाध्यक्ष जियाउल हक उर्फ टार्जन ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट और अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. इरफान अंसारी अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए विधानसभा में दबे-कुचले, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों की आवाज को पूरी मजबूती से बुलंद कर रहे हैं।

झारखंड में औद्योगिक विकास को मिलेगी नई गति

9 जुलाई को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर के हितधारक परामर्श कार्यक्रम में विशेष फीडबैक सत्र की अध्यक्षता करेंगे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार राज्य में औद्योगिक विकास को नई गति देने की तैयारी में जुट गई है। इसी दिशा में उद्योग विभाग ने झारखंड टेक्सटाइल, परिधान एवं फुटवियर नीति-2026 और झारखंड औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति-2026 का प्रारूप (ड्राफ्ट) सार्वजनिक कर दिया है। झारखंड सरकार चाहती है कि इन नीतियों को अंतिम रूप देने से पहले उद्योग जगत, विशेषज्ञों और आम लोगों की राय भी शामिल की जाए ताकि इन्हें अधिक प्रभावी और व्यवहारिक बनाया जा सके। सरकार ने दोनों प्रस्तावित नीतियों के ड्राफ्ट को झारखंड सिंगल विंडो पोर्टल पर उपलब्ध कराया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नीति निर्माण की प्रक्रिया केवल सरकारी स्तर तक सीमित न रहे बल्कि विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हितधारकों की भागीदारी भी हो। प्राप्त सुझावों और प्रतिक्रियाओं के आधार पर आवश्यक बदलाव करने के बाद इन नीतियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। सरकार का मानना है कि नई नीतियां झारखंड को निवेश के लिए अधिक अनुकूल राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। विशेष रूप से टेक्सटाइल, परिधान और फुटवियर उद्योगों के विस्तार के साथ-साथ अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। नई औद्योगिक नीति का उद्देश्य रोजगार के अवसर बढ़ाने, विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देना है। इन नीतियों को लेकर 8 और 9 जुलाई को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर का हितधारक परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में देशभर के उद्योगपति, टेक्सटाइल क्षेत्र के विशेषज्ञ, विनिर्माण उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि और अर्थशास्त्री शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के दौरान प्रस्तावित नीतियों पर विस्तार से चर्चा होगी और विभिन्न पक्षों की राय ली जाएगी। 9 जुलाई को आयोजित विशेष फीडबैक सत्र की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। इस दौरान उद्योग जगत से प्राप्त सुझावों पर चर्चा होने के साथ-साथ निवेश बढ़ाने और औद्योगिक विकास को गति देने के लिए आवश्यक कदमों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। परामर्श कार्यक्रम के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की संभावना जताई जा रही है। यदि ये समझौते होते हैं तो राज्य में नए निवेश के रास्ते खुल सकते हैं और विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ड्राफ्ट नीतियों को सार्वजनिक करने का उद्देश्य नीति निर्माण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सहभागी बनाना है। विभिन्न वर्गों से प्राप्त सुझावों को शामिल करने के बाद ही इन नीतियों को कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। झारखंड सरकार के उद्योग विभाग का मानना है कि प्रस्तावित नीतियां राज्य को औद्योगिक रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करेंगी। यदि इनका प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो झारखंड में निवेश बढ़ने, नए उद्योग स्थापित होने और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। सरकार का लक्ष्य झारखंड को औद्योगिक विकास के साथ आर्थिक रूप से भी अधिक आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित करना है।



संक्षिप्त समाचार

अजीत रवानी हत्याकांड का खुलासा, आरोपित गिरफ्तार

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। बलियापुर थाना क्षेत्र के आमझर स्थित श्री एंटरप्राइजेज फ्लाई ऐश फैक्ट्री में नाइट गार्ड अजीत रवानी की हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में रेलवे कंस्ट्रक्शन कंपनी के पोकलेन चालक राजकुमार उर्फ राजा रजवार को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

कोयला लदे हाइवा ने ग्रामीण को कुचला

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। चतरा-सिमरिया मेन रोड पर देल्हो गांव स्थित इंडियन गैस एजेंसी के पास सड़क हादसे में सिमरिया थाना क्षेत्र के देल्हो निवासी सहदेव यादव (45) के रूप में हुई है। सुबह हुए हादसे के बाद से ग्रामीणों ने बीते सात घंटे से चतरा-सिमरिया रोड को जाम कर रखा है। दरअसल एक तेज रफ्तार कोयला लदा हाइवा की चपेट में आने से एक ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सहदेव यादव सुबह सड़क किनारे होते हुए अपने घर लौट रहे थे तभी अनियंत्रित कोल हाइवा ने उन्हें कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

ट्रक से टकराई स्कॉर्पियो, तीन की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। भोजपुर जिले के बिहिया थाना अंतर्गत अमराई नवादा के पास रविवार सुबह भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत गई जबकि एक युवक की हालत गंभीर है। मृतकों में पति-पत्नी और देवर शामिल हैं। सभी मृतक झारखंड के देवघर के रहने वाले थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक हादसे के समय कार की रफ्तार 120 किमी होगी। टक्कर इतनी जोरदार थी स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी का अगल हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए। कार में फंसे दंपति और दोनों युवक को को गाड़ी काटकर निकाला गया। तीनों मृतकों की पहचान प्रकाश सिंह(32), उनकी पत्नी पल्लवी सिंह(28) और फुफ़ेरे देवर सारण जिले के इस्माईला थाना दिघवारा निवासी सौरभ कुमार(24) के तौर पर हुई है।



प्रकाश और पल्लवी की शादी 12 फरवरी को हुई थी। कुछ दिन पहले नेपाल के पशुपति पारस दर्शन के लिए गए थे। उसके बाद कुल्लू मनाली घूमने चले गए। वहां से प्रकाश अपने बहनोई के पास नोएडा गए। शनिवार को नोएडा से देवघर जाने के लिए निकले थे। प्रकाश मूल रूप से सारण जिले के ही रहने वाले हैं लेकिन काफी समय पहले देवघर में बस गए थे। प्रकाश जिओ कंपनी में काम करते थे। प्रकाश गाड़ी चला रहा था और पल्लवी बगल की सीट पर बैठ थी। वहीं प्रकाश का भाई और उसका दोस्त पिछली सीट पर बैठे थे। प्राथमिक जानकारी के अनुसार ओवरस्पीड के कारण चालक ने बिहिया थाना क्षेत्र के अमराई नवादा के पास वाहन से संतुलन खो दिया। इसके बाद स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े कंटेनर में जा घुसी। हादसे में तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अवैध खनन के दौरान चाल धंसने से दो की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। जिले के उरीमारी ओपी क्षेत्र स्थित लुरूंगा जंगल में अवैध कोयला खनन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। खदान के दौरान अचानक चाल धंसने से दो ग्रामीणों की दबकर मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुखदेव गंझू (35) और शिबू उर्फ शिवनाथ बेदिया (45) के रूप में हुई है जो लुरूंगा गांव के निवासी थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों ग्रामीण अवैध खदान के अंदर से कोयला निकाल रहे थे। इसी दौरान तेज आवाज के साथ खदान का ऊपरी हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा और दोनों अंदर ही दब गए। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने तत्काल मलबा हटाकर उन्हें निकालने की कोशिश की लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद वहां काम कर रहे अन्य मजदूर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर उरीमारी पुलिस और संबंधित अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। घटना के बाद ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति आक्रोश है। उनका कहना है कि पुलिस और प्रशासन को अवैध खनन की पूरी जानकारी रहती है लेकिन प्रभावी कदम नहीं उठाए जाते। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस अवैध कारोबार में शामिल सरगनाओं की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उधर पुलिस ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा है कि अवैध खनन में शामिल लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी और इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जाएगा।

लापता लोगों को लेकर सीआइडी ने बनाया एक्शन प्लान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में मानव तस्करी पर ब्रेक लगाने और लापता लोगों, खासकर बच्चों की सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित करने के लिए सीआईडी झारखंड ने मजबूत एक्शन प्लान तैयार किया है। प्लान को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में बनाया गया है और इसे राज्य के सभी जिलों के एसएसपी / एसपी को धरातल पर लागू करने के लिए भेज दिया गया है। सीआईडी द्वारा लापता लोगों को लेकर यह पहल सुप्रीम कोर्ट द्वारा जी. गणेश बनाम तमिलनाडु राज्य एवं अन्य मामले में दिए गए महत्वपूर्ण निर्देशों के बाद की गई है। अदालत ने देशभर में लापता व्यक्तियों और मानव तस्करी से जुड़े मामलों के प्रभावी अनुसंधान, त्वरित कार्रवाई और पीड़ितों की सुरक्षा को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए थे। इसके बाद झारखंड के गृह विभाग ने डीजीपी, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव तथा सीआईडी के एडीजी को राज्य स्तर पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया था। सीआईडी के पत्र के अनुसार इस एक्शन प्लान का उद्देश्य लापता व्यक्तियों के मामलों में शुरुआती स्तर पर ही गंभीरता से कार्रवाई करना, मानव तस्करी की आशंका वाले मामलों की शीघ्र पहचान करना, पीड़ितों की सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित करना तथा पुनर्वास की प्रक्रिया को मजबूत बनाना है। इसमे कई महत्वपूर्ण बिंदु जोड़े गए हैं। नई कार्ययोजना के तहत किसी भी व्यक्ति या बच्चे के लापता होने की सूचना मिलते ही संबंधित थाना तत्काल एफआईआर दर्ज करेगा। अब पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने में किसी प्रकार की देरी नहीं करनी होगी। हालांकि यदि लापता व्यक्ति सूचना मिलने के 24 घंटे के भीतर सुरक्षित मिल जाता है तो संबंधित जिले के एसपी को यह अधिकार होगा कि मामले को न्यायालय में आगे नहीं बढ़ाते हुए उसी स्तर पर समाप्त कर दें। सीआईडी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सभी मामलों में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की प्रासंगिक धाराओं को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा। यदि प्रथम दृष्टया मामला अपहरण, मानव तस्करी या किसी अन्य गंभीर अपराध से जुड़ा प्रतीत होता है तो उससे संबंधित सभी कड़े कानूनी प्रावधान भी एफआईआर में जोड़े जाएंगे ताकि जांच मजबूत हो और दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। पहले कई मामलों में लंबी अवधि तक स्थानीय स्तर पर जांच चलती रहती थी लेकिन अब यदि पुलिस को शुरुआती जांच में ही मानव तस्करी या अपहरण की आशंका दिखाई देती है तो चार महीने तक इंतजार करने की आवश्यकता नहीं होगी। ऐसे मामलों को तत्काल एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट या किसी अन्य विशेष जांच इकाई को स्थानांतरित कर दिया जाएगा ताकि विशेषज्ञ स्तर पर जांच तेजी से आगे बढ़ सके। नए एक्शन प्लान में पीड़ितों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। किसी भी लापता व्यक्ति या बच्चे की बरामदगी के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत पहचान और संबंधों का पूरा सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन पूरा होने के बाद ही उसे उसके वैध अभिभावक या परिवार के सुपुर्द किया जाएगा। यदि जांच के दौरान यह सामने आता है कि परिवार का कोई सदस्य या अभिभावक स्वयं मानव तस्करी अथवा लापता कराने की घटना में शामिल है तो पीड़ित को उनके हवाले नहीं किया जाएगा। ऐसी स्थिति में उसकी सुरक्षा, देखभाल और पुनर्वास की जिम्मेदारी बाल कल्याण समिति को सौंपी जाएगी।

राजद केवल राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की आवाज : इरफान आलम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का 30वां स्थापना दिवस रविवार को गिरिडीह के नया परिषद भवन में उत्साह, जोश और संगठनात्मक संकल्प के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केक काटकर किया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं ने एक-दूसरे को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष इरफान आलम ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सचिव हाजी इनामुल हक एवं रामेश्वर प्रसाद यादव उपस्थित रहे, जबकि संचालन युवा राजद जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद यादव ने किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष इरफान आलम ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की मूल भावना को मजबूत करने वाला जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि पार्टी की स्थापना ऐसे समय में हुई थी, जब गरीब, पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और वंचित समाज को अपनी आवाज बुलंद करने के लिए एक मजबूत मंच की आवश्यकता थी। पिछले तीन दशकों में राजद ने इन वर्गों के अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाने का कार्य किया है।उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने सामाजिक न्याय की जिस विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया, उसी का परिणाम है कि



आज समाज के वंचित तबकों में सम्मान और अधिकार की लड़ाई लड़ने का आत्मविश्वास बढ़ा है। राजद हमेशा सामाजिक समरसता, लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान की रक्षा तथा आम लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रही है इरफान आलम ने कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचकर पार्टी की नीतियों एवं सामाजिक न्याय के संदेश को लोगों तक पहुंचाए। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, युवाओं एवं महिलाओं को पार्टी से जोड़ने तथा जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में गिरिडीह जिले में संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाया जाएगा युवा राजद जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि शीघ्र ही जिले के सभी प्रखंडों में संगठन का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजद जनहित के मुद्दों पर आंदोलन, धरना-प्रदर्शन और जनसंपर्क अभियान के माध्यम से आम जनता की आवाज बनकर संघर्ष जारी रखेगी इस अवसर पर जमुआ विधानसभा के पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी संजय दास ने अपने समर्थकों के साथ राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी नेताओं ने उनका स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष इरफान आलम ने बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि गिरिडीह में जल्द ही राष्ट्रीय जनता दल का एक विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, पार्टी के सभी विधायक तथा गिरिडीह और कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के दोनों सांसद शामिल होंगे। सम्मेलन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं तथा इसकी तिथि एवं आयोजन स्थल की घोषणा शीघ्र की जाएगी। उन्होंने कार्यकताओं से अभी से इसकी तैयारी में जुटकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया।

बड़कागांव में भूमि अधिकार पर कांग्रेस का अभियान तेज, के. राजू आज प्रभावित क्षेत्रों का करेंगे दौरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी (हजारीबाग)। झारखंड के हजारीबाग जिले के बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण और विस्थापन के मुद्दे पर कांग्रेस ने अपना अभियान तेज कर दिया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से झारखंड प्रभारी के. राजू सोमवार को बड़कागांव, केरेडारी



और पतरातू के विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। इस दौरान वे रैयतों, विस्थापित परिवारों और ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी लेंगे। दौरे की जानकारी झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेता योगेंद्र साव ने बड़कागांव स्थित अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने कहा कि दौरे का मुख्य उद्देश्य भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, पुनर्वास और विस्थापन से जुड़े मामलों का आकलन करना तथा इन मुद्दों पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर कांग्रेस नेतृत्व और राज्य सरकार तक पहुंचाना है। प्रेस वार्ता में योगेंद्र साव ने आरोप लगाया कि राज्य में भूमि अधिग्रहण के मामलों में वर्ष 2013 के भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन कानून की भावना के अनुरूप कार्रवाई नहीं हो रही है। उनका कहना था कि यदि इस कानून को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए तो प्रभावित रैयतों को बाजार मूल्य के अनुरूप बेहतर मुआवजा और पुनर्वास का लाभ मिल सकता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई खनन परियोजनाओं में पुराने कानूनों के आधार पर भूमि अधिग्रहण किए जाने से किसानों और रैयतों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। योगेंद्र साव के अनुसार, के. राजू अपने दौरे के दौरान पतरातू, गोंदलपुरा, चेपा खुर्द, कंडाबेर, बेंगवारी, बसरिया, पगार और पचड़ा समेत विभिन्न क्षेत्रों में जाकर ग्रामीणों से सीधे संवाद करेंगे। इसके बाद वे अपनी रिपोर्ट कांग्रेस नेता राहुल गांधी और झारखंड के मुख्यमंत्री को सौंपेंगे। पूर्व मंत्री ने दावा किया कि यदि वर्ष 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून को पूरी तरह लागू किया जाता है तो विस्थापन और मुआवजे से जुड़े अधिकांश विवादों का समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को जनहित से जुड़ा विषय मानते हुए प्रभावित परिवारों के अधिकारों की लड़ाई जारी रखेगी।

संक्षिप्त समाचार

महुअरी में खत्म हुआ सड़क विवाद, ग्रामसभा में हुई ऐतिहासिक सुलह

हुसैनाबाद/पलामू (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के महुअरी गांव में कच्ची सड़क निर्माण को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच उपजा विवाद आखिरकार ग्रामसभा की पहल से समाप्त हो गया। जिस विवाद को लेकर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट, फायरिंग और काम बाधित करने के आरोप लगाते हुए हुसैनाबाद थाना में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई थी, अब उसे आपसी सहमति से सुलझा लिया गया है। इस संबंध में ग्रामसभा का लिखित निर्णय हुसैनाबाद थाना को भी सौंप दिया गया है। राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, महुअरी परिसर में आयोजित ग्रामसभा की बैठक में दोनों पक्षों की मौजूदगी में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक की अध्यक्षता अखिलेश्वर कुमार सिंह ने की, जबकि पंचायत समिति सदस्य बद्री नारायण सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामसभा में निर्णय लिया गया कि प्लॉट संख्या 411, खाता संख्या 181 की उत्तर दिशा में 14 फीट चौड़ी मिट्टी-मोरम सड़क का निर्माण कराया जाएगा। साथ ही गांव में जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए महुअरी के टोला इन्सोत में सड़क के दक्षिण भाग से उत्तर दिशा की ओर पाइप डालकर सोख्ता के पानी की निकासी की व्यवस्था करने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया।बैठक में सड़क विवाद को लेकर हुसैनाबाद थाना कांड संख्या 144/26 एवं 145/26 पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने ग्रामसभा के समक्ष आपसी सुलह पर सहमति जताई और मुकदमों को वापस लेने का निर्णय लिया। ग्रामसभा ने इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। गत 26 जून को जिला परिषद मद से स्वीकृत मिट्टी-मोरम सड़क निर्माण के दौरान विवाद उत्पन्न हो गया था। महेंद्र कुमार सिंह ने आरोप लगाया था कि बद्री नारायण सिंह और उनके परिजनों ने हथियारों के बल पर निर्माण कार्य रुकवाया, मारपीट की और फायरिंग की। वहीं दूसरे पक्ष ने भी मारपीट और फायरिंग के आरोप लगाते हुए थाना में आवेदन दिया था। दोनों पक्षों की शिकायत पर हुसैनाबाद थाना में अलग-अलग कांड दर्ज कर पुलिस जांच कर रही थी। अब ग्रामीणों की पहल और ग्रामसभा के निर्णय से लंबे समय से चला आ रहा विवाद समाप्त हो गया है। दोनों पक्षों ने गांव के विकास को प्राथमिकता देते हुए आपसी मतभेद भुलाने का निर्णय लिया।

इनर व्हील क्लब ऑफ सनशाइन गिरिडीह के निःशुल्क मेडिकल हेल्थ कैंप में 250 मरीजों ने लिया लाभ

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। समाजसेवा और जनकल्याण के उद्देश्य से इनर व्हील क्लब ऑफ सनशाइन गिरिडीह द्वारा रविवार को पचंबा दुर्गा मंडप में निःशुल्क बहु-विशेषज्ञ मेडिकल हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में दुगार्पुर मिशन अस्पताल, पश्चिम बंगाल से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लगभग 250 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया। दूर-दराज से पहुंचे लोगों ने भी इस शिविर का लाभ उठाया शिविर में डमेटीलॉजिस्ट डॉ. अनमोल, सर्जन डॉ. जेसिका क्रिस्टीना, डॉ. नमिता, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. नम्रता परीदा तथा मेडिकल ऑफिसर डॉ. रूद्र नारायण ने मरीजों की जांच कर स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह दी। कार्यक्रम में दुगार्पुर मिशन अस्पताल, पश्चिम बंगाल के सीनियर जनरल मैनेजर मलय भट्टाचार्य भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब की अध्यक्ष राखी झुनझुनवाला के स्वागत भाषण से हुआ। इसके बाद अतिथियों, चिकित्सकों एवं क्लब की सदस्याओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का विधिवत उद्घाटन किया।अपने संबोधन में अध्यक्ष राखी झुनझुनवाला ने कहा कि इनर व्हील क्लब का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं और जागरूकता पहुंचाना भी है। उन्होंने कहा कि क्लब भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।डमेटीलॉजिस्ट डॉ. अनमोल ने कहा कि समय पर स्वास्थ्य जांच और सही चिकित्सकीय परामर्श से कई गंभीर बीमारियों की रोकथाम संभव है। ऐसे स्वास्थ्य शिविर लोगों को नियमित जांच के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं शिविर के सफल आयोजन में डॉ. मनीषा जालान, पीडीजी डिस्ट्रिक्ट 3250, चैंबर ऑफ कॉमर्स के एरिया प्रेसिडेंट निर्मल झुनझुनवाला तथा पीडीसी डिस्ट्रिक्ट 3250 पूनम प्रकाश सहाय का विशेष सहयोग रहा कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष राखी झुनझुनवाला, सचिव संगीता सिंह, कोषाध्यक्ष रश्मि गुप्ता, एडिटर शमा परवीन, आईपीपी कविता राजगढ़िया, पीपी शबाना रब्बानी, किरण अग्रवाल सहित क्लब की अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं। सभी ने शिविर के सफल संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई शिविर के दौरान मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श के साथ स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई।

पवन बने जिला सचिव व किशोर को मिली कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। ऑल इंडिया चंद्रवंशी युवा एसोसिएशन की मासिक बैठक रविवार को गिरिडीह के न्यू परिषद भवन में आयोजित की गई। बैठक में समाज के संगठनात्मक विस्तार, शिक्षा, रोजगार तथा सामाजिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में प्रदेश संयोजक अजीत कुमार पप्पू चंद्रवंशी, जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार चंद्रवंशी, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय चंद्रवंशी, महानगर अध्यक्ष रूपेश चंद्रवंशी, जिला उपाध्यक्ष अनूप चंद्रवंशी, प्रखंड अध्यक्ष बबलू चंद्रवंशी, रणजीत राम मुखिया, युवा नगर अध्यक्ष विवेक चंद्रवंशी सहित प्रखंड एवं जिला के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक की शुरूआत अजीत कुमार पप्पू चंद्रवंशी को पुनः प्रदेश संयोजक चुने जाने पर अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित करने एवं शुभकामनाएं देने के साथ हुई। इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों से आए समाज के लोगों की समस्याएं सुनी गईं तथा पदाधिकारियों ने उनके समाधान के लिए आवश्यक पहल का भरोसा दिलाया संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से सभी सदस्यों से अपने-अपने क्षेत्र में नियमित मासिक बैठक आयोजित करने तथा शिक्षा एवं रोजगार से जुड़ी समस्याओं को चिन्हित कर उनके समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया गया बैठक में सर्वसम्मति से पवन चंद्रवंशी को जिला सचिव एवं किशोर चंद्रवंशी को जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। दोनों नव-नियुक्त पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया तथा उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी गईं बैठक में छोटेलाल रवानी, दिनेश चंद्रवंशी, सुरेश राम, चंदन चंद्रवंशी, विजय चंद्रवंशी सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

हर पात्र मतदाता तक पहुंचे सहायता, 1950 हेल्पलाइन का करें उपयोग : डीसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 अभियान के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामनिवास यादव ने शनिवार को समाहरणालय स्थित वोटर हेल्पलाइन एवं मतदाता सहायता केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं हेल्पलाइन केंद्र पर बैठकर मतदाताओं को दी जा रही सुविधाओं, टोल फ्री हेल्पलाइन 1950 की कार्यप्रणाली और शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया का जायजा लिया।उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक मतदाता को समयबद्ध, सरल और



संतोषजनक सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र मतदाता को जानकारी के अभाव में निर्वाचन प्रक्रिया से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन, विलोपन, स्थानांतरण या एसआई आर 2026 से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए मतदाता टोल फ्री हेल्पलाइन 1950 पर संपर्क कर सकते हैं।उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से अपील की कि वे समय पर गणना प्रपत्र भरकर शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने में जिला प्रशासन का सहयोग करें। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को हेल्पलाइन सेवा को और अधिक प्रभावी, उत्तरदायी एवं जनसुलभ बनाने के निर्देश भी दिए गए।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नई शाखा खोलने की प्रक्रिया तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। हुसैनाबाद के दंगवार क्षेत्र के लोगों को शीघ्र ही बड़ी बैंकिंग सुविधा मिलने जा रही है। झारखंड के वित्त, योजना एवं विकास मंत्री राधाकृष्ण किशोर की पहल पर दंगवार में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नई शाखा खोलने की प्रक्रिया तेज हो गई है। बैंक के अधिकारियों ने क्षेत्र का सर्वे कर शीघ्र शाखा खोलने का आश्वासन दिया है। इसे लेकर मुखिया अमरेंद्र कुमार ठाकुर ने बताया कि शनिवार को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया रांची से आए अधिकारी रॉबिन लकड़ा ने दंगवार पहुंचकर स्थल का निरीक्षण व सर्वे किया। सर्वे के बाद उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद शीघ्र ही दंगवार में



यूनियन बैंक की शाखा शुरू की जाएगी। बताया कि बित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने मकर संक्रांति मेला के अवसर पर दंगवार में यूनियन बैंक की शाखा खोलने की घोषणा की थी। अब सर्वे पूरा होने के बाद लोगों की उम्मीदें और मजबूत हो गई है। मौके पर मुखिया अमरेंद्र ठाकुर के अलावे विवेक गुप्ता, मुन्नी लाल चौधरी, रसूल अंसारी, केशरी नंदन सिंह, अकेला पाठक, गुड्डू राम सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

एसआइआर की समीक्षा में बीएलओ को समयबद्ध कार्य का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर 2026) अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर शनिवार को बगोदर-सरिया अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी संतोष गुप्ता की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में निर्वाचन कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों, बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजरों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया।

इस दौरान मतदाता जागरूकता से संबंधित प्रचार-प्रसार सामग्री भी वितरित की गई एसडीओ संतोष गुप्ता ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है। इसके



लिए बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध करा रहे हैं तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रपत्र भरवाकर उन्हें ऑनलाइन दर्ज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी आवश्यक है उन्होंने मतदाताओं से समय पर गणना प्रपत्र भरने और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए जागरूक करने की अपील की। निर्वाचन संबंधी किसी भी जानकारी या सहायता के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन 1950 का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। इसी उद्देश्य से जिले में जागरूकता अभियान, चुनावी पाठशाला, बीएलओ-बीएलए बैठकें तथा घर-घर संपर्क अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं।

हाइटेक सुविधाओं से लैस जीवन हॉस्पिटल का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। हजारीबाग जिले के चरही पंचायत स्थित चरही चौक के समीप रविवार को नवनिर्मित जीवन हॉस्पिटल का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक, जिला परिषद सदस्य बासुदेव करमाली, बहेरा पंचायत की मुखिया देवकी महतो सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए। अस्पताल प्रबंधन ने सभी अतिथियों का बुके देकर स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने अस्पताल प्रबंधन को बधाई देते हुए कहा कि चरही जैसे क्षेत्र में हाईटेक सुविधाओं एवं आधुनिक मशीनों से सुसज्जित अस्पताल की शुरूआत क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने कहा कि अब आसपास के ग्रामीणों को बेहतर इलाज के लिए



दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से स्थानीय लोगों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सकेगा। कार्यक्रम में प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक, जिला परिषद सदस्य बासुदेव करमाली एवं मुखिया देवकी महतो ने अस्पताल प्रबंधन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देगा और आम लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा। उद्घाटन समारोह में चरही पंचायत की मुखिया संझलि मुर्मू, पूर्व मुखिया उमेश सिंह, पंचायत समिति सदस्य आशा राय, पूर्व विधायक प्रतिनिधि बीना मिश्रा, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि जावेद अली, ओमप्रकाश गिरी, बबीता सिंह, सुकुल रजा, राम सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

400 किलो अवैध जावा महुआ व शराब बनाने के उपकरण किए विनष्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। हुसैनाबाद के देवरी ओपी क्षेत्र अंतर्गत सोन नदी किनारे विभिन्न स्थानों पर चल रहे अवैध शराब निर्माण के खिलाफ देवरी ओपी प्रभारी राजू गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस बल के सहयोग से अभियान चलाया गया। इस दौरान करीब 400 किलोग्राम अवैध जावा महुआ बरामद कर मौके पर ही विनष्ट कर दिया गया। साथ ही शराब बनाने का उपकरणों को भी नष्ट कर दिया गया। देवरी ओपी प्रभारी राजू गुप्ता ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने सोन नदी के किनारे अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान जावा महुआ और उपकरण को वहीं विनष्ट कर दिया गया। ओपी प्रभारी ने कहा कि अवैध शराब के निर्माण और कारोबार पर रोक लगाने के लिए क्षेत्र मे आगे भी अभियान जारी रहेगा है।

6 घंटे में लूटकांड का खुलासा, बाइक मोबाइल बरामद, दो आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। कटकमसांडी थाना क्षेत्र में हुई मोटरसाइकिल लूट की घटना का हजारीबाग पुलिस ने महज 5-6 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने लूटी गई पल्सर आरएस-200 मोटरसाइकिल, विवो कंपनी का मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त सिल्वर-ब्लैक रंग की अपाचे मोटरसाइकिल तथा एक चाकू भी बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 4 जुलाई 2026 को



कटकमसांडी थाना में दर्ज कांड संख्या-107/26 के तहत अज्ञात अपराधियों द्वारा एक व्यक्ति से मोटरसाइकिल और मोबाइल लूट लेने की शिकायत दर्ज कराई गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) एवं पुलिस निरीक्षक, पेलावल अंचल के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड दर्ज होने के 5-6 घंटे के भीतर ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर लूटी गई बाइक और मोबाइल के साथ घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल एवं चाकू भी बरामद कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कटकमदाग थाना क्षेत्र के बानादाग निवासी 20 वर्षीय अविनाश कुमार तथा चतरा जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र के सहरजाम निवासी 19 वर्षीय आलोक कुमार गुप्ता के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी रहा है। आलोक कुमार गुप्ता के विरुद्ध इटखोरी एवं कोर्रा थाना में पूर्व से गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि अविनाश कुमार मारपीट एवं सदर थाना के चर्चित गीतांजलि ज्वेलर्स लूटकांड में पूर्व में जेल जा चुका है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। मामले के अन्य पहलुओं की जांच जारी है। हजारीबाग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अपराध की सूचना तत्काल निकटतम थाना या पुलिस को दें, ताकि अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों पर चलने का आह्वान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय हरिचक में रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वें स्मरण पक्ष के तहत कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार राय ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा उपस्थित रहे। संचालन पूर्व जिला उपाध्यक्ष श्याम प्रसाद तथा धन्यवाद ज्ञापन जिला मंत्री सुरेश मंडल ने किया। जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार राय ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर सभी बूथों पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करें।



उन्होंने पार्टी के 'सरल ऐप' के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म से अधिक से अधिक कार्यकताओं को जोड़ने तथा संगठन द्वारा निर्धारित लक्ष्य पूरा करने का आह्वान किया मुख्य अतिथि गणेश मिश्रा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन एवं राष्ट्रसेवा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि "राष्ट्र प्रथम" उनका मूल मंत्र था, जिसे प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने कश्मीर में 'एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान' का विरोध करते हुए अपना बलिदान दिया। उन्होंने 1951 में जनसंघ की स्थापना, नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा, नेहरू-लियाकत समझौता तथा जनसंघ से भाजपा तक की संगठनात्मक यात्रा पर भी विस्तार से चर्चा की।कार्यक्रम में पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा, जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, पूर्व डिप्टी मेयर प्रकाश सेठ, पूर्व जिलाध्यक्ष यदुनंदन पाठक, बार एसोसिएशन के महासचिव चुन्नूकांत, सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष विनिता कुमारी, जिला महामंत्री संदीप डगेच सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे

संक्षिप्त समाचार

सिटी पार्क स्थित शहीद उद्यान में समारोहपूर्वक मनेगा कारगिल विजय दिवस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 26 जुलाई 2026 को बोकारो स्टील सिटी के सिटी पार्क स्थित शहीद उद्यान में कारगिल विजय दिवस समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, बोकारो ने जुलाई माह को 'कारगिल माह' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसका ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया गया है. इस दौरान पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा. रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। पूर्व सैनिकों का सम्मान समारोह होगा. ये बातें अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद बोकारो के राकेश मिश्रा ने रविवार को कही है। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद बोकारो की बैठक रविवार को सिटी पार्क स्थित शहीद उद्यान में हुई. बैठक में मुख्य रूप से जुलाई माह को 'कारगिल माह' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया. इस दौरान कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करने पर सहमति बनी। बैठक में राकेश मिश्रा, परमहंस कुमार, विनय कुमार, राजकुमार सिंह, अजय कुमार, प्रदीप कुमार, शैलेन्द्र कुमार, मनीष चंचल, मनोज कुमार आदि उपस्थित थे।



जिला कांग्रेस बचाओ समिति ने संतोष सिंह को धनबाद जिलाध्यक्ष पद से हटाने की मांग की

धनबाद /रांची/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद जिला काँग्रेस बचाओ समिति का प्रतिनिधिमंडल काँग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह को पदमुक्त करने के लिए प्रदेश प्रभारी के राजू एवं प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से मिलकर जिलाध्यक्ष के पिछले और वर्तमान कारगुजारियों से अवगत कराया। प्रभारी ने उपस्थित काँग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बातों को गंभीरता से सुना। सभी नेताओं ने एक स्वर से जिलाध्यक्ष पद से संतोष सिंह को हटाने की मांग को दोहराया और कहा संतोष सिंह के जिलाध्यक्ष बनने के बाद से संगठन कमजोर हुआ है।काँग्रेस संस्कृति से जुड़े समर्थक और काँग्रेस मतदाता इस बात से हतप्रभ है और सवाल खड़ा कर रहे हैं कि जिनके अध्यक्षता काल में लोकसभा,विधानसभा,निकाय चुनाव में पराजय हुआ हो उन्हें पुनः अध्यक्ष बनाना कहीं से भी उचित नहीं है। प्रभारी ने प्रतिनिधिमण्डल को उचित कार्रवाई का भरोसा दिया। प्रतिनिधिमंडल में राजेश्वर सिंह यादव,रवीन्द्र वर्मा, राजकुमार महतो,संजय जायसवाल,हुमायूं राजा,अवधेश पासवान, पप्पु पासवान ,रवि रंजन सिंह डी एन यादव, मोइन अंसारी,अनिल साव, कामता पासवान, माला झा, सरयू प्रसाद, मो मुनौवर, इदु अंसारी ,अमर नाथ प्रसाद, भास्कर झा ,विन्ध्याचल यादव, जियाउल अंसारी, बनमाली गोप , राजू महतो, राजा कुमार सिंह, राहुल पांडे ,गणेश बाउरी,पवन कुमार पांडेय ,शाहरुख खान, नन्दन भुइयां, अंकित सिंह आदि प्रमुख हैं।



बेरमो में एसआईआर-2026 अभियान का डीसी ने किया स्थलीय निरीक्षण

बोकारो /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने बेरमो प्रखंड के जरीडीह बस्ती पहुंचकर अभियान के तहत चल रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीईओ सह डीसी ने बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने बीएलओ से अभियान के दौरान किए जा रहे कार्यों, मतदाताओं की प्रतिक्रिया के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्रों का समयबद्ध वितरण, संग्रहण एवं शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न हो।



जेसीआई जज्बा समाज हित, सेवा एवं जनजागरुकता कार्यक्रमों को और गति प्रदान करेगी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मिडकॉन में शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 पुरस्कार अपने नाम करने के बाद जेसीआई बोकारो जज्बा अब समाजहित में विभिन्न सेवा एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों की शुरूआत करने जा रहा है। संस्था द्वारा अंतरराष्ट्रीय मानव कर्तव्य के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं संचालित की जाएंगी। आगामी कार्यक्रमों में स्वास्थ्य जांच शिविर, जल संरक्षण जागरूकता अभियान, सेनेटरी पैड वितरण, वृक्षारोपण अभियान तथा अन्य सामाजिक गतिविधियां शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों तक सेवा और जागरूकता पहुंचाना है। इसके अलावा, जेसीआई की क्षेत्रीय प्रशिक्षक जेसी मिनी स्टीफन कपूर कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित करेंगी। इस सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने भविष्य की दिशा तय करने और उचित रोजगार एवं उच्च शिक्षा के विकल्प चुनने में मार्गदर्शन मिलेगा। संस्था के अध्यक्ष विनीता कुमार ने कहा कि जेसीआई बोकारो जज्बा सेवा, नेतृत्व और समाज के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। आने वाले समय में भी समाज के विभिन्न वर्गों के हित में कई प्रभावी परियोजनाएं आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर सचिव सुजाता राज, कोषाध्यक्ष पुष्पा राज,शिल्पी सुभाशिनी, मासू राय, बबीता कुमारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।



पेंशन में बढ़ोत्तरी सहित वरिष्ठ नागरिकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मंथन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी स्थित लोकनायक सभागार में वरिष्ठ नागरिक एवं पेंशनर परिषद (भारतीय मजदूर संघ संबद्ध) की प्रांतीय पदाधिकारियों की बैठक रविवार को शैलेश कुमार वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में धनबाद, रामगढ़, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, गोड्डा एवं देवघर से आए पदाधिकारियों ने संगठनात्मक विस्तार एवं वरिष्ठ नागरिकों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में संगठन की सदस्यता अभियान को गति देने, प्रांतीय इकाई का शीघ्र पंजीयन कराने तथा जिला सह-संयोजकों के मनोनयन का निर्णय लिया गया। इसके अलावा 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए अभियान चलाने पर सहमति बनी। परिषद ने केंद्र सरकार से न्यूनतम मासिक पेंशन ₹7,500 करने तथा कोयला मजदूरों की पेंशन को महंगाई भत्ते से जोड़ते हुए उसमें वृद्धि करने की मांग की। बैठक में 18-19 जुलाई 2026 को झांसी में प्रस्तावित वरिष्ठ नागरिक परिषद की अखिल भारतीय कार्यसमिति की बैठक की तैयारियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बताया गया कि बैठक में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा एवं संरक्षण, आर्थिक आत्मनिर्भरता, विभिन्न पेंशन योजनाओं में असमानता, चल-अचल संपत्ति से जुड़े पारिवारिक विवाद तथा उनसे संबंधित कानूनी प्रावधान प्रमुख एजेंडा होंगे। महामंत्री सूर्यनाथ सिंह ने जानकारी दी कि झांसी में आयोजित राष्ट्रीय बैठक में 23 राज्यों के लगभग 120 प्रतिनिधि शामिल होंगे। बैठक में सूर्यदेव प्रसाद कार्ण, एस.बी. तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे। प्रदेश संगठन मंत्री आदिल साहू ने कहा कि संगठन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा के अनुरूप कार्य करते हुए झारखंड के वरिष्ठ नागरिकों के हितों के लिए सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ पैरेंट्स एंड सीनियर सिटिजंस एक्ट-2007, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 तथा मोहिनी गिरी समिति (2011) की अनुशंसाओं का अध्ययन करने पर बल दिया। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर, मनोरंजन कार्यक्रम एवं जागरूकता अभियान नियमित रूप से आयोजित करने का आह्वान किया। अंत में अध्यक्ष शैलेश कुमार वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए बैठक समाप्ति की घोषणा की।



डीसी ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, मौके पर समाधान के दिए निर्देश



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। निरीक्षण के दौरान चीपूदाग गांव में बीएलओ एवं ग्रामीणों ने मोबाइल नेटवर्क की समस्या डीईओ सह डीसी अजय नाथ झा के समक्ष रखी। उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए मौके से ही संबंधित नोडल पदाधिकारी को दूरभाष पर निर्देशित किया कि नेटवर्क व्यवस्था को शीघ्र दुरुस्त कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि एसआईआर-2026 अभियान के साथ-साथ ग्रामीणों को भी बेहतर संचार सुविधा मिल सके। इस अवसर पर डीईओ सह डीसी ने उपस्थित महिला ग्रामीणों से संवाद कर उनकी आजीविका एवं रोजगार से जुड़ी चुनौतियों की जानकारी ली। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी ममता कुमारी ने बताया कि गांव की अधिकांश महिलाएं शिक्षित हैं, समूह से जुड़ी हैं और स्वरोजगार के लिए लघु उद्योग स्थापित करना चाहती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गांव की महिलाएं खेती-किसानी में भी सक्रिय भूमिका निभाती हैं। इस पर डीसी ने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि समूह की बैठक कर अब तक समूह से नहीं जुड़ी महिलाओं को भी जोड़ने की दिशा में पहल करें तथा स्थानीय स्तर पर कौन-कौन से स्वरोजगार आधारित कार्य शुरू किए जा सकते हैं, इसका प्रस्ताव तैयार कर बीडीओ एवं सीओ को उपलब्ध कराएं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रशासन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के हर सकारात्मक प्रयास में पूरा सहयोग करेगा।

निरीक्षण के क्रम में उन्होंने गांव में एक जर्जर मकान का भी जायजा लिया। यशोदा देवी के घर के आंगन में जलजमाव देखकर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल साफ-सफाई कराने, मिट्टी भराई कर आंगन एवं सामने के मार्ग को समतल बनाने तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा,सीओ अशोक राम,एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

वन महोत्सवः सहयोगिनी संस्था ने खैराचातर के विदाहा वन क्षेत्र में किया 'सीड बॉल' रोपण

बोकारो /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। वन महोत्सव के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी पहल करते हुए सहयोगिनी संस्था द्वारा कसमार प्रखंड के खैराचातर स्थित विदाहा वन क्षेत्र में 'सीड बॉल' रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत वन क्षेत्र की झाड़ियों के बीच और खाली पड़ी परती जमीन पर भारी मात्रा में सीड बॉल बिखेरे गए, ताकि आने वाले समय में इन जगहों पर नए पौधे उग सकें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी संस्था के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि इन सीड बॉल्स को स्थानीय महिलाओं और किशोरियों के समूहों द्वारा बेहद मेहनत से तैयार किया गया है। 'मिट्टी और खाद के मिश्रण के बीच में पेड़ों के बीजों को सुरक्षित रखकर यह सीड बॉल बनाई गई हैं। इन्हें वन क्षेत्र के उन हिस्सों, झाड़ियों और परती जमीनों पर फैलाया जा रहा है जहां जंगल कम या कम घने हैं। बारिश के संपर्क में आते ही ये सीड बॉल अंकुरित हो जाएंगे और आने वाले दिनों में यह पूरा क्षेत्र एक जंगल के रूप में विकसित हो सकेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य न केवल वन क्षेत्र का दायरा बढ़ाना है, बल्कि आम लोगों को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जागरूक करना भी है। कार्यक्रम के दौरान संस्था के सदस्यों ने स्थानीय ग्रामीणों को जंगलों की अंधाधुंध कटाई न करने और नए पौधे लगाने की शपथ दिलाई। साथ ही, जुलाई के पहले सप्ताह में मनाए जाने वाले 'वन महोत्सव' के महत्व और आज के समय में इसकी प्रासंगिकता पर विस्तार से जानकारी दी गई। पर्यावरण को हरा-भरा बनाने के इस सराहनीय संकल्प के दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से रणधीर कुमार, सुंदर लाल घासी, जयप्रकाश जयसवाल, अमित कुमार जायसवाल, कुमार गौरव, प्रीतम सागर और रवि कुमार सहित संस्था के कई कार्यकताओं ने अपनी सक्रिय



रोहित-हिमांशु की जोड़ी ने जीता जमशेदपुर पिकलबॉल चैम्पियनशिप का डबल्स खिताब

रोहित ने शानदार प्रदर्शन कर धनबाद का नाम रोशन कियाः बी सुधीर

धनबाद/जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जमशेदपुर में आयोजित पिकलबॉल चैम्पियनशिप के डबल्स वर्ग के रोमांचक फाइनल मुकाबले में रोहित एवं हिमांशु की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आदित्य एवं राघव की जोड़ी को पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। बता दे की डबल्स के विजेता रोहित धनबाद की बहुत ही प्रतिभावान खिलाड़ी है और हिमांशु पटना के खिलाड़ी है जिनका प्रदर्शन हमेशा उत्कृष्ट रहा हैं। फाइनल मुकाबले में विजेता जोड़ी ने उत्कृष्ट खेल कौशल, बेहतर तालमेल और शानदार रणनीति का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में झारखंड पिकलबॉल एसोसिएशन के सचिव तथा उपाध्यक्ष ने विजेता जोड़ी रोहित एवं हिमांशु को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं उपविजेता जोड़ी आदित्य एवं राघव को भी उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा कहा कि ऐसे आयोजन झारखंड में पिकलबॉल खेल के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जमशेदपुर में आयोजित पिकलबॉल चैम्पियनशिप के डबल्स वर्ग के रोमांचक फाइनल मुकाबले में रोहित एवं हिमांशु की जोड़ी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आदित्य एवं राघव की जोड़ी को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में विजेता जोड़ी ने बेहतरीन तालमेल, तकनीकी दक्षता और सटीक रणनीति का प्रदर्शन किया, जिससे मुकाबला अत्यंत प्रतिस्पर्धी और दर्शनीय रहा। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में झारखंड पिकलबॉल एसोसिएशन के सचिव प्रभात कुमार एवं उपाध्यक्ष बी.सुधीर ने विजेता जोड़ी रोहित एवं हिमांशु को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। उपविजेता जोड़ी आदित्य एवं राघव को भी उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल प्रदान किए गए। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई दी तथा भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन झारखंड में पिकलबॉल के विकास, खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने और उन्हें बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



केरल में मिली धनबाद की कबली देवी परिजनों को सुपुर्द

धनबाद /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला समाज कल्याण विभाग और वन स्टॉप सेंटर के संयुक्त प्रयास से 20 वर्षों से लापता कबली देवी को आज पूर्वी टुंडी प्रखंड के अंतर्गत ग्राम दलदली (पंचायत चुरुरिया) में उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। मौके पर कबली देवी के पति, बेटा-बेटी, पोता-पोती के साथ गांव के अनेक लोग मौजूद थे। दरअसल, 65 वर्षीय कबली देवी लगभग 20 साल पहले अचानक अपने गांव से कहीं चली गई थीं। लंबे समय तक खोजबीन के बाद भी जब उनका कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजनों ने उन्हें मृत मान लिया था और उनके पति ने दूसरी शादी भी कर ली थी। वहीं उनके 20 साल बाद वापस गांव लौटने से परिवार सहित पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। उल्लेखनीय है कि कबली देवी केरल के कालीकट (कोझिकोड) में मिलीं, जिसके बाद उन्हें वहां के सरकारी आशा भवन (महिला) में रखा गया था। इस पूरे मामले में केरल के स्थानीय पुलिस इंस्पेक्टर शिवनमुनाथिल ने बेहद मानवीय और सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कड़ी मेहनत कर महिला के धनबाद स्थित घर का पता लगाया और फोन के माध्यम से धनबाद के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। तत्पश्चात जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती स्नेह कश्यप के निर्देशानुसार एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें जिला बाल संरक्षण इकाई के परामर्शदाता श्री मदन मोहन महथा एवं वन स्टॉप सेंटर की चौकीदार सुश्री आरती कुमारी को शामिल किया गया। यह टीम 23 जून से 28 जून 2026 तक यात्रा कर श्रीमती कबली देवी को सकुशल वापस लेकर धनबाद पहुंची थी।

डीइओ सह डीसी ने पेटरवार के विभिन्न मतदान केंद्रों में एसआइआर अभियान का किया निरीक्षण

गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य का लिया जायजा, मतदाताओं से अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा ने पेटरवार प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत संचालित कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने पेटरवार स्थित खटारीटोला मतदान केंद्र संख्या-256 का निरीक्षण कर बीएलओ से गणना प्रपत्र के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली तथा अभियान को निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान डीईओ सह डीसी की उपस्थिति में मतदाता शिव शंकर महता एवं सुरेश साव ने अपने एन्यूमरेशन फॉर्म पूर्ण किए। इसके उपरांत बीएलओ श्रीमती निशा शेठी द्वारा दोनों प्रपत्रों का तत्काल डिजिटाइजेशन किया गया। डीईओ सह डीसी ने कार्य की सराहना करते हुए वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन में निरंतर गति बनाए रखने का निर्देश दिया। इसके उपरांत डीईओ सह डीसी ने पेटरवार प्रखंड की उलगढ़ा पंचायत स्थित चीपूदाग मतदान केंद्र संख्या-220 का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने बीएलओ श्रीमती समता देवी से गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। मौके पर कई मतदाताओं के एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाए गए तथा उनका तत्काल बीएलओ द्वारा डिजिटाइजेशन भी कराया गया।

बीएलओ अनिता कुमारी एवं मंजूषा राय सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची के अद्यतन कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीएलओ को प्रतिदिन के रूप में सम्मानित किया जा रहा है। इसी क्रम में 04 जुलाई 2026 को शाम 06:00 बजे तक जिला स्तर पर कार्य निष्पादन के आधार पर गणना प्रपत्र वितरण श्रेणी में बेरमो विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या-333 की बीएलओ अनिता कुमारी ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने एक ही दिन में 410 गणना प्रपत्रों का वितरण किया। उनके पर्यवेक्षक दशरथ प्रसाद मांझी हैं। वहीं, गणना प्रपत्र डिजिटाइजेशन श्रेणी में बेरमो विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या-134 की बीएलओ मंजूषा राय ने उत्कृष्ट कार्य करते हुए एक ही दिन में 64 गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया।



डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'राष्ट्र प्रथम' के विचार आज भी देश के लिए प्रेरणास्रोत : राज सिन्हा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने आज जगजीवन नगर स्थित अपने आवासीय कार्यालय में महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर कल गांधी चौक (सिटी सेंटर) एवं सिंदरी में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय कार्यक्रमों में आमजनों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने तथा विधानसभा स्तर पर चल रहे विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान को लेकर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत बैठक की। बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा, संगठनात्मक दायित्वों, जनसंपर्क अभियान, जनसहभागिता तथा एसआईआर अभियान की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक श्री सिन्हा ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से कार्यक्रमों को सफल, गरिमामय एवं जनभागीदारीपूर्ण बनाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक राज सिन्हा ने कहा कि श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक महान शिक्षाविद् और राष्ट्रवादी चिंतक ही नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले दूरदर्शी नेता थे। उन्होंने सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा और देश की एकता, अखंडता एवं आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि धनबाद और सिंदरी का भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से विशेष ऐतिहासिक संबंध रहा है। देश के उद्योग एवं कृषि विकास को गति देने की उनकी दूरदर्शी सोच के अनुरूप, केंद्रीय मंत्रिमंडल में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने सिंदरी उर्वरक कारखाने की स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की तथा इसके शिलान्यास से इस क्षेत्र के औद्योगिक विकास की मजबूत आधारशिला रखी। सिंदरी का विकास उनकी दूरदृष्टि और राष्ट्र निर्माण के संकल्प का सशक्त उदाहरण है। धनबाद की जनता के लिए यह गर्व का विषय है कि इस ऐतिहासिक औद्योगिक परियोजना से श्रद्धेय डॉ. मुखर्जी का विशेष जुड़ाव रहा। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम उनके 'राष्ट्र प्रथम', आत्मनिर्भरता, सुशासन और राष्ट्रीय एकता के विचारों को जन-जन तक पहुँचाएं तथा उनके बताए मार्ग पर चलकर विकसित और सशक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। विधायक श्री राज सिन्हा ने जानकारी दी कि दिनांक 06 जुलाई को सिंदरी में आयोजित श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री सुकांता मजूमदार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। बैठक में धनबाद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सभी आठों मंडलों से हजारों की संख्या में कार्यकताओं एवं आमजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने की विस्तृत रणनीति बनाई गई तथा कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में जिला मंत्री रीता यादव, मौसम सिंह, मंडल अध्यक्ष गौतम चौधरी, राजाराम दत्ता, सन्नी रवानी, बसंती सिंह, मनोज गुप्ता, हुल्लास दास, रंजय सिंह, अभिमन्यु कुमार, मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा, संतोष सिंह, निर्मल प्रधान, नरेंद्र त्रिवेदी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष विभा रानी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिल सिन्हा, गीता सिंह, किरण सिंह, ललन मिश्रा, दिलीप सिंह, संजीत सिंह, राणा सिंह, तमाल राय, उदय सिंह, उमेश सिंह, अमित सिंह, सुप्रभात कुमार, बालमुकुंद राम, सतीश रजक, दीपक गुप्ता, सपन कश्यप, जीराखान सिंह, रिंकू सिंह, श्रवण झा, संजय गोस्वामी सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित थे।



धनबाद पुलिस ने की 509 लंबित मामलों की चार्जशीट व अंतिम प्रतिवेदन कोर्ट में दाखिल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद जिले में वर्षों से लंबित आपराधिक मामलों के निष्पादन को लेकर धनबाद पुलिस ने एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार की निगरानी में चलाए गए विशेष अभियान के तहत जून माह में जिले के विभिन्न थानों के 509 पुराने मामलों में चार्जशीट अथवा अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय में समर्पित किया गया। इनमें कई ऐसे मामले भी शामिल हैं जो वर्षों से लंबित थे। एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि समीक्षा के दौरान पाया गया कि कई मामलों में अनुसंधान पूरा होने के बावजूद तकनीकी, प्रशासनिक और प्रक्रियागत कारणों से चार्जशीट या अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय में दाखिल नहीं हो सका था। दस्तावेजों के सत्यापन, केस डायरी के संकलन और अन्य औपचारिकताओं में देरी के कारण भी कई मुकदमे अटके हुए थे। इन कमियों को दूर करने के लिए विशेष टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई शुरू की गई। उन्होंने कहा कि न्यायालय में चार्जशीट और अंतिम प्रतिवेदन दाखिल होने के बाद अब इन मामलों में ट्रायल की प्रक्रिया तेज होगी, जिससे पीड़ितों को समयबद्ध न्याय मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा और दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई भी आगे बढ़ेगी। एसपी ने स्पष्ट किया कि पुराने लंबित मामलों के निष्पादन का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। जिन मामलों में अब तक चार्जशीट या अंतिम प्रतिवेदन दाखिल नहीं हो सका है, उनकी भी समीक्षा कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए शीघ्र न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक :
मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com

शव के साथ एसडीपीओ कार्यालय पर प्रदर्शन

पुलिस पर मानसिक प्रताड़ना का लगाया आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र में एक महिला की मौत के बाद पुलिस पर गंभीर आरोप लगे हैं। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया कि हत्या के एक मामले में पूछताछ के दौरान पुलिस की लगातार कार्रवाई और कथित मानसिक प्रताड़ना के कारण महिला गहरे तनाव में चली गई, जिसके बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के विरोध में परिजन शव लेकर एसडीपीओ कार्यालय पहुंचे और कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

मृतका की पहचान सपना कुमारी (सपना देवी) के रूप में हुई है। परिजनों का कहना है कि वर्ष 2025 में अकबरपुर गांव के एक युवक की गला रेतकर हत्या के मामले में पुलिस बिना नोटिस उनके घर पहुंचती थी और पूरे परिवार को आरोपी बनाने का दबाव बना रही थी।

उनका आरोप है कि बार-बार पूछताछ और दबाव के कारण सपना कुमारी मानसिक तनाव में रहने लगी थीं।

परिजनों ने सपना कुमारी का एक वीडियो भी साझा किया है। वीडियो में वह कहती नजर आ रही हैं कि उन्हें पुलिस और पुलिस की गाड़ी देखकर भी डर लगता है। उनका कहना है कि उन्हें हमेशा इस बात का भय रहता था कि पुलिस कभी भी उन्हें पकड़ सकती है और उनके साथ कुछ भी हो सकता है।

मृतका की बहन खुशबू कुमारी का आरोप है कि तत्कालीन एसडीपीओ आनंद कुमार सिंह ने हत्या के मामले की पूछताछ के दौरान उनकी बहन को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

उनका कहना है कि एक दिन पुलिस पूछताछ के लिए घर से ले गई, जिसके बाद सपना की तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।परिजनों का यह भी आरोप है कि जिस हत्या मामले (केस संख्या 664/25) में पूछताछ की जा रही थी, उसमें सपना कुमारी और उनके परिवार का कोई संबंध नहीं था। इसके बावजूद लगातार दबाव बनाया जा रहा था और उनके भाई को भी धमकियां मिल रही थीं।

परिवार के सदस्य ओमप्रकाश पासवान ने आरोप लगाया कि लगातार मानसिक दबाव और पूछताछ के कारण सपना कुमारी अवसाद में चली गई थीं। वहीं नीतू पासवान ने आरोप लगाया कि मामले के जांच अधिकारी और तत्कालीन एसडीपीओ उन्हें बार-बार कार्यालय बुलाते थे तथा जेल भेजने और बच्चों का भविष्य खराब होने की धमकी देते थे। उनका कहना है कि इस संबंध में आवेदन भी दिया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

नए आरडीडीई ने संभाला पदभार

सारण को शिक्षा का कोटा बनाएंगे : आरडीडीई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा। सारण प्रमंडल के नवनियुक्त क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक (आरडीडीई) संजय कुमार ने शनिवार को शिक्षा भवन में विधिवत पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक राजदेव राम ने उन्हें प्रभार सौंपा। पदभार ग्रहण करने के बाद संजय कुमार ने सारण प्रमंडल को शिक्षा के क्षेत्र में ह्यकोटाह्ल के रूप में विकसित करने का संकल्प व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि सारण, सिवान व गोपालगंज के प्रतिभाशाली शिक्षकों की एक सशक्त टीम तैयार कर विषय विशेषज्ञों के सहयोग से जिला स्कूल को मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा। उनका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का ऐसा वातावरण तैयार करना है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर मिल सकें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि क्वालिटी एजुकेशन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और इस दिशा में प्रभावी पहल की जाएगी।



नवनियुक्त आरडीडीई ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार केवल विभागीय प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि शिक्षकों, शिक्षा पदाधिकारियों, छात्रों और कर्मचारियों के सामूहिक सहयोग से ही सारण प्रमंडल को राज्य के अग्रणी शैक्षणिक केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

प्रभार ग्रहण समारोह के दौरान निवर्तमान आरडीडीई राजदेव राम को सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि लगभग एक वर्ष के कार्यकाल के दौरान उन्हें पदाधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों का भरपूर सहयोग मिला, जिसके लिए उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि संजय कुमार के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

कार्यक्रम में कार्यालय के प्रधान लिपिक मनोज कुमार, वरीय लिपिक सवानंद सिंह, दीपक कुमार साह, विवेक राज, ऑपरेटर अमरजीत शर्मा, सीमा कुमारी, परिचारी चौबे, विकास कुमार, अशोक महतो सहित कार्यालय के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सभी ने नए आरडीडीई का स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर सारण जिला शिक्षा विभाग अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, शिक्षक नेता मनजीत कुमार तिवारी, शिक्षक कमल कुमार सिंह आदि ने भी नये आरडीडीई संजय कुमार को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया है कि उनके नेतृत्व में सारण, सिवान और गोपालगंज में शिक्षा व्यवस्था को नई गति मिलेगी तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य होंगे।

मुर्गा दुकानदार का शव झाड़ी से बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। कासिम बाजार थाना क्षेत्र के खोजा बाजार स्थित मनियां चौराहा में रविवार सुबह 26 वर्षीय मुर्गा दुकानदार का शव झाड़ियों से मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान खोजा बाजार निवासी भीम यादव के पुत्र अंकित कुमार के रूप में हुई है। वह मनियां चौराहा पर मुर्गा बेचने की दुकान चलाता था। सूचना मिलते ही कासिम बाजार थानाध्यक्ष रुबी कांत कच्छप पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

मृतक के भाई ज्ञान विकास ने बताया कि चार दिन पहले पड़ोस में कपड़े की दुकान चलाने वाली सरिता कुमारी उर्फ निशा, उसके पति और भाई संजय कुमार के साथ दुकान के पास फैली गंदगी को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि मुर्गे की दुकान से होने वाली गंदगी के कारण कपड़े की दुकान पर ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही थी, जिसे लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी।

परिजनों के अनुसार, शनिवार देर शाम पड़ोसी अरविंद साव से बकरियों द्वारा अनाज खा लेने की बात पर भी विवाद और मारपीट हुई थी। उनका कहना है कि शनिवार रात करीब 12 बजे तक अंकित घर के आसपास देखा गया था। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने झाड़ियों में शव पड़े होने की सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर परिजनों ने देखा कि अंकित के सिर और चेहरे पर धारदार हथियार से किए गए गहरे वार के निशान थे।

पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होता है। मृतक के सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर भी गंभीर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस हालिया विवाद, शनिवार रात हुई मारपीट और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण और घटना की परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी।

वाहनों से वसूला गया 15 हजार रुपये जुर्माना

एकमा (सारण)। सारण पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिलेभर में चलाए जा रहे विशेष वाहन जांच अभियान के तहत शनिवार को एकमा थाना पुलिस ने छपराझसिवान मुख्य मार्ग स्थित एनएच-531 पर एकमा चट्टी के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व एसआई विनायक राम ने किया। जांच के दौरान पुलिस ने वाहनों के ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र, बीमा, हेलमेट सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की। इस दौरान बिना ड्राइविंग लाइसेंस, आवश्यक कागजात के अभाव, हेलमेट नहीं पहनने तथा ट्रिपल लोडिंग जैसे यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पुलिस ने कुल आठ वाहनों का चालान काटते हुए 15 हजार रुपये जुमार्ना वसूला। अचानक चलाए गए इस अभियान से यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। पुलिस अधिकारियों ने सभी वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा सभी आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर चलने की अपील की।

पूर्व सांसद सूरजभान सिंह सहित तीन बरी

35 वर्ष पुराना मामला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय की एडीजे-2 सह एमपी/एमएलए स्पेशल जज ब्रजेश कुमार सिंह ने शनिवार को 35 वर्ष पुराने एक आपराधिक मामले में पूर्व सांसद सूरज सिंह उर्फ सूरजभान सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता राम लखन सिंह तथा ललन सिंह को साक्ष्य के अभाव में संदेह का लाभ देते हुए आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने तीनों को बंधपत्र के दायित्वों से भी मुक्त कर दिया। मामले में आरोपितों की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व लोक अभियोजक सैयद मो. मंसूर आलम ने बताया कि यह मामला बरौनी थाना कांड संख्या 449/1991 से संबंधित है।



उन्होंने बताया कि इस मामले की मूल प्राथमिकी स्वयं राम लखन सिंह द्वारा दर्ज कराई गई थी। प्राथमिकी के अनुसार, 2 नवंबर 1991 को सुबह करीब 11 बजे उनके आवासीय परिसर स्थित गोहाल में जोरदार विस्फोट हुआ था।

विस्फोट से खपरैल की छत उड़ गई थी तथा एक व्यक्ति घायल हो गया था। हालांकि, जांच के दौरान पुलिस ने शिकायतकर्ता के कथन को स्वीकार नहीं किया और जांच के बाद राम लखन सिंह, सूरजभान सिंह तथा ललन सिंह को ही आरोपित बना दिया।

लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद 21 अप्रैल 2018 को अदालत ने तीनों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 307, 324, 427, 120बी तथा विस्फोटक अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आरोप तय किए थे।

मामले के विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष पुलिस गवाहों और उपलब्ध साक्ष्यों के माध्यम से आरोपों को सिद्ध नहीं कर सका। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद एडीजे-2 सह एमपी/एमएलए स्पेशल जज ब्रजेश कुमार सिंह ने संदेह का लाभ देते हुए तीनों आरोपितों को बरी करने का आदेश पारित किया।

धान का बिचड़ा तैयार करने में जुटे किसान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। धान की बिचड़ा बोआई के प्रमुख नक्षत्र आद्रा के दौरान किसानों की गतिविधियां तेज हो गई हैं। जिले के किसान जहां अपने खेतों में बिचड़ा तैयार करने में जुटे हैं, वहीं पड़ोसी राज्य झारखंड के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में किसान गयाजी की बीज मंडी का रुख कर रहे हैं।

खास बात यह है कि बीज खरीदने आने वाले किसानों में महिलाओं की भागीदारी अधिक देखने को मिल रही है। प्रत्येक दिन सुबह धनबाद इंटरसिटी ट्रेन से झारखंड के किसान गया स्टेशन पहुंचते हैं और सीधे किरानी घाट स्थित बीज दुकानों की ओर निकल पड़ते हैं। यहां वे अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार धान के बीज की खरीदारी करते हैं।

झारखंड के गिरिडीह जिले से आए किसान टपरिया देवी बताती हैं कि उनके क्षेत्र में भी बीज की दुकानें हैं, लेकिन वहां धान का बीज काफी महंगा मिलता है।

गयाजी में जहां पांच किलो धान का बीज 450 से पांच सौ रुपये में मिल जाता है। वहीं, गिरिडीह में इसकी कीमत एक हजार से 1100 रुपये तक पहुंच जाती है।

इसी बड़े मूल्य अंतर के कारण वे हर साल यहां से खरीदारी करने आती हैं। हजारीबाग से आई किसान बेरी देवी ने बताया कि वे पिछले तीन वर्षों से लगातार गयाजी मंडी आ रही हैं।यहां मिलने वाला बीज न केवल सस्ता होता है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और असली भी होता है, जिससे धान की पैदावार बेहतर होती है।

गयाजी की बीज मंडी में झारखंड के गिरिडीह, हजारीबाग, कोडरमा, बगोदर और पारसनाथ क्षेत्रों से आने वाले किसानों की पहली पसंद सीता प्रजाति का धान है।

किसानों का कहना है कि यह प्रजाति कम पानी में भी अच्छी पैदावार देती है और कम समय में तैयार हो जाती है।

शौचालय आवंटन घोटाले के आरोप में नौ सदस्यों को पदमुक्त करने का आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। नगर निगम के तत्कालीन महापौर वैजयंती देवी खेड़िया, उपमहापौर बदरुज्मा खान और सशक्त स्थायी समिति के नौ सदस्यों पर शौचालय आवंटन घोटाले के आरोप में पदमुक्त किए जाने के बाद बिहार सरकार के नियमों के तहत इन सभी पर आगे निगम का चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी गई है।

उनके चुनाव लड़ने पर विभागीय प्रतिबंध को सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा है। बताया जा रहा है कि वर्ष 2016-19 के दौरान सार्वजनिक शौचालयों की बंदोबस्ती (लीज) प्रक्रिया में नियमों के विरुद्ध जाकर एक निजी ठेकेदार को लगभग 27 लाख रुपये की अवैध छूट दी गई।

जिसके कारण नगर निगम को भारी राजस्व का नुकसान हुआ। तत्कालीन प्रमंडलीय आयुक्त की जांच रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितता साबित होने पर दिसंबर 2021 में बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग ने ऐतिहासिक कार्रवाई करते हुए इन सभी जनप्रतिनिधियों को पद से हटा दिया था।

नियमों के अनुसार, वित्तीय गबन और भ्रष्टाचार के



कारण पद से हटाए गए जन-प्रतिनिधि नगर निकाय चुनाव नहीं लड़ सकते। पदमुक्त किए गए सदस्यों जिनमें तत्कालीन मेयर वैजयंती देवी खेड़िया और डिप्टी मेयर बदरुज्मा खान शामिल थे।

इस कार्रवाई को पटना हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन उनकी याचिकाएं खारिज हो गईं और सरकार का फैसला बरकरार रहा। चुनाव लड़ने पर रोक के अलावा, इन नौ लोगों से निगम को हुए 27.19 लाख रुपये के नुकसान की वसूली का निर्देश भी जारी किया है।

इस मामले की शिकायत वार्ड पार्षद मधुबाला सिन्हा और पूर्व पार्षद प्रदीप गुप्ता समेत कई लोगों ने प्रमंडलीय आयुक्त से 25 जुलाई 2018 को शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि शौचालय आवंटन के लिए 66 लाख रुपये की राशि तय की गई थी।

जिसमें से 27 लाख रुपये नगर निगम की ओर से गैर कानूनी ढंग से छूट दे दिए गए थे। यह दरभंगा नगर निगम की एक बड़ा घोटाला था। जिसकी शिकायत के बाद जांच हुई और इसके बाद नगर विकास विभाग ने महापौर, उपमहापौर और सशक्त स्थायी समिति के सात सदस्य पार्षदों को दोषी पाते हुए उन्हें उनके पद से मुक्त कर दिया है प्रमंडलीय आयुक्त की जांच रिपोर्ट के बाद नगर विकास विभाग ने ये कार्रवाई की थी।

इस सबंध में पूर्व मेयर वैजयंती देवी खेड़िया ने कहा कि 2022 के नगर निगम चुनाव में आरोपित किसी सदस्य ने चुनाव नहीं लड़ा। अपने सगे-सबंधियों को चुनाव लड़ाया। अब 2027 में चुनाव होना है। उसमें जुमार्ने की राशि जमा कर चुनाव लड़ा जा सकता है।

गवाह की लाश मिलने से सनसनी

सासाराम। पांच वर्ष पूर्व हुए चर्चित फिरोज खान उर्फ कल्लू खान हत्याकांड की चश्मदीद गवाह रानी खातून (35 वर्ष) की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। मृतका का शव औरंगाबाद जिले के बारुण थाना क्षेत्र अंतर्गत टेंगरा मोड़ के पास स्थित पूर्वी संयोजक नहर से बरामद हुआ है। पुलिस की प्रारंभिक जांच और पंचनामे के अनुसार, अपराधियों ने प्लास्टिक की रस्सी से गला दबाकर इस वारदात को अंजाम दिया है।जानकारी के अनुसार, मृतका रानी खातून बीते 27 जून से संदिग्ध रूप से लापता थीं। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला, तो स्वजनों ने डालमियानगर थाने में उनके अपहरण की प्राथमिकी कराई थी। इत्तेफाक से उसी दिन बारुण थाना पुलिस ने नहर से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया था। शव की शिनाख्त न होने के कारण उसे औरंगाबाद सदर अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया गया था। बाद में डालमियानगर पुलिस के सहयोग से पहुंचे परिजनों ने कपड़ों और हुलिए के आधार पर शव की पहचान रानी खातून के रूप में की, पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

मरीज के भोजन में मिला मरा चूहा

मरीज एवं परिजनों में आक्रोश, जांच की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। अनुमंडल अस्पताल में शनिवार की रात को भोजन में चूहा पाए जाने से अस्पताल में भर्ती मरीज और उनके परिजनों में भारी आक्रोश दिखा।

घटना तब उजागर हुई जब एक महिला मरीज सपना कुमारी ने भोजन खोलते समय पैकेट में एक मारा हुआ चूहा मिला। भोजन में चुहे मिलने के मामला सामने आते ही आसपास के अन्य मरीजों और परिजनों की भीड़ जमा हो गई। घटना के समय मौजूद मरीजों में प्रसूता रूबी शर्मा सहित अन्य मरीज ने बताया कि भोजन लाने वाली संस्था 'जीविका' के जरिए मरीजों के बीच भी वितरित किए जाते हैं। शनिवार की रात भी मरीजों को भोजन दिया गया। जब अस्पताल में भर्ती महिला मरीज ने रोटी के साथ चना दाल और कद्दू की मिक्स सब्जी को खाने के लिए सब्जी रोटी के साथ सब्जी लेना चाहिए कि पत्ते में सब्जी में एक चूहा दिखा जो मारा



हुआ था।

जिससे दिखने के लिए महिला मरीज रखते हुए अस्पताल प्रशाशन से शिकायत दर्ज कराया। अस्पताल में भर्ती अन्य मरीज और उनके अभिभावकों ने साफ-सफाई व स्वच्छता को लेकर तीखी नाराजगी जताई।

कुछ परिजनों ने कहा कि अस्पताल में साफ-सफाई एवं कीट नियंत्रण की व्यवस्था दयनीय है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य पर जोखिम उत्पन्न हुआ है। परिजनों ने तत्काल कार्रवाई और जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कदम की मांग की।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार सूचना मिलते ही अस्पताल अधीक्षक डॉ रामचंद्र सिंह ने मामला संज्ञान में लेकर संबंधित जीविका कैंटीन संयोजक और जीविका संस्था के प्रतिनिधियों को तलब कर तत्काल जांच के आदेश दे दिए हैं। अधीक्षक ने कहा कि प्राथमिक रूप से भोजन के सैंपल सुरक्षित कर लिए गए हैं और पैकिंग प्रक्रिया, भंडारण व वितरण का सत्यापन टीम द्वारा किया जाएगा। यदि दोष पाया गया तो कार्रवाई के साथ-साथ प्रभावित मरीजों को नया भोजन और आवश्यक चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

स्थानीय स्वास्थ्य विभाग को भी घटना के बारे में सूचित कर फूड सेफ्टी एवं कीट नियंत्रण टीम द्वारा निरीक्षण भेजने का आश्वासन दिया गया है।

परिजनों ने साफ-सफाई व जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की मांग दोहराई है,वहीं प्रशासन ने शीघ्र और पारदर्शी जांच का वादा किया है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

पेपर मिल्स चालू होने से लोगों में बढ़ी रोजगार की उम्मीदें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा जिले को रविवार को औद्योगिक विकास के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली। पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने नूरसराय स्थित शांतमणि हैंड पेपर मिल्स एलएलपी की विस्तारित उत्पादन इकाई का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेंद्र कुमार, जदयू के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक इंजीनियर सुनील कुमार, डीएम उदिता सिंह समेत कई जनप्रतिनिधि, और उद्योग जगत से जुड़े लोग मौजूद रहे।

वर्ष 1996 में इंजीनियर अनिल कुमार द्वारा स्थापित शांतमणि हैंड पेपर मिल्स ने पिछले लगभग तीन दशकों में बिहार के कागज उद्योग में अपनी अलग पहचान बनाई है।

अब कंपनी ने अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक डबल वायर पेपर मशीन स्थापित की है। नई मशीन के संचालन से मिल की उत्पादन क्षमता 60 टन प्रतिदिन से बढ़कर 200 टन प्रतिदिन हो गई है। इसके साथ ही उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार, उत्पादन प्रक्रिया में तेजी और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक का इस्तेमाल भी सुनिश्चित होगा।

वर्तमान में मिल में 300 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला हुआ है। विस्तारित इकाई पूरी तरह संचालित होने के बाद यह संख्या बढ़कर 500 से अधिक होने की संभावना है।

इसके अलावा परिवहन, कच्चे माल की आपूर्ति, रखरखाव और अन्य सहायक सेवाओं से जुड़े क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

शांतमणि समूह के चेयरमैन इंजीनियर अनिल कुमार ने कहा कि वर्ष 1996 में एक छोटे औद्योगिक प्रयास के रूप में शुरू हुई यह इकाई आज आधुनिक तकनीक और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के दम पर देश के प्रमुख पेपर उद्योगों में अपनी पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि नई डबल वायर पेपर मशीन लगने से उत्पादन क्षमता में तीन गुना से अधिक वृद्धि हुई है। साथ ही उत्पाद की गुणवत्ता, उत्पादन दक्षता और बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी पहले की तुलना में काफी बेहतर होगी।

उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य आधुनिक तकनीक, गुणवत्ता और पर्यावरण संरक्षण के मानकों का पालन करते हुए बिहार में औद्योगिक विकास को नई गति देना है।

नई उत्पादन इकाई से न केवल उद्योग का विस्तार होगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

निलामी को मिली झंडी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डेहरी आनसोन। डालमियानगर स्थित बंद पड़े रोहतास उद्योग समूह की मथुरी स्थित 208 डिसमील जमीन की नीलामी पर हाईकोर्ट ने रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि सेल की प्रक्रिया स्थगित नहीं की जा सकती। यह जमीन 1959 में भूमि अधिग्रहण कानून के तहत सरकार द्वारा अधिग्रहित की गई थी। 28 जुलाई 1959 को यह जमीन रोहतास उद्योग समूह डालमियानगर को दे दी गई। कंपनी ने भू-स्वामियों को मुआवजा भी दिया था। जमीन के मूल रैयत निहोरा सिंह व अन्य 27 लोगों ने अधिग्रहित रैयती जमीन वापस करने के लिए पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उनका तर्क था कि कंपनी द्वारा जमीन का उपयोग नहीं किया जा रहा। हाईकोर्ट ने 6 सितंबर 2012 को यह आवेदन खारिज कर दिया। तदुपरांत शासकीय समापक ने 208 डिसमिल जमीन की बिक्री के लिए 02 दिसंबर 2025 को सेल नोटिस निकाला। कोर्ट ने सबसे ज्यादा बोली लगाने वाली बबिता सिंह को 13.03 करोड़ में जमीन बेचने का फैसला सुनाया।

पुलिस एवं बदमाशों के बीच मुठभेड़

कई चक्र चली गोलियां, चार के खिलाफ प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। बलिगांव थाना क्षेत्र के लेवढन बहियार में बीते शुक्रवार को एसटीएफ पटना, समस्तीपुर डीआइयू और वैशाली पुलिस के साथ बदमाशों की मुठभेड़ के मामले में बलिगांव थाना में 04 बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी की गई है। इसमें दो को गिरफ्तार किया गया जबकि दो भागने में सफल रहे। बताया गया है कि एसटीएफ पटना एवं डीआइयू की ओर से एक-एक गोली एवं बदमाशों की ओर से पांच गोली चलाई गई थी।

थानाध्यक्ष बलिगांव ने बताया कि थानाध्यक्ष बंगरा से सूचना मिली थी कि लेवढन के सीमावर्ती गांव बच के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पास कुछ अपराधकर्मी लूट की घटना को अंजाम देने के लिए एकत्रित हुए हैं।

सूचना पर ताजपुर एवं बंगरा थाना की पुलिस, समस्तीपुर डीआइयू और एसटीएफ पटना की संयुक्त टीम बनाकर दोपहर करीब 01.30 बजे घेराबंदी शुरू की गई। पुलिस को देखकर नदी के पईन और झाड़ी में छिपे 04 बदमाश भागने लगे। पुलिस द्वारा रुकने की चेतावनी देने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

आत्मरक्षा में पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इसी दौरान 01 बदमाश को गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया। दूसरा बदमाश भी पकड़ा गया, जबकि 2 बदमाश मकई के खेत और नदी का फायदा उठाकर भाग निकले। गिरफ्तार बदमाशों के पास से हथियार और बाइक बरामद गिरफ्तार बदमाशों की पहचान हुई। अमन कुमार उर्फ अमन सहनी, उम्र 20 वर्ष, पिता अमरनाथ सहनी, निवासी हजपुरवा बख्तियारपुर, थाना चकमहेसी, जिला समस्तीपुर। लक्ष्मी कुमार उर्फ लक्ष्मी सहनी, उम्र 19 वर्ष, पिता जगन सहनी, निवासी बेदौलिया, थाना मुसहरी, जिला मुजफ्फरपुर।

गिरफ्तार आरोपित अमन कुमार के विरुद्ध पातेपुर थाना कांड संख्या 312/26, बलिगांव थाना कांड संख्या 112/26, चकमहेशी थाना कांड संख्या 14/26, 57/26, 81/26, 123/24, 112/24, ताजपुर थाना कांड संख्या 131/26, मुफस्सिल थाना कांड संख्या 234/26 एवं बोचहा थाना कांड संख्या 168/26 बताया गया है। अमित कुमार निवासी तकिया, थाना बंगरा, जिला समस्तीपुर और अतितोष कुमार,निवासी बख्तियारपुर, थाना चकमहेशी, जिला समस्तीपुर।

गिरफ्तार बदमाशों के पास से 02 देशी पिस्टल, मैगजीन सहित 05 जिंदा गोली, 01 खोखा, 04 मोबाइल और बिना नंबर की काली अपाचे बाइक बरामद की गई। पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि वे ताजपुर बाजार में एक बड़े व्यवसायी के यहां लूट की योजना बना रहे थे।

मुठभेड़ की घटना को लेकर कराई गई प्राथमिकी में बताया गया है कि एसटीएफ के पुलिस अवर निरीक्षक सुधांशु भूषण और डीआइयू समस्तीपुर के पुलिस अवर निरीक्षक प्रिंस प्रशांत भारत ने आत्मरक्षा में 01-01 गोली चलाई। वहीं बदमाशों ने पुलिस पर कुल 05 राउंड फायरिंग की।

घायलों को इलाज के लिए पहले ताजपुर और फिर सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर किया गया। मौके पर एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए। बरामद बाइक और मोबाइल को जब्त कर लिया गया है।

बलिगांव थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने, पुलिस पर जानलेवा हमला और लूट की साजिश रचने के आरोप में चारों के खिलाफ मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

राज्य में इको टूरिज्म को मिलेगा नया स्वरुप, 70 जगहें बनेगी पर्यटकों की पसंद

- वाल्मीकि टाइगर रिजर्व, कंवर झील और राजगीर बनेंगे प्रमुख आकर्षण
- मत्स्यगंधा 2026 और लव कुश पार्क 2027 तक होगा
- पूरा, कैमूर के मुंडेश्वरी धाम में विकसित होगा जंगल सफारी
- इको-कॉटेज, ग्लास ब्रिज और आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे पर्यटन स्थल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए इको-टूरिज्म को प्राथमिकता दे रही है। प्रदेश में वर्तमान में 10 से 15 सक्रिय इको-टूरिज्म स्थल हैं, जबकि 24 से अधिक प्रमुख स्थलों को विकसित करने का काम तेज गति से चल रहा है। इनमें वन्यजीव अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यान, झीलें, जलप्रपात और पहाड़ियां शामिल हैं। सरकार ने 50 से अधिक नए स्पॉट्स चिन्हित किए हैं, जिससे अगले 5 वर्षों में कुल इको-टूरिज्म स्थलों की संख्या 60-70 तक पहुंचने की उम्मीद है। राज्य के प्रमुख इको-टूरिज्म स्थलों में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (पश्चिम चंपारण) सबसे प्रमुख है, जो बिहार का एकमात्र टाइगर रिजर्व है। तराई वनों, बाघों, हाथियों और विविध वन्यजीवों से भरपूर यह क्षेत्र नेपाल सीमा से सटा हुआ है। अन्य महत्वपूर्ण स्थलों में कैमूर वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी (झरनों और ट्रेकिंग के लिए प्रसिद्ध, दूसरे टाइगर रिजर्व के रूप में विकसित हो रहा), भीम बांध वाइल्ड लाइफ सैंक, गौतम बुद्ध वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी, विक्रमशीला गंगा डॉल्फिन सैंक्चुअरी (नाव यात्रा से डॉल्फिन देखने का अनोखा अनुभव), कंवर झील पक्षी अभ्यारण्य (एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील, सर्दियों में प्रवासी पक्षियों का स्वर्ग), राजगीर के पठार (ट्रेकिंग, हॉट स्प्रिंग्स और ग्लास ब्रिज), काकोलत जलप्रपात, घोरा कटोरा, बराबर-गुरूपा पहाड़ियां तथा सूरजपुर वेटलैंड्स जैसे क्षेत्र शामिल है। सहरसा स्थित मत्स्यगंधा झील पर सोमेनियर शॉप, सुपर ट्री, ग्लास ब्रिज और एक्सपीरियंस सेंटर समेत अन्य सुविधाएं वर्ष 2026 तक पूरी कर ली जाएंगी। पश्चिम चंपारण के लव कुश पार्क और बाल्मीकि नगर में आइकॉनिक टूरिज्म पार्क का व्यापक विकास कार्य 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके अलावा मां मुंडेश्वरी धाम में धर्मशाला का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए जंगल सफारी और इको-टूरिज्म गतिविधियों को विशेष बढ़ावा दिया जाएगा। इन सभी स्थलों पर नेचर ट्रेल्स, वॉच टावर, इको-कॉटेज, होमस्टे, डिजिटल साइनेज और इंटरप्रिटेशन सेंटर जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएगी हैं।

क्या कहते हैं विभागीय मंत्री

बिहार इको-टूरिज्म के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार का लक्ष्य स्थाई पर्यटन को बढ़ावा देना है, ताकि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सके। इन प्रयासों से न केवल देश-विदेश के पर्यटक आकर्षित होंगे, बल्कि बिहार की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर की भी रक्षा होगी। सरकार ने पर्यटन क्षेत्र में अगले 5 वर्षों में 20 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा है।

केदार प्रसाद गुप्ता, मंत्री (पर्यटन विभाग)

जिला मुख्यालय से लेकर अनुमंडल मुख्यालयों में खुलेंगे मॉडल स्कूल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार राज्य के सभी प्रखंडों के साथ ही अब जिला मुख्यालय और अनुमंडल मुख्यालयों में आदर्श मॉडल स्कूल खोलने का निर्णय लिया है। इसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा तैयारी शुरू कर दी गयी है। विदित हो कि राज्य सरकार ने बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए बिहार के सभी 534 प्रखंडों में एक-एक आदर्श मॉडल स्कूल खोलने का आदेश दिया था। इसके लिए कार्रवाई भी शुरू कर दी गई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने सभी जिला मुख्यालयों, अनुमंडल मुख्यालयों में भी मॉडल स्कूल स्थापित करने का आदेश दिया है। बताया जाता है बड़े शहरों के बीच में मॉडल स्कूल खुलेंगे। राज्य के 534 प्रखंडों के अलावा 150 नए मॉडल स्कूल खोले जाएंगे। इसके लिए शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र भेजकर विद्यालयों का चयन कर कार्रवाई करने का आदेश दिया है, ताकि शीघ्र नए मॉडल स्कूलों को खोला जा सके। मॉडल स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक लैब, अनुभवी शिक्षक और नौवीं कक्षा से ही नीट और जेई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष तैयारी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

विलुप्त हो रही देशी प्रजाति की मछलियों का अब होगा संरक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विलुप्त हो रही देशी प्रजातियों की मछलियों का अब संरक्षण होने जा रहा है। इसके लिए बिहार सरकार का डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग मत्स्य प्रजाति विविधीकरण योजना लेकर आया है। विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में इस योजना के तहत देशी मछलियों के पालन के इच्छुक लोगों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक मछली पालक 31 अगस्त तक वेबसाइट https:// fisheries.bihar.gov.in/ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत मछली पालक देशी मूल की माइनर कार्प, कैट फिश, वायु-श्वासी मछली, झींगा पालन तथा मोती पालन कर सकेंगे। माना जा रहा है कि इससे देशी मछलियों का संरक्षण एवं संवर्द्धन होने के साथ-साथ मछली उत्पादकता और किसानों की वार्षिक आय में वृद्धि होगी। साथ ही, इससे बिहार की सुदूर ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। योजना के तहत सभी वर्गों के लाभुकों को निर्धारित इकाई लागत का 60 प्रतिशत अनुदान (सब्सिडी) दिया जाएगा। वर्ष 2026-27 में मत्स्य प्रजाति विविधीकरण योजना राज्य के सभी जिलों के लिए लागू है। योजना के तहत निजी क्षेत्र में पालन मत्स्यिकी अवयव को निजी या सरकारी तालाब (पट्टाधारी द्वारा) में क्रियान्वित किया जा सकेगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य की जलसंपदाओं में मौजूद देशी प्रजातियों की संभावनाओं वाले माइनर कार्प एवं कैट फिश के लिए विकसित हैचरी तकनीक (विगत वर्षों में कार्यान्वित योजना के तहत 12 हैचरी स्थापित की गई हैं) से उत्पादित बीज के माध्यम से पालन को बढ़ावा देना है। मत्स्य प्रजाति विविधीकरण योजना के चार घटक हैं। इनमें माइनर कार्प पालन मत्स्यिकी योजना, कैट फिश एवं अन्य मछलियों की पालन मत्स्यिकी योजना, झींगा पालन तथा मोती पालन योजना शामिल हैं। मत्स्य प्रजाति विविधीकरण योजना के लिए लाभुकों से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। एक व्यक्ति या परिवार को पालन मत्स्यिकी के किसी एक ही अवयव पर सब्सिडी दी जाएगी। साथ ही, पालन मत्स्यिकी में एक व्यक्ति या परिवार को किसी एक अवयव के लिए अधिकतम 1 एकड़ (2 इकाई) तथा न्यूनतम 0.25 एकड़ जलक्षेत्र की अनुमान्यता होगी।

नवबिहार टाइम्स के वार्षिक समारोह में डॉ. आनंद रंजन झा सम्मानित



पटना। नवबिहार टाइम्स के वार्षिकोत्सव समारोह के अवसर पर पटना के एन. कॉलेज सभागार में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए डॉ. आनंद रंजन झा को सम्मान-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त करने पर उपस्थित अतिथियों ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए उनके कार्यों की सराहना की। समारोह में बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार, नवबिहार टाइम्स के मुख्य संपादक डॉ. कमल किशोर सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं विशिष्ट व्यक्तित्व उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने नवबिहार टाइम्स द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित करने की पहल की प्रशंसा की। अपने संबोधन में मुख्य संपादक डॉ. कमल किशोर ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक कार्य करने वाले लोगों का उत्साहवर्धन करते हैं तथा नई पीढ़ी को प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने इस समारोह को एक सफल एवं सार्थक आयोजन बताया।

डॉ. आनंद रंजन झा ने सम्मान के लिए नवबिहार टाइम्स परिवार, बिहार विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेम कुमार, बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार, मंच संचालक कैलाश कैमूरी एवं सभी आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें शिक्षा, कौशल विकास एवं समाज सेवा के क्षेत्र में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा।

बिहार के गांवों के लिए सौगात : 1663.56 करोड़ की राशि की पहली किश्त जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

- वीबी जी राम जी मिशन से बिहार में रोजगार की नई बहार
- राज्यों के लिए पूर्व में नौ महीने के लिए निर्धारित अंतरिम बजट से जारी की गई पहली राशि
- राशि के जारी होने से विकास की नई इबारत लिखेंगे पंचायत, अकुशल श्रमिकों को मिलेगा रोजगार

पटना। विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी रामजी) के तहत केंद्र सरकार ने बिहार के लिए 1663.56 करोड़ रुपये का मदर सेंक्शन जारी किया। यह राशि योजना के सफल क्रियान्वयन की दिशा में पूर्व में राज्य के लिए निर्धारित 6715 करोड़ 83 लाख रुपये के अंतरिम बजट में से जारी किया गया है। राज्यों के विकास में जारी किए गए इस भारी भरकम राशि की जानकारी रविवार को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी राज्यों के मंत्री और विभागीय पदाधिकारियों को वीडियो कांफ्रेंसिंग बैठक के माध्यम से दी। इस बैठक में बिहार ग्रामीण विकास विभाग के पदाधिकारी भी शामिल हुए। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से जारी यह राशि आगामी तीन महीने के लिए है। इस राशि में राज्य सरकार खुद का अंश मिलाकर पंचायतों में विकास के लिए नया अध्याय जोड़ने का काम करेगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार से इस राशि के जारी होने से योजनाओं के क्रियान्वयन में रफ्तार आएगी और मुख्य रूप से अकुशल मजदूरों को त्वरित रोजगार और भुगतान करने का रास्ता साफ होगा। विभागीय अधिकारियों की मानें तो पूर्व के मनरेगा में 100 दिन की काम की गारंटी की जगह इस नई योजना में अकुशल मजदूरों को 125 दिन की काम की गारंटी दी जाएगी। काम की मांग के अनुरूप रोजगार उपलब्ध नहीं कराने पर बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान है। पंचायतों में होने वाले विकास कार्यों के लिए निर्धारित बजट में 40 फीसदी अब राज्य सरकार वहन करेगी। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से भारी-भरकम राशि के खर्च करने से ग्राम पंचायतों में विकास की नई रोशनी जलेगी। साथ ही आर्थिक समृद्धि का रास्ता भी साफ होगा।

गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता से और अधिक सशक्त होंगे पंचायती राज संस्थान : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पंचायती राज विभाग के मंत्री दीपक प्रकाश ने दिनांक शनिवार को योजना एवं विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा दिए गए निर्देशों को पंचायती राज संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण, विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और ग्रामीण जनप्रतिनिधियों की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता, समयबद्धता, सतत निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करने में मुख्यमंत्री के निर्देश त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को और मजबूत करेंगे। ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद जैसी स्थानीय स्वशासन संस्थाओं की प्रभावी भूमिका तभी सुनिश्चित होगी, जब योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी और जनहित में हो।

पंचायत सरकार भवन बन रहे सशक्त केंद्र

मंत्री ने कहा कि पंचायत सरकार भवनों के निर्माण एवं उनकी प्रगति की नियमित समीक्षा ग्रामीण प्रशासन को अधिक जवाबदेह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह भवन पंचायत स्तर पर प्रशासनिक सेवाओं, जनसुविधाओं और स्थानीय विकास गतिविधियों के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। आगे कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से आकांक्षी जिलों के साथ-साथ सभी जिलों के समग्र विकास के लिए स्थानीय आवश्यकताओं, संसाधनों और संभावनाओं के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश स्वागतयोग्य है। इससे पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका और अधिक स्पष्ट तथा प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुंचे और उनके परिणाम आमजन के जीवन में दिखाई दें। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सोच योजनाओं को केवल स्वीकृति या निर्माण तक सीमित न रखकर उन्हें जनजीवन में ठोस परिवर्तन का माध्यम बनाने की है। इसमें पंचायती राज संस्थाएं सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

आपदा पूर्वानुमान से पंचायतों में हो रही आवश्यक तैयारी

मंत्री ने कहा कि मौसम संबंधी महत्वपूर्ण सूचनाएं और पूर्वानुमान प्रतिदिन सांसदगण, विधायकगण, जिला परिषद अध्यक्ष, मुखियागण, जिला पदाधिकारियों, उप विकास आयुक्तों तथा अन्य संबंधित पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों तक समयबद्ध ढंग से पहुंचाने का निर्देश ग्रामीण समाज के लिए अत्यंत उपयोगी है। पंचायत जनप्रतिनिधियों तक समय पर सूचना उपलब्ध होने से पंचायतों में आवश्यक तैयारी, स्थानीय सतर्कता और जनहित से जुड़े निर्णयों में सहायता मिलेगी। कहा कि मैसेज, व्हाट्सऐप सहित अन्य डिजिटल माध्यमों से सूचना प्रसारण व्यवस्था विकसित करने का निर्देश त्वरित शासन व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे पंचायत स्तर पर आपदा पूर्व तैयारी, कृषि संबंधी सतर्कता और जनसुरक्षा से जुड़े कार्यों को गति मिलेगी। विकसित बिहार की इस परिकल्पना में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि ग्रामीण विकास, स्थानीय सहभागिता और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का आधार पंचायत स्तर पर ही सुदृढ़ होता है। मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि पंचायती राज विभाग मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देशों के अनुरूप पंचायतों को अधिक उत्तरदायी, पारदर्शी और विकासोन्मुख बनाने की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से ही विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सकता है।

डॉ. तीजन बाई के निधन पर विधान सभा अध्यक्ष ने जताया शोक

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने पंडवानी गायन की विश्वविख्यात लोक कलाकार तीजन बाई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि तीजन बाई का निधन भारतीय लोककला और सांस्कृतिक जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने अद्वितीय गायन, ओजपूर्ण प्रस्तुति और असाधारण कला-साधना के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक नाट्य परंपरा 'पंडवानी' को विश्व मंच पर विशिष्ट पहचान दिलाई। उनका संपूर्ण जीवन भारतीय लोककला के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित रहा। उन्हें कला के क्षेत्र में योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा देश के द्वितीय नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

डा. प्रेम कुमार ने दी पूर्व उप प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं 'बाबूजी' के नाम से लोकप्रिय जगजीवन राम की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटिशः नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। वे महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर राजनेता एवं संविधान सभा के सदस्य थे। उन्हें सामाजिक न्याय और वंचित व शोषित वर्गों के समान अधिकारों के प्रबल पक्षधर के रूप में सदैव याद रखा जाएगा। स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने के साथ-साथ उन्होंने स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात राष्ट्र के नव-निर्माण में भी अविस्मरणीय योगदान दिया। संसद व केन्द्रीय मंत्रिमंडल में उनका दीर्घकालीन एवं अनुकरणीय कार्यकाल संसदीय लोकतंत्र के विकास में मील का पत्थर साबित हुआ। उनका सम्पूर्ण जीवन सामाजिक समरसता एवं समानता के आदर्शों की प्रेरणादायी उदाहरण है, जो आने वाली पीढ़ियों का सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

राज्यभर में 3,218 आधुनिक कृषि यंत्रों का होगा वितरण, स्थापित होंगे 80 नए 'यंत्र बैंक'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार ने गन्ना किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने और उनकी आय बढ़ाने के लिए 34.60 करोड़ की 'गन्ना यंत्रीकरण योजना' को मंजूरी दी है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्यभर में 3,218 आधुनिक कृषि यंत्र बांटे जाएंगे और 80 नए 'यंत्र बैंक' स्थापित होंगे। इसका उद्देश्य खेती की लागत कम करना, गन्ना उत्पादन बढ़ाना और आधुनिक मशीनों तक हर किसान की पहुंच सुनिश्चित करना है।

राज्य में गन्ना खेती के यंत्रीकरण के लिए 80 नए यंत्र बैंक स्थापित होंगे, जिसके लिए चीनी मिलें एवं किसान समूह आवेदन कर सकेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को महंगे उपकरण किराये पर उपलब्ध कराना है। नियमानुसार, प्रत्येक बैंक में न्यूनतम 7 यंत्र अनिवार्य होंगे, जिनमें सुगरकेन, कटर प्लांटर, रैटून मैनेजमेंट डिवाइस, ट्रेंच ओपेनर आदि शामिल रहेंगे। इस योजना से सीमांत एवं छोटे किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा, जो महंगे उपकरण नहीं खरीद पाते। अब वे बुआई, फसल प्रबंधन, कीट नियंत्रण और कटाई के लिए किफायती किराये पर आधुनिक मशीनें ले सकेंगे। सरकार मशीनों की खरीद पर सामान्य वर्ग को 40 प्रतिशत, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग के किसानों को 50 प्रतिशत तक का अनुदान दे रही है।

यंत्र बैंक के लिए 8 लाख तक की सहायता, आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन

पर्यावरण संरक्षण और वैज्ञानिक खेती के लिए फसल अवशेष प्रबंधन यंत्रों पर 75 प्रतिशत और बीज उपचार यंत्रों पर सर्वाधिक 80 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जा रही है। इसके अलावा, यंत्र बैंक स्थापित करने वाले किसानों या समूहों को अधिकतम 8 लाख तक की आर्थिक सहायता मिलेगी। पारदर्शिता के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है। इच्छुक किसान कृषि विभाग के डीबीटी पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

क्या कहते हैं मंत्री

''बिहार सरकार गन्ने की खेती को आधुनिक और लाभदायक बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। 34.60 करोड़ की इस योजना का सीधा लाभ छोटे किसानों को मिलेगा। नए यंत्र बैंक कम लागत में आधुनिक मशीनें उपलब्ध कराकर उत्पादन बढ़ाएंगे।''

संजय कुमार, मंत्री (गन्ना उद्योग विभाग)

तीन माह की सिलाई ट्रेनिंग पूरी, 40 महिलाओं को मिला प्रमाणपत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो



पटना। साथिया फाउंडेशन की ओर से आयोजित महिला सशक्तिकरण समारोह-2026 के तहत तीन माह का सिलाई प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाली 40 महिलाओं को रविवार को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

समारोह में प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, स्वरोजगार अपनाने तथा अपने कौशल के माध्यम से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं फुलवारीशरीफ के विधायक श्याम रजक, बिहार पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह, न्यूजीलैंड में आयोजित जूनियर कॉमनवेल्थ पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में छह स्वर्ण पदक जीतने वाली कीर्ति राज सिंह, दानापुर नगर परिषद के वार्ड संख्या-9 के वार्ड पार्षद प्रेम किशोर, प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. बिंदा सिंह, डेंटल सर्जन डॉ. शबनम अखौरी, समाजसेवी आनंद त्रिवेदी तथा दंत चिकित्सक डॉ. स्मृति पांडेय सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद फाउंडेशन की ओर से सभी आगंतुक अतिथियों का अंगवस्त्र, स्मृति-चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मान किया गया। समारोह में प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए तथा फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त किया।

फाउंडेशन की अध्यक्ष एवं पटना हाईकोर्ट की अधिवक्ता वंदना सिन्हा ने बताया कि तीन माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सिलाई के साथ-साथ माप लेने की विधि, आधुनिक डिजाइन, परिधान निर्माण, मशीन संचालन तथा उससे जुड़े व्यावसायिक कौशल का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को केवल हुनर सिखाना नहीं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर रोजगार और स्वरोजगार के लिए तैयार करना है।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का अगला बैच अगस्त 2026 से शुरू होगा, जिसमें अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

वंदना सिन्हा ने कहा कि साथिया फाउंडेशन समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें सम्मानजनक आजीविका उपलब्ध कराने की दिशा में संस्था निरंतर प्रयासरत है।

समारोह में अतिथियों ने प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम समय की आवश्यकता हैं और इनके माध्यम से महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बनेंगी, बल्कि समाज और परिवार के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

1200 रुपए हाउसिंग एवं मेंटेनेंस टैक्स जनता पर आर्थिक बोझ : राजेश राठौड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर घर से औसतन 1200 रुपए सालाना (लगभग 100 रुपए प्रतिमाह) होल्डिंग टैक्स या मेंटेनेंस शुल्क वसूलने का प्रस्ताव के खिलाफ बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि जिस राज्य में लगभग 85 लाख परिवार 5 किलो मुफ्त अनाज पर और लगभग 10 करोड़ व्यक्ति औसतन 50 रुपये प्रतिदिन की आमदनी पर जिंदा हो, वो भला गाँवों और पंचायतों में सलाना 1200 रू हाउसिंग या मेंटेनेंस टैक्स कहां से देगा। बिहार के जाति सर्वे में यह बात सामने आई कि 94 लाख परिवारों की मासिक आमदनी 6000 रु. से भी कम है, मतलब लगभग 5 करोड़ लोग 40 रु. रोज पर जिंदा हैं और 81 लाख परिवार 10000 रु. माह से कम कमाते हैं, अर्थात 4 करोड़ लोग 67 रु. रोज पर जिंदा हैं वैसे में राज्य की ग्रामीण जनता पर नाहक बोझ डालकर सरकार आखिर क्या संदेश देना चाहती है। पूंजीपतियों की हिमायती भाजपा सरकार आम बिहारियों को नई सरकार के गठन से खून चूसना शुरू कर दिया है और ऐसे में लगातार जनविरोधी फैसले ले रही है जिसका जनता के जेब पर सीधा असर पड़ रहा है। राज्य में नागरिकों के आर्थिक उन्नयन के लिए कोई योजना नहीं आती है लेकिन जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ाने वाले तमाम फैसलों को यह सरकार झट से लागू कर देती है।

संपादकीय

सरकार फिर ला सकती है नया संविधान संशोधन

पिछले वर्ष अगस्त में केंद्रीय गृहमंत्री ने संसद में यह विधेयक पेश किया था। हालांकि, विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई कई आपत्तियों के बाद इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया था। देश की राजनीति में जवाबदेही और पारदर्शिता लाने के मसले पर लंबे समय से बहस चलती रही है, लेकिन अब तक कोई ऐसा खाका सामने नहीं आ सका है, ताकि सिर्फ स्वच्छ छवि के लोगों को ही जनप्रतिनिधि बनने का अवसर मिले। आए दिन संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि से आने के बावजूद चुने गए जनप्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता तो जताई जाती है, मगर उसके हल को लेकर कोई ठोस पहल नहीं होती। संविधान के तहत केवल दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को ही पद से हटाया जा सकता है और इस संबंध में संवैधानिक पद पर बैठे नेताओं को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है।इसी संदर्भ में केंद्र सरकार फिर से एक सौ तीसवें संविधान संशोधन विधेयक को संसद में पेश कर सकती है, जिसके तहत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या अन्य मंत्रियों को पांच साल से ज्यादा सजा के प्रावधान वाले गंभीर अपराधों के लिए गिरफ्तार किए जाने और लगातार तीस दिनों तक हिरासत में रखे जाने पर पद से हटाने का प्रस्ताव है। अगर विधेयक की जांच के बाद संयुक्त संसदीय समिति इसे अपनी मंजूरी दे देती है, तो संसद के मानसून सत्र में इस पर बहस की संभावना है।गौरतलब है कि पिछले वर्ष अगस्त में केंद्रीय गृहमंत्री ने संसद में यह विधेयक पेश किया था। हालांकि, विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई कई आपत्तियों के बाद इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया था, लेकिन कांग्रेस सहित ज्यादातर विपक्षी दलों ने अपनी चिंताओं को नजरअंदाज किए जाने की आशंका के मद्देनजर समिति का बहिष्कार कर दिया था।इसमें कोई दोराय नहीं कि भारतीय राजनीति में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों का बढ़ता दखल आज एक गंभीर समस्या बन चुका है। मौजूदा कानूनी प्रावधानों के तहत तकनीकी जटिलताओं का लाभ उठाकर कई बार ऐसे लोग भी चुनकर संसद या विधानसभाओं में आ जाते हैं, जिन पर जघन्य अपराधों में शामिल होने का आरोप होता है। अक्सर सामने आने वाली रिपोर्ट में खासी संख्या में दागी जनप्रतिनिधियों के विधायिका में पहुंचने का ब्योरा होता है, जिस पर सभी दल चिंता जताते हैं, लेकिन ऐसे लोगों को टिकट न देने को लेकर किसी के भीतर कोई इच्छाशक्ति नहीं दिखती। दूसरी ओर, चुनाव आयोग भी इस मसले पर कोई स्पष्ट रुख अख्तियार नहीं करता है।इस लिहाज से देखें, तो सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही बढ़ाने से लेकर लोकतंत्र में नैतिकता और शुचिता सुनिश्चित किए जाने के लिए एक सख्त नियमन वक्त की जरूरत है। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत है कि नया कानून देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर विपरीत प्रभाव डालने वाला न हो।

भाई-बहन की जोड़ी मोदी-ताकाइची ने रचा इतिहास, हिंद प्रशांत में संतुलन की नई धुरी बने भारत-जापान

भारत और जापान ने अपने विशेष सामरिक वैश्विक साझेदारी संबंधों को नई मजबूती देते हुए नई दिल्ली में आज कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के बीच हुए वार्षिक शिखर सम्मेलन में आर्थिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आपूर्ति श्रृंखला और हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों ने साफ संकेत दिया कि बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और जापान अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि एक दूसरे के भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगी बनकर उभर रहे हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री ताकाइची की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान जारी करते हुए संबंधों को और गहरा करने का संकल्प दोहराया।

भारत और जापान ने अपने विशेष सामरिक वैश्विक साझेदारी संबंधों को नई मजबूती देते हुए नई दिल्ली में आज कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के बीच हुए वार्षिक शिखर सम्मेलन में आर्थिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आपूर्ति श्रृंखला और हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों ने साफ संकेत दिया कि बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और जापान अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि एक दूसरे के भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगी बनकर उभर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री ताकाइची की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान जारी करते हुए संबंधों को और गहरा करने का संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताकाइची को अपनी छोटी बहन बताते हुए भारत और जापान के बीच बौद्ध सांस्कृतिक संबंधों का भी उल्लेख किया, विशेषकर जापान के नारा प्रांत से भारत के ऐतिहासिक जुाव को रेखांकित किया। वहीं ताकाइची ने भी मोदी को अपना बड़े भाई बताया और कहा कि दोनों देशों के संबंध अब एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं।

वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग रहा। दोनों देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में संयुक्त वक्तव्य जारी किया और भारतीय तथा जापानी संस्थानों के बीच कई समझौते हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान की सूक्ष्म तकनीकी क्षमता और भारत की साफ्टवेयर विशेषज्ञता का मेल वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास को नई दिशा देगा। यह सहयोग केवल तकनीकी नहीं बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया में तकनीकी प्रतिस्पर्धा तेजी से भू राजनीतिक शक्ति संतुलन को प्रभावित कर रही है।

रक्षा क्षेत्र में भी दोनों देशों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। भारत और जापान ने अपने पहले संयुक्त रक्षा विकास परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह परियोजना नौसैनिक रेडियो एंटीना प्रणाली यूनिकॉर्न के सह विकास से संबंधित है। इस समझौते को हिंद प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम कदम माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि



दोनों देश क्वॉड समूह के सदस्य हैं, जिसमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। चीन की बढ़ती समुद्री आक्रामकता और दक्षिण चीन सागर से लेकर पूर्वी चीन सागर तक बदलते सामरिक समीकरणों के बीच यह रक्षा सहयोग विशेष महत्व रखता है।

साथ ही भारत और जापान ने ऊर्जा सुरक्षा तथा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने पर भी सहमति जताई। सेमीकंडक्टर, दुर्लभ खनिज, धातु और उर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए साझा रूपरेखा तैयार की जाएगी। दोनों देशों ने स्थानीय मुद्रा में व्यापार व्यवस्था पर भी चर्चा की, जिसके तहत रुपये और येन में सीधे व्यापार की संभावना पर काम होगा। इससे अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम हो सकती है और दोनों अर्थव्यवस्थाओं को अधिक रणनीतिक स्वायत्तता मिलेगी।

साथ ही जापान ने अगले दस वर्षों में भारत में दस ट्रिलियन येन निवेश करने की घोषणा दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी की जाएगी। वर्तमान में जापान भारत के सबसे बड़े निवेशकों में शामिल है और मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन रेल परियोजना सहित कई आधारभूत ढांचा योजनाओं में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 27.5 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। जापान की प्रधानमंत्री के साथ आया बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी इस बात का स्पष्ट संकेत था कि टोक्यो भारत में निवेश बढ़ाने जा रहा है।

साथ ही दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति मिली है। औषधि, चिकित्सा उपकरण और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े समझौतों के माध्यम से दोनों देशों ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान देने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की व्यापक उत्पादन क्षमता और जापान की गुणवत्ता आधारित तकनीक मिलकर विश्व को सस्ती और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा सकती हैं। इसके साथ ही भारत जापान जैव गैस पहल के अंतर्गत भारत में एक हजार जैव गैस और जैविक उर्वरक संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।

देखा जाये तो यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है। चीन की सैन्य सक्रियता, आपूर्ति श्रृंखलाओं पर वैश्विक प्रतिस्पर्धा, ऊर्जा संकट और हिंद प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को लेकर बढ़ती चिंताओं ने भारत और जापान को और करीब ला दिया है। अमेरिका की विश्वसनीयता को लेकर उठते सवालों के बीच टोक्यो अब नई दिल्ली को अपने सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदारों में देख रहा है। भारत भी जापान को केवल निवेशक नहीं बल्कि दीर्घकालिक सामरिक सहयोगी के रूप में देख रहा है।

हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री मोदी और पूर्व जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे के बीच गहरे व्यक्तिगत संबंधों ने भी इस साझेदारी को मजबूती दी थी। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी की जापान यात्राओं से शुरू हुआ यह संबंध अब व्यापक सामरिक साझेदारी का रूप ले चुका है। वर्तमान वार्ता ने स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले वर्षों में भारत जापान संबंध एशिया की सबसे निर्णायक रणनीतिक धुरी बन सकते हैं।

देखा जाये तो भारत और जापान की बढ़ती दोस्ती का प्रभाव केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे एशिया और वैश्विक शक्ति संतुलन पर दिखाई देगा। लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक सहयोग और सामरिक विश्वास पर आधारित यह साझेदारी हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और शांति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। चीन की बढ़ती आक्रामकता, वैश्विक आपूर्ति संकट और बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच भारत और जापान का साथ आना एशिया में एक नए रणनीतिक संतुलन का संकेत माना जा रहा है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी न केवल व्यापार, तकनीक और रक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलेगी, बल्कि विश्व राजनीति में भी एक भरोसेमंद और स्थिर शक्ति केंद्र के रूप में उभर सकती है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों का सपना कितना व्यावहारिक? सबसे बड़ी चुनौती आय नहीं, संसाधनों की है

(अमरपाल सिंह वर्मा)

तमाम समस्याओं के बावजूद पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है, क्योंकि पंचायतों की आर्थिक मजबूती के बिना वास्तविक विकेंद्रीकरण संभव नहीं है।सरकार ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। इसके लिए हाल में जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सरकार का मानना है कि देश में बदलाव की असली शुरुआत गांवों से ही संभव है। इसी सोच के तहत अब ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया जा रहा है। इसके पीछे तर्क है कि यदि पंचायतें अपने स्रोतों से आय अर्जित करेंगी, तो वे अपने क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार सड़क, पेयजल, सफाई, प्रकाश व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर खर्च कर सकेंगी। इससे विकास कार्यों में तेजी आएगी, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा और सरकारी अनुदानों पर निर्भरता कम होगी। सरकार का यह भी मानना है कि मजबूत और आत्मनिर्भर पंचायतें ही विकसित भारत के सपने को साकार कर सकती हैं, लेकिन क्या पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना वास्तव में इतना आसान है? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि आजादी के बाद से गांवों के विकास की जो व्यवस्था बनी, उसमें पंचायतों की भूमिका तो बढ़ती गई, लेकिन उनकी आर्थिक ताकत उतनी नहीं बढ़ पाई। पंचायतों के कामकाज का बड़ा हिस्सा केंद्र और राज्य सरकारों से मिलने वाले अनुदानों पर निर्भर रहा है। आज भी अधिकांश पंचायतें स्वयं की आय के बजाय सरकारी योजनाओं और अनुदानों पर अधिक निर्भर हैं। ऐसे में पंचायतों से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की अपेक्षा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सरकार का कहना है कि आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब केवल पैसा जुटाना नहीं है। सरकारी दस्तावेजों में आर्थिक आत्मनिर्भरता को केवल राजस्व जुटाने तक सीमित नहीं माना गया है। इसके पीछे सोच यह है कि पंचायतों को स्थानीय जरूरतों के अनुसार प्राथमिकताएं तय करने और फैसले लेने की अधिक स्वतंत्रता मिले। यदि पंचायतों की अपनी आय होगी, तो वे यह तय कर पाएंगी कि गांव में सबसे जरूरी काम टूटी सड़क बनवाना है या पेयजल व्यवस्था सुधारना, सार्वजनिक भवनों की मरम्मत कराना अथवा सफाई व्यवस्था को मजबूत करना ज्यादा जरूरी है। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय की रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि पिछले कुछ वर्षों में ग्राम पंचायतों की भूमिका बदली है। वे अब केवल योजनाओं को लागू करने वाली संस्थाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार हैं। इसके बावजूद पंचायतों की वित्तीय निर्भरता की समस्या यथावत बनी हुई है। पंचायतों की आत्मनिर्भरता की वास्तविक स्थिति का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि हाल में दिल्ली में दिए गए राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों में देश भर की केवल चार पंचायतों को ही 'आत्मनिर्भर आधारभूत संरचना' श्रेणी में सम्मानित किया गया है। सर्वविदित है कि देश की अधिकांश ग्राम पंचायतों की आय का बड़ा हिस्सा राज्य और केंद्र सरकार से मिलने वाले अनुदानों से आता है। अपने स्तर पर राजस्व जुटाने का अधिकार होने के बावजूद पंचायतों ने इस दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं की है। सवाल है कि पंचायतें आय बढ़ाएंगी कैसे? कानूनी रूप से पंचायतों के पास कई अधिकार हैं। वे भवन कर लगा सकती हैं, सफाई कर और पथ-प्रकाश कर वसूल सकती हैं। यहां तक कि जल उपयोग शुल्क ले सकती हैं। गांवों में लगने वाले हाट-बाजार, मेले, सामुदायिक भवनों, दुकानों के किराए और अन्य स्थानीय संसाधनों से भी आय अर्जित कर सकती हैं। लेकिन कागजों पर दिखाई देने वाले ये स्रोत यथार्थ के धरातल पर उतने प्रभावी नहीं होते। गांवों में कर वसूली का विषय केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक भी है। सरपंच और वार्ड पंच उन्हीं लोगों के बीच रहते हैं, जिनसे उन्हें कर वसूलना होता है। ऐसे में कर लगाने या वसूली करने पर प्रायः विरोध का सामना करना पड़ता है। भौगोलिक दृष्टि से बड़े राज्य राजस्थान पर नजर डालें, तो चुनौती और स्पष्ट दिखाई देती है। यहां की अधिकांश पंचायतों के पास न तो बड़े बाजार हैं, न औद्योगिक इकाइयां और न ही पर्यटन से जुड़ी आय। ज्यादातर जिलों की पंचायतें आज भी मुख्य रूप से कृषि और सरकारी योजनाओं पर निर्भर हैं। राज्य की अधिकांश ग्राम पंचायतों के पास ऐसे संसाधन नहीं हैं, जिनसे पर्याप्त राजस्व प्राप्त हो सके। कुछ पंचायतों के पास बाजार, व्यावसायिक गतिविधियां, पर्यटन स्थल या आय के अन्य स्रोत मौजूद हैं, लेकिन अधिकांश पंचायतें कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर निर्भर हैं। वहां स्थानीय आय बढ़ाने की संभावनाएं सीमित हैं। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या सभी पंचायतों को एक ही पैमाने से मापा जा सकता है? क्या सीमावर्ती रेगिस्तानी क्षेत्र की पंचायत और किसी विकसित कस्बे से सटी पंचायत की स्थिति एक समान है? क्या आर्थिक रूप से कमजोर गांवों से भी वही अपेक्षा जायज है, जो अपेक्षाकृत संपन्न क्षेत्रों से की जाती है? इन सवालों के जवाब तलाशना जरूरी है, क्योंकि केवल लक्ष्य तय कर देने से उपलब्धियां हासिल कर पाना संभव नहीं होता।

भारत की एकता और प्रगति के लिए समर्पित जीवन



नरेन्द्र मोदी
भारत के प्रधानमंत्री

आज, 6 जुलाई, उन अनगिनत लोगों के लिए एक विशेष दिन है, जो देशभक्ति और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों को मानते हैं। हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहे हैं, जिनका जीवन साहस और माँ भारती के प्रति अटूट समर्पण का एक कालातीत उदाहरण है। आधुनिक भारत में ऐसे बहुत कम नेता हुए हैं, जिनमें बुद्धि, जनसेवा और नैतिक दृढ़ता का ऐसा अद्भुत संगम देखने को मिला हो।

युवा श्यामा प्रसाद का जन्म ऐसे परिवेश में हुआ था, जहाँ उन्हें आसानी से एक सुरक्षित और आरामदायक जीवन मिल सकता था। उनके पिता, सर आशुतोष मुखर्जी, अपने समय के प्रमुख शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों में से एक थे। भाग्य ने उन्हें सुख-सुविधाओं का मार्ग दिखाया, इसके बावजूद, उनकी अंतरात्मा ने उन्हें त्याग और राष्ट्र-सेवा के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्हें पक्का यकीन था कि वे अपने समय की उथल-पुथल भरी परिस्थिति में मूकदर्शक बने नहीं रह सकते, –चाहे वह उपनिवेशवाद, सांप्रदायिकता या मानवीय चुनौतियों के खिलाफ लड़ाई ही क्यों न हो। इस यात्रा में उन्होंने गहरी व्यक्तिगत त्रासदियों का सामना किया, जिसमें एक शिशु और बाद में उनकी पत्नी की मौत शामिल है। तथापि, इन त्रासदियों ने केवल उनके संकल्प को और सुदृढ़ किया और सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

अगर कोई एक आदर्श था, जो डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सार्वजनिक जीवन को सबसे ज्यादा परिभाषित करता था, तो वह था भारत की अखंडता। विभाजन के उथल-पुथल भरे दौर में वे मजबूती से डटे रहे और सुनिश्चित किया कि पश्चिम बंगाल भारत का एक अभिन्न अंग बना रहे। कुछ साल बाद, यही विश्वास उन्हें जम्मू और कश्मीर की ओर ले गया। कारावास ने उन्हें हतोत्साहित नहीं किया और अलगाव ने उन्हें कमजोर नहीं किया। उनका जीवन हिरासत में अचानक समाप्त हो गया, उन अनगिनत लोगों से दूर - जिनकी पीड़ा को उन्होंने अपना उद्देश्य बनाया था। इतिहास में ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का अंतिम बलिदान राजनीति से परे जाकर राष्ट्रीय स्मृति में शामिल हो जाता है। डॉ. मुखर्जी की अंतिम यात्रा भी ऐसा ही एक पल रही। आचार्य विनोबा भावे ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने उस मकसद के लिए खुद को बलिदान कर दिया, जिसमें उन्हें विश्वास था। सालों बाद, 2019 में अनुच्छेद 370 और 35( ) को रद्द करना उनकी शहादत के प्रति सबसे सच्ची श्रद्धांजलि थी।

डॉ. मुखर्जी ने भारत और भारतीय मूल्यों को सबसे ऊपर रखा। उन्होंने ऐसे संस्थान बनाए और ऐसी प्रणालियाँ विकसित कीं, जो उस समय की पारंपरिक सोच को चुनौती देती थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति



बने। अपने विशिष्ट अंदाज़ में, उन्होंने ऐसे सकारात्मक बदलाव किए, जो देशभक्तिपूर्ण और भविष्योन्मुखी थे। शिक्षाविदों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. मुखर्जी ने बहुत अच्छे तरीके से इस बात को व्यक्त किया- ÷शैक्षिक संस्थानों को केवल लिपिक और कम वेतन पाने वाले कर्मचारियों का उत्पादन करने वाली फैक्ट्रियों के रूप में देखना गलत है। हमें ऐसे छात्र तैयार करने होंगे, जो हमारे स्व-शासी संस्थानों - जैसे नगर निगम, प्रांतीय और केंद्रीय विधायिका - का नेतृत्व कर सकें और साथ ही जीवन के विभिन्न क्षेत्रों - जैसे वित्तीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक - में कामकाज का संचालन कर सकें।÷

उनके नेतृत्व में, कलकत्ता विश्वविद्यालय ने अनूठे प्रयास किए, जैसे पुस्तकालय अवसंरचना में सुधार करना, विज्ञान में शोध को बढ़ावा देना, कलाकृतियों के अध्ययन को प्रोत्साहित करना और कृषि में पाठ्यक्रम स्थापित करना, आदि। उन्होंने खेल, शिक्षक प्रशिक्षण और छात्र कल्याण जैसे क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया। छात्रों और पूर्व छात्रों में गर्व की भावना जगाने के लिए, उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के तौर पर मनाने की शुरुआत की। उन्होंने स्वयं गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत की रचना करने का आग्रह किया।

उनकी इस भावना का एक अन्य उदाहरण, उनके जीवन के बाद के दौर में देखने को मिलता है, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का फैसला किया। एक ऐसे समय, जब कांग्रेस पार्टी का हर जगह बोलबाला था, उन्हें लगा कि भारत की प्रगति के लिए एक ऐसे वैकल्पिक आवाज बनाने के कारण मौजूद हैं, जो हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी हो। शायद यह उचित ही था कि पार्टी का चुनाव चिह्न 'दीया' - मिटटी का दीपक - रखा गया। एक छोटा सा दीपक साधारण लग सकता है, लेकिन इसमें इतनी ताकत होती है कि यह अपने से बहुत दूर तक अंधकार को दूर कर सकता है। जनसंघ ने भी ठीक यही काम किया–चाहे उनके सक्रिय रहने के दौरान हो या उसके बाद हो।

भारत के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री के तौर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का कार्यकाल एक ऐसे राजनेता की छवि पेश करता है, जिनके विकास का दृष्टिकोण बहुत व्यापक और मानवीय था। उन्होंने उद्योग को नव स्वतंत्र राष्ट्र में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास को पुनर्स्थापित करने का साधन माना। वे धन सृजन और मूल्य संवर्धन का सम्मान करते थे। दामोदर घाटी निगम, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और एक मजबूत औद्योगिक नीति जैसी महत्वपूर्ण पहलों के माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की आधारशिला रखते हुए, उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत की पारंपरिक खूबियों की अनदेखी न हो। हथकरघा, कुटीर उद्योगों, कारीगरों और वस्त्र मज़दूरों को डॉ. मुखर्जी के रूप में एक ऐसा समर्थक मिला, जो उनके लिए पूरी तरह समर्पित था।

यहाँ, मैं एक व्यक्तिगत अनुभव साझा करना चाहूँगा। सिंदरी संयंत्र, जिसे डॉ. मुखर्जी ने आत्मनिर्भरता की स्पष्ट दृष्टि के साथ स्थापित किया था, को उन लोगों ने नजरअंदाज किया, जो कई दशकों तक राष्ट्र चला रहे थे। मुझे गर्व महसूस होता है कि हमारी सरकार को इसके पुनरुद्धार में योगदान देने का अवसर मिला। उस कार्यक्रम में उपस्थिति, वास्तव में मेरे लिए सबसे खास पलों में से एक थी।

भारत की सभ्यतागत परंपरा में लंबे समय से संवाद और चर्चा को महत्त्व दिया गया है। डॉ. मुखर्जी इस लोकतांत्रिक भावना के प्रतीक थे। वे पंडित नेहरू की कैबिनेट में शामिल हुए, क्योंकि उनका मानना ??था कि शुरुआती वर्षों में राष्ट्र-निर्माण का काम राजनीतिक मतभेदों से कहीं ऊपर था। उन्होंने ईमानदारी और रचनात्मक भावना के साथ सेवा की। लेकिन जब उन्हें लगा कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों के लिए अलग रास्ते की ज़रूरत है, तो उन्होंने सम्मान के साथ अपना पद त्याग दिया और पूरी तरह से उस राजनीतिक काम के लिए समर्पित हो गए, जिसे वे राष्ट्र के लिए आवश्यक मानते थे।

75 साल पहले, पंडित नेहरू पहला संशोधन लाए थे, जो अभिव्यक्ति की आज़ादी पर सीधा हमला था। डॉ. मुखर्जी इसके कट्टर आलोचकों में से एक थे। वे अच्छी तरह समझते थे कि कांग्रेस क्या कर सकती है और वे सही साबित हुए। जिन लोगों ने 75 साल पहले पहला संशोधन किया था, उन्होंने ही 1975 में आपातकाल लगाया और 50 साल पहले 42वां संशोधन अधिनियम लेकर आये, जिसने एक बार फिर उदारवादी लोकतांत्रिक मूल्यों की नींव पर चोट की।

डॉ. मुखर्जी मानवतावादी कार्यों के लिए भी जाने जाते थे। जब 1943 में बंगाल में सबसे भयंकर अकाल पड़ा, डॉ. मुखर्जी प्रभावित लोगों की सेवा में पूरी तरह जुट गए। उन्होंने लोगों को खाना खिलाने के लिए कई कैंटीन और राहत केंद्र खुलवाए। एक तरफ, वे अपने लोगों की हालत देखकर बहुत दुखी थे, तो दूसरी तरफ, औपनिवेशिक शासकों की संवेदनहीनता ने उन्हें झकझोर दिया। उन्होंने एक किताब भी लिखी, %पंचासेर मन्वंतर%, जिसमें उन्होंने अपना आक्रोश व्यक्त किया। जब 1942 में मेदिनीपुर में ज़बरदस्त चक्रवात आया, तो हालात को सामान्य करने में उनकी कोशिशों की व्यापक रूप से सराहना हुई।

कोलकाता के एक कॉलेज के अपने संबोधन में डॉ. मुखर्जी ने युवाओं से आग्रह किया, ÷आप जो भी काम करें, उसे गंभीरता से, पूरी तरह से और अच्छी तरह से करें; इसे कभी भी आधा-अधूरा या बिना किये न छोड़ें, जब तक आप इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ न दे दें, तब तक खुद को संतुष्ट महसूस न करें।÷ जैसे-जैसे भारत विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है, हम उन्हें सबसे अच्छी श्रद्धांजलि इस रूप में दे सकते हैं कि हम मजबूत, एकजुट, आत्मविश्वासी और सहानुभूतिपूर्ण भारत के निर्माण के लिए हर दिन प्रयास करें, जिसमें वे बहुत गहराई से विश्वास करते थे। और आज के युवाओं को समझते हुए, मुझे यकीन है कि वे इस अवसर पर आगे आएंगे और बिल्कुल वैसा ही प्रयास करेंगे।

उपायुक्त ने की जिला स्तरीय विधि-व्यवस्था की समीक्षा

भूमि विवादों के त्वरित निष्पादन एवं कानून-व्यवस्था संधारण पर दिया विशेष जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में जिले में विधि व्यवस्था संधारण को लेकर उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, अपर समाहर्ता सुषमा लकड़ा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, जिला अवर निबंधक, कार्यपालक दंडाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जिले में विधि व्यवस्था संधारण सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने भूमि से संबंधित मामलों में पूर्ण पारदर्शिता एवं नियमों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन की रजिस्ट्री एवं दाखिल-खारिज की प्रक्रिया सभी निर्धारित मानकों, एसओपी एवं विधिक प्रावधानों के अनुरूप ही पूरी की जाए। ग्राम सभा, स्थानीय जनप्रतिनिधियों से आवश्यक सत्यापन एवं अन्य सभी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने के उपरांत ही रजिस्ट्री एवं दाखिल-खारिज की कार्रवाई की जाए, ताकि किसी प्रकार की त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूमि विवादों के कारण जिले में कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए सभी संबंधित पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि किसी भी संभावित विवाद को प्रारंभिक स्तर पर ही चिन्हित कर उसका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में भू-माफियाओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि ऐसे तत्वों को चिन्हित कर आवश्यकता के अनुसार विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए। साथ ही



आवश्यकता पड़ने पर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू करने की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि सरकारी भूमि एवं वन भूमि पर किसी भी परिस्थिति में अवैध अतिक्रमण अथवा कब्जा नहीं होने दिया जाए। ऐसे मामलों की सूचना प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

उपायुक्त ने प्रत्येक माह सभी अंचल क्षेत्रों में अंचल/थाना दिवस का नियमित आयोजन करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि इन आयोजनों के माध्यम से भूमि विवाद एवं अन्य स्थानीय समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को त्वरित राहत मिल सके तथा विवादों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

बैठक में जिले के शॉपिंग मॉल, पेट्रोल पंप, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता एवं कार्यशील स्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए। संबंधित विभागों को नियमित जांच अभियान चलाकर सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया।

उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जिले में शांति, सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा प्रत्येक मामले में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

गैंगस्टर प्रिंस खान के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। पुलिस ने फरार अपराधियों और संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के घर पर बुलडोजर चला दिया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुलिस ने उसका मकान ध्वस्त कर दिया। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश और कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई है।

धनबाद पुलिस ने शनिवार को भगोड़े अपराधी प्रिंस खान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके मकान को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर की गई।

कार्रवाई के दौरान डीएसपी प्रकाश सोय, सीसीआर डीएसपी ऋत्विक श्रीवास्तव समेत तीन डीएसपी और छह थानों की पुलिस बड़ी संख्या में

घर पर चलाया बुलडोजर

मौके पर तैनात रही। पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पुलिस ने मीडिया को कार्रवाई स्थल से कुछ दूरी पर रखा। बुलडोजर की मदद से मकान को पूरी तरह ध्वस्त किया गया। पूरे अभियान की वीडियोग्राफी भी कराई गई, ताकि कार्रवाई का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जा सके।

बताया जा रहा है कि हाल ही में निरसा विधायक अरूप चटर्जी को कथित तौर पर धमकी मिलने के बाद प्रिंस खान के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई और तेज हो गई है।

हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश और कानून के तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप की गई है। पुलिस के अनुसार, प्रिंस खान का नाम हजारीबाग में ज्वेलरी कारोबारियों और चतरा के कई ठेकेदारों से लेवी मांगने के मामलों में सामने आया है। बताया जाता है कि वह इंटरनेशनल कॉल के जरिए रंगदारी की मांग करता था। झारखंड और बिहार में उसके गुर्गे बड़े व्यापारियों को निशाना बनाकर उन्हें धमकाने का काम करते हैं।

धनबाद पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई संगठित अपराध और फरार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अपराधियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में तेजी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के निदेर्शानुसार जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत निर्वाचक नामावली के अद्यतन कार्य को गति देने के उद्देश्य से सभी विधानसभा क्षेत्रों में अफ्ड एवं अएफ्ड के नेतृत्व में एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है।

इस क्रम में सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर अपने-अपने मतदान क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं के बीच एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण कर रहे हैं तथा प्राप्त प्रपत्रों का समयबद्ध तरीके से डिजिटाइजेशन भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

आरओ एवं एईआरओ द्वारा नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण कर वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य की निगरानी की जा रही है। साथ ही बीएलओ एवं संबंधित कर्मियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे बीएलओ को आवश्यक सहयोग प्रदान करें, एन्यूमरेशन फॉर्म सही एवं पूर्ण रूप से भरकर समय पर उपलब्ध कराएं तथा निर्वाचक नामावली के शुद्धिकरण एवं अद्यतन की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

महिला सम्मान योजना का तोड़ खोजने में जुटी भाजपा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। महिलाओं और युवाओं के बीच केंद्र सरकार की उपलब्धियों को बताने और उन्हें भारतीय जनता पार्टी की नीतियों से जोड़ने के लिए पार्टी विशेष अभियान चला रही है। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू से लेकर दूसरे वरिष्ठ नेता जिलों और शैक्षणिक संस्थानों में जाकर इन दोनों समूहों से संवाद कर रहे हैं।

पार्टी का मानना है कि आने वाले लोकसभा और राज्य विधानसभा के चुनावों में युवाओं और मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। शहरी मध्यवर्ग के बीच अपना आधार बढ़ाने के लिए महिला समूहों के साथ पार्टी संवाद बढ़ा रही है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वें स्मरण पर्व के तौर पर मनाए जा रहे इस कार्यक्रम में युवाओं को राष्ट्रवादी विचार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पिछले विधानसभा चुनावों में झामुमो गठबंधन द्वारा मंइयां सम्मान योजना की चुनाव पूर्व घोषणा से भाजपा को नुकसान हुआ था। अब चुनावों से तीन साल पहले ही पार्टी ने इस समूह के साथ संवाद की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प 2045 के जरिए युवाओं के लिए एक नया मिशन दिया है। झारखंड में युवा आबादी राष्ट्रीय औसत के मुकाबले ज्यादा है। ऐसे में युवाओं को अपने विचार से जोड़कर भाजपा एक ठोस वोटबैंक बनाने में लगी है।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी युवाओं और महिलाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने में लगी है।

झारखंड के युवाओं के लिए केंद्र सरकार ने शिक्षा से लेकर रोजगार तक के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं। इन्हीं बातों को लोगों तक पहुंचाने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता जिलों में जा रहे हैं।

गंगा स्नान के क्रम में बालक लापता

मनिहारी /कटिहार । मनिहारी के मुख्य गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के दौरान एक 17 वर्षीय किशोर लापता हो गया है। बालक अपने परिजनों के साथ बनमनखी से मनिहारी घाट गंगा स्नान करने आया था। जानकारी के मुताबिक उक्त बालक का नाम अनुराग कुमार साहनी पिता चंदन साहनी है। पूर्णिया जिले के बनमनखी के बस स्टैंड के समीप के रहने वाले हैं। घटना की सूचना मिलते हैं मनिहारी सीओ निहारिका राय ने तुरंत राजस्व कर्मचारी को घटनास्थल पर भेजकर राहत बचाव कार्य आरंभ कराई ।गोताखोर एवं नविको के नदी में खोजबीन के लिए लगाया गया है। समाजसेवी करण मानस ने बताया कि वह घटना के समय गंगा तट के आसपास ही था, तभी उसे जानकारी मिली कि एक लड़का डूब गया है ।दौड़ कर गंगा घाट पहुंचकर गोताखोर एवं नविको के साथ खोजबीन में जूट गया। अब तक लापता बालक का पता नहीं चला है। यह लोग अपने परिजनों के साथ बनमनखी से मनिहारी गंगा स्नान करने आए थे।

घात लगाये अपराधियों ने दो को गोलियों से भूना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बांका। बिहार के बांका जिला अंतर्गत अमरपुर थाना क्षेत्र में रविवार की शाम अपराधियों ने दुस्साहस दिखाते हुए एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। यहां रतनपुर मकदुमा पंचायत के बलिया संथाली टोला के समीप घात लगाए बैठे अपराधियों ने बाइक सवार दो युवकों की गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। इस दोहरे हत्याकांड के बाद से पूरे इलाके में भारी दहशत और सनसनी का माहौल व्याप्त हो गया है।

मृतकों की पहचान अमरपुर थाने के ही गरीबपुर पंचायत अंतर्गत धर्मराय गांव निवासी गुंजन सिंह (30) एवं सिद्धू सिंह (32) के रूप में की गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों युवक अपने कुछ अन्य साथियों के साथ बलिया संथाली टोला की तरफ गए थे और वहां से शराब पीकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में पहले से ही हथियारबंद होकर घात लगाए बैठे अपराधियों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

अपराधियों द्वारा की गई इस ताबड़तोड़ गोलीबारी में दोनों युवकों को कई गोलियां लगीं, जिससे घटनास्थल पर ही दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इस जानलेवा हमले के दौरान उनके साथ मौजूद सचिन सिंह नामक एक अन्य युवक को भी गोली लगी है। वह गोली लगने से गंभीर रूप से जख्मी हो गया है, लेकिन घायल अवस्था में ही वह किसी तरह जान बचाकर मौके से भागने में सफल रहा।

सरेराह डबल मर्डर की इस सनसनीखेज घटना की सूचना मिलते ही बांका के एसपी अमितेश कुमार, अमरपुर थानाध्यक्ष राकेश कुमार भारी पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने घटनास्थल की घेराबंदी कर मामले की गहन जांच-पड़ताल और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

खुले सेप्टिक टैंक में डूबने से मासूम की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। प्रखंड क्षेत्र के गांधीग्राम में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में 8 वर्षीय मासूम की खुले सेप्टिक टैंक में डूबने से मौत हो गई।

घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। पुलिस ने शव को लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोड्डा भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, फोरलेन सड़क निर्माण के दौरान गांधीग्राम मुख्य चौक के समीप डीबीएल कंपनी द्वारा निर्माण कार्य के लिए कैंप बनाया गया था।

सड़क निर्माण कार्य पूरा होने के बाद कंपनी कैंप का सामान समेटकर वहां से चली गई। कैंप परिसर में कंपनी द्वारा बनाया गया एक बड़ा सेप्टिक टैंक भी मौजूद था।

ग्रामीणों के अनुसार, टैंक के ऊपर लगा ढक्कन और उसमें लगा लोहे का सरिया कुछ लोगों द्वारा निकाल



लिया गया था, जिससे टैंक खुला रह गया और उसमें पानी भर गया था।

बताया जाता है कि गांधीग्राम निवासी करण कुमार यादव का 8 वर्षीय पुत्र राजकुमार यादव शुक्रवार की दोपहर घर के पीछे बकरी चराने गया था। इसके बाद वह लापता हो गया।

परिजनों ने शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे से देर रात तक उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

शनिवार सुबह गांव के कुछ लोग शौच के लिए कैंप की ओर गए तो उनकी नजर खुले सेप्टिक टैंक में तैर रहे एक बच्चे के शव पर पड़ी।

ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना आसपास के लोगों और परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने जब शव की पहचान राजकुमार यादव के रूप में की तो परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोड्डा भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

वहीं, ग्रामीणों ने खुले सेप्टिक टैंक को हादसे का कारण बताते हुए संबंधित कंपनी की लापरवाही पर सवाल उठाए हैं।

अवैध नर्सिंग होम पर लगेगी लगाम

पटना। बिहार में बिना पंजीकरण संचालित हो रहे नर्सिंग होम, मैटरनिटी क्लीनिक और छोटे निजी अस्पतालों पर अब सख्ती से कार्रवाई होगी। राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित बिहार लघु एवं मध्यम स्वास्थ्य प्रतिष्ठान (स्थापना एवं पंजीकरण) नियमावली, 2026 को लेकर पटना हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि अनिवार्य पंजीकरण व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू किए जाने पर राज्यभर में अवैध रूप से संचालित नर्सिंग होम, मैटरनिटी क्लीनिक और निजी अस्पतालों पर पूरी तरह रोक लगाई जा सकेगी। भोजपुर जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र से जुड़े एक मामले में अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश राजीव रॉय की एकलपीठ ने उक्त टिप्पणी की।

सुनवाई के दौरान एक कथित अस्पताल की जांच रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की गई, जिसमें पाया गया कि वह महज दो कमरों में संचालित हो रहा था और अस्पताल के न्यूनतम मानकों पर भी खरा नहीं उतरता था।

रोलिंग ब्लॉक लेकर आठ ट्रेनें की गयी कैंसिल

ये ट्रेनें चलेंगी घंटो लेट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। आद्रा रेल मंडल में 6 से 12 जुलाई के बीच रेल प्रशासन रोलिंग ब्लॉक लेकर रेल लाइन को दुरूस्त करने का कार्य करेगी। इस वजह से दक्षिण पूर्व रेलवे ने 9 ट्रेनों का परिचालन विभिन्न तिथियों में रद करने की घोषणा कर दी है। इसके अलावे रेलवे ने 08 ट्रेनों को उनके गंतव्य से पहले ही शोर्ट टर्मिनेशन और शोर्ट ओरिजिनेशन कर चलाएगी। वहीं तीन एकसप्रेस ट्रेनें घंटो लेट से प्रस्थान करेगी।

रेलवे के इस फैसले का असर झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के हजारों यात्रियों पर पड़ेगा। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा करने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति जरूर जांच लें। ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

आसनसोल-टाटानगर मेमू (68055) 08 और 11 जुलाई को यह ट्रेन आद्रा तक चलेगी। इस ट्रेन का परिचालन आद्रा-टाटानगर स्टेशनों के बीच रद रहेगा।

टाटानगर - आसनसोल मेमू- बराभूम मेमू (68056/68060) 07,10 और 12 जुलाई को यह ट्रेन आद्रा स्टेशन तक चलेगी। इस ट्रेन का परिचालन इन तिथियों में आद्रा-आसानसोल-



आद्रा स्टेशनों के बीच रद रहेगा।

आसनसोल-पुरुलिया-आसनसोल एमईएमयू (63594/63593) 08,10 और 11 जुलाई को यह ट्रेन आद्रा तक चलेगी । इस ट्रेन का परिचालन इन तिथियों में आद्रा-पुरुलिया-आद्रा स्टेशनों के बीच रद रहेगा।

चक्रधरपुर - गोमो - चक्रधरपुर एक्सप्रेस (18116/18115) 07,10 और 12 जुलाई को यह ट्रेन महुदा तक चलेगी। इस ट्रेन का परिचालन दन तिथियों में महुदा-गोमो-महुदा स्टेशनों के बीच रद रहेगा।

आसनसोल-बाराभूम मेमू (68060) 08 और 11 जुलाई को यह ट्रेन आद्रा तक चलेगी। इस ट्रेन का परिचालन आसनसोल-आद्रा स्टेशनों के बीच रद रहेगा।

6, 9 और 10 जुलाई को खड़गपुर से प्रस्थान करने वाली ट्रेन नंबर 18035 खड़गपुर-हटिया एक्सप्रेस एक घंटे की देरी से हटिया के लिए रवाना होगी।

7 जुलाई को हटिया से प्रस्थान करने वाली ट्रेन नंबर 18036 हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस एक घंटे की देरी से खड़गपुर के लिए रवाना होगी।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय में आयोजित हुआ मेगा करियर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के निदेर्शानुसार मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बालिका, खूंटी में मेगा करियर काउंसिलिंग कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा 10 से 12 तक अध्ययनरत एवं शैक्षणिक सत्र 2025-26 में उत्तीर्ण छात्राओं को उच्च शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार एवं विभिन्न करियर विकल्पों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करना था।

कार्यक्रम की शुरूआत छात्राओं के पंजीकरण से हुई। इसके उपरांत चित्रकला, निबंध एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद करियर काउंसिलिंग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर कौशल विकास से संबंधित विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, कौशल उन्नयन एवं स्वरोजगार के अवसरों के संबंध में जानकारी दी गई। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित सत्र में छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा, पोषण, स्वास्थ्य तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई ।कार्यक्रम के दौरान जिला नियोजन पदाधिकारी आनंद कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिशा कुजूर, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों द्वारा छात्राओं को



अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं, सेवाओं एवं करियर से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई तथा उनके प्रश्नों का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दुर्घटना में युवक की मौत

गोड्डा। सदर प्रखंड गोड्डा के कुरमन स्थित एनएच 133 फोरलेन हाईवे पर हादसे में 28 साल के युवक की मौत हो गई है ।मृतक का नाम राजन मंडल है। उनके पिता हरिमोहन मंडल पुनसिया के ग्राम प्रधान हैं। घटना शनिवार की सुबह की है। जानकारी के अनुसार गोड्डा की ओर से एक काले रंग की स्कॉर्पियो जेएच 17 एबी 5435 पर तीन चार लोग सवार थे, तेज रफ्तार से गोड्डा एनएच से होते हुए हंसडीहा की ओर जा रहे थे। वहीं, युवक राजन अपनी पल्सर बाइक से निकला था। इसी बीच कुरमन स्थित एनएच 133 फोरलेन पर स्पीड का कहर बरपा। स्कॉर्पियो की चपेट में आने से बाइक सवार युवक राजन की मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि राजन फोरलेन हाईवे के किनारे अपने नए घर से निकलकर पुनसिया स्थित पैतृक घर जा रहा था। तभी वह हादसे का शिकार हो गया। युवक की घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि टक्कर इतनी भयावह थी कि बाइक दो टुकड़े हो गए।

अवैध खनन करते जेसीबी और ट्रैक्टर जब्त

11 लाख 03 हजार रुपये भरना होगा जुर्माना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

प्राणपुर/कटिहार। थाना क्षेत्र के प्राणपुर पंचायत अंतर्गत महानंदा बांध से महज कुछ ही दूरी पर शनिवार को अवैध मिट्टी खनन करते खनन विभाग ने एक जेसीबी तथा एक ट्रैक्टर को जब्त कर प्राणपुर पुलिस के हवाले किया है। जानकारी देते हुए खनन निरीक्षक केशव राज ने बताया कि प्रखंड मुख्यालय के सामने महानंदा बांध की कुछ ही दूरी पर अवैध मिट्टी खनन किये जाने की गुप्त सूचना मिली। सूचना के सत्यापन को लेकर चिह्नित जगह पर पहुंचने पर अवैध मिट्टी खनन करते एक जेसीबी और एक ट्रैक्टर पाया गया ।उन्होंने बताया कि जेसीबी तथा ट्रैक्टर को जब्त कर प्राणपुर पुलिस को सुपुर्द किया गया है। खनन निरीक्षक ने बताया कि जेसीबी मशीन एवं ट्रैक्टर पर ग्यारह लाख तीन हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया है ।उन्होंने बताया कि जिले में अवैध खनन के विरुद्ध लगातार छापेमारी जारी है। किसी भी कीमत पर अवैध खनन करने वाले को पनपने नहीं दिया जाएगा ।विभाग की इस कार्रवाई से जहॉ मिट्टी माफियाओं में हड़कंप मच गया है ।लेकिन लोगों में चर्चा है कि थाना एवं अंचल कार्यालय से थोडी हीं दूरी पर हो रहे अवैध खनन की जानकारी अधिकारी को नहीं होगी ।इस पर सहज विश्वास करना संभव नहीं लगता है ।तो क्या अंचल एवं पुलिस अधिकारी की शह पर अवैध खनन हो रहा था ?क्या अवैध खनन में अधिकारियों की भी मिली भगत हो सकती है ?

तेल की खोज में भारत पहुंचेगा वहां, कोई नहीं गया जहां, 95000 करोड़ का बजट तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) में हुए हालिया युद्ध के दौरान भारत समेत कई देशों में ऊर्जा संकट पैदा हो गया था। अब भारत ने घरेलू कच्चे तेल की खोज को बड़े पैमाने पर बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने



यह जानकारी दी है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है।इस साल फरवरी के आखिर में अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया था। इस हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का निकलना मुश्किल हो गया था। वहां से भरपूर मात्रा में तेल और गैस न आने के कारण भारत भारी संकट में आ गया था।

अब सुधरे हालात

ईरान संकट के हालात अब सुधरते दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक अस्थायी समझौते के बाद खाड़ी के जलमार्ग से तेल और गैस की खेप फिर से बहने लगी है। भारत में ईंधन की कीमतों और पाबंदियों को वापस लिया जा रहा है।

2.5 लाख वर्ग किलोमीटर के इलाके में खोज

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने साफ किया कि ईरान संकट ने भारत को अपनी घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए एक नई दिशा दी है। उन्होंने बताया कि सरकार अब देश के 2.5 लाख वर्ग किलोमीटर के ऐसे इलाकों में तेल की खोज शुरू करने जा रही है, जहां आज तक किसी ने हाथ भी नहीं लगाया।

अभी क्या है भारत की स्थिति

भारत को जितने तेल की जरूरत होती है, उसका केवल 10 प्रतिशत हिस्सा ही देश में पैदा होता है। बाकी का 90 प्रतिशत तेल हमें दूसरे देशों से पैसे देकर खरीदना पड़ता है। साल 2011 में भारत जितना तेल खुद निकालता था, आज उसका उत्पादन घटकर लगभग आधा रह गया है। ईरान-अमेरिका युद्ध के दौरान भारत ने तेल बेचने वाले देशों की संख्या 27 से बढ़ाकर 41 कर दी। भारत ने रूस, ईरान और वेनेजुएला जैसे देशों से खूब तेल खरीदा।

अंडमान के शुरू होगा 'समुद्र मंथन'

अभी तक भारत में सबसे ज्यादा तेल मुंबई के समुद्र, राजस्थान, गुजरात और असम से निकाला जाता है। लेकिन अब सरकार की नजर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर है। मंत्रालय के मुताबिक, अंडमान के समुद्र के नीचे तेल और गैस का असीमित भंडार हो सकता है। हाल ही में जून के महीने में वहां एक कुएं की टेस्टिंग के दौरान गैस की लपटें भी जलती दिखाई दी थीं।

भारतीयों द्वारा भेजी जाने वाली 144 अरब डॉलर की रेमिटेंस भी भारत को मिलती है

सेवा निर्यात ने बढ़ा दी पारंपरिक उद्योगों की टेंशन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का सेवा निर्यात जो 1995 में लगभग न के बराबर था, अब 2025-26 में बढ़कर 418 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा भारत के वस्तु निर्यात 442 अरब डॉलर के लगभग बराबर है। इसके अलावा, विदेशों में काम करने वाले भारतीयों द्वारा भेजी जाने वाली 144 अरब डॉलर की रेमिटेंस भी भारत को मिलती है। इसे एक तरह से श्रम निर्यात भी कहा जा सकता है।

इन दोनों को मिलाकर देखें तो अब भारत के व्यापार और चालू खाते में वस्तु निर्यात की हिस्सेदारी पहले जितनी महत्वपूर्ण नहीं रह गई है। यह बदलाव नया नहीं है, लेकिन इसकी रफ्तार तेज होने के पीछे एक वजह अर्थशास्त्र में ' डच डिजीज कही जाने वाली स्थिति भी मानी जा रही है।

क्या है डच डिजीज: 1959 में नीदरलैंड (हॉलैंड) के ग्रोनिंगन गैस क्षेत्र की खोज हुई थी। इसके बाद 1970 के दशक में गैस निर्यात इतना बढ़ गया कि डच मुद्रा की कीमत तेजी से मजबूत हो गई। इसका असर यह हुआ कि वहां के

इसी स्थिति को अर्थशास्त्रियों ने 'डच डिजीज' नाम दिया



पारंपरिक उद्योगों के उत्पाद विदेशी बाजारों में महंगे हो गए और उनकी प्रतिस्पर्धा घट गई। गैस निर्यात से देश को कुल मिलाकर फायदा हुआ, लेकिन पारंपरिक उद्योगों में रोजगार घटने लगे। इसी स्थिति को अर्थशास्त्रियों ने 'डच डिजीज' नाम दिया।

भारत में भी दिख रहे ऐसे ही संकेत

भारत में सेवा निर्यात अब इतना बड़ा हो चुका है कि उसकी वजह से रुपया सामान्य से अधिक मजबूत हो रहा है। इससे पारंपरिक वस्तु निर्यात, खासकर कम लागत वाले उत्पाद, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कम प्रतिस्पर्धी होते जा रहे हैं।

अर्थशास्त्री लंबे समय से कहते रहे हैं कि भारत उन एशियाई देशों की तरह आगे नहीं बढ़ पाया, जिन्होंने कम मजदूरी वाले उद्योगों जैसे कपड़ा और जूता उद्योग के जरिए निर्यात बढ़ाया और करोड़ों लोगों को रोजगार दिया। इसकी सबसे बड़ी वजह राजनीति है। अधिकांश विश्लेषक यह देखने में विफल रहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस, दोनों ही संगठित श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता देती रही हैं।

श्रम कानून भी बने बाधा

भारत में संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को मिलने वाली लंबी छुट्टियां, विभिन्न भत्ते और श्रम कानूनों के कारण कर्मचारियों को नौकरी से निकालना कठिन होना, उद्योगों की लागत बढ़ाते हैं। ये ऐसी चीजें हैं जो प्रतिस्पर्धी एशियाई देशों में नहीं के बराबर हैं। हालांकि हाल के वर्षों में कुछ श्रम सुधार किए गए हैं। उदाहरण के लिए, कर्मचारियों की छंटनी के लिए सरकारी अनुमति की सीमा 100 से बढ़ाकर 300 कर्मचारियों तक कर दी गई। लेकिन यह बदलाव भी बांग्लादेश जैसे देशों की 10,000 कर्मचारियों वाली बड़ी फैक्ट्रियां विकसित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। वहीं, केवल 12 महीने की नौकरी के बाद ग्रेच्युटी अनिवार्य करने जैसे नियमों से भी कंपनियों की लागत बढ़ी है। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि लालफीताशाही, खराब बुनियादी ढांचा, महंगी बिजली, ऊंची लॉजिस्टिक्स लागत और महंगी जमीन के कारण भारत श्रम-प्रधान निर्यात में पिछड़ा है। अगर यही वजह होती, तो भारत सेवा क्षेत्र और उच्च कौशल वाले विनिर्माण में भी सफल नहीं होता।

50 पैसे की चीज से 1,900 करोड़ का साम्राज्य, लीक से हटकर लिए फैसलों ने बना दिया किंग

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यापार जगत में कुछ ब्रांड हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन जाते हैं। लेकिन, उनके पीछे के संघर्ष की कहानी अक्सर पर्दों के पीछे छिपी रहती है। भारतीय घरों और दफ्तरों में नजर आने वाला 'नीलकमल' ब्रांड भी इसकी बानगी है। यह दो भाइयों की सोच का नतीजा है। इनके नाम हैं- वामनराय पारेख और शरद पारेख। कौड़ियों के दाम बिकने वाले मेटल बटन के फैमिली बिजनेस से निकलकर दोनों ने ऐसे ग्लोबल साम्राज्य की नींव रखी जो आज 1,900 करोड़ रुपये से ज्यादा का है। उनकी कहानी जोखिम उठाने, बाजार की नब्ज पहचानने और लगातार कुछ नया करने की हिम्मत देती है। आइए, यहां इसके बारे में जानते हैं। नीलकमल का सफर 1934 में शुरू हुआ था। तब पारेख परिवार मुंबई में मेटल के छोटे-छोटे बटन



बनाने का साधारण व्यवसाय चला रहा था। दशकों तक इसी पारंपरिक ढर्रे पर रहने के बाद साल 1981 में वामनराय पारेख और शरद पारेख ने कुछ अलग करने की ठानी। उन्होंने बटन के पारिवारिक काम को छोड़कर उस समय बाजार में उभर रहे प्लास्टिक उद्योग में कदम रखने का बड़ा फैसला किया। मुंबई के पवई में एक किराए के परिसर से उन्होंने 'नीलकमल प्लास्टिक' नाम से बाल्टी, मग और टोकरियों जैसे रोजमर्रा के घरेलू सामान बनाने शुरू किए। ये धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाने लगे। इवेंट्स के लिए इन कुर्सियों का इस्तेमाल शुरू किया। इनका हल्का होना, आसानी से एक के ऊपर एक स्टैक (इकट्ठा) होना और लाना-ले जाना इतना रास आया कि देखते ही देखते मांग का सैलाब आ गया। क्षमता विस्तार और फंड के लिए कंपनी ने साल 1991 में पब्लिक लिस्टिंग का प्लान बनाया। देश में व्यापार घाटा चरम पर था। लेकिन, विपरीत हालातों के बावजूद निवेशकों ने कंपनी पर अटूट भरोसा दिखाया। नीलकमल का आईपीओ 6.5 गुना ओवरसब्सक्राइब हुआ। वक्त के साथ दूसरी और तीसरी पीढ़ी (मिहिर पारेख) के आने से नीलकमल ने पैकेजिंग में 'बबलगार्ड', होम डेकोर में रिटेल चेन और गद्दों के बाजार में कदम रखा।

पहचान ली बाजार की नब्ज

व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए पारेख बंधु लगातार बाजार पर शोध कर रहे थे। इसी दौरान वर्ली डेयरी के पास से गुजरते समय उन्होंने देखा कि दूध की बोतलें ढोने के लिए लकड़ी के भारी क्रेट्स का इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने भांपा कि प्लास्टिक क्रेट्स अधिक टिकाऊ, हल्के और सस्ते साबित होंगे। यहीं से कंपनी ने 'मटीरियल हैंडलिंग' सेगमेंट में कदम रख दिया। इसके बाद 80 के दशक में जर्मनी के एक एग्जीबिशन के दौरान उन्होंने प्लास्टिक की कुर्सियों की कतारें देखीं। उस दौर में भारतीय उपभोक्ता केवल लकड़ी या लोहे के फर्नीचर पर भरोसा करते थे। लेकिन, भाइयों ने भारी जोखिम उठाते हुए जर्मनी से ही प्लास्टिक चेयर का मोल्ड (सांचा) इंपोर्ट कर लिया।

शुरुआत में यह प्रयोग पूरी तरह फेल नजर आ रहा था। महीनों तक उन कुर्सियों को कोई खरीदार नहीं मिला।

ई 20 पेट्रोल के डर से 160 रुपये लीटर वाला प्रीमियम फ्यूल खरीद रहे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में तेजी से लागू हो रहे ई 20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित) ईंधन ने देश के फ्यूल मार्केट में एक नया ट्रेंड पैदा कर दिया है। सामान्य पेट्रोल की तुलना में भारी-भरकम कीमत होने के बावजूद, देश के कई हिस्सों में 160 रुपये प्रति लीटर बिकने वाले प्रीमियम पेट्रोल की मांग में अचानक तेजी देखी जा रही है।

इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार वाहन चालकों के बीच यह डर घर कर गया है कि नया ई 20 पेट्रोल उनके वाहनों के माइलेज को कम कर सकता है और इंजन को लंबे समय में नुकसान पहुंचा सकता है। इसी डर के चलते लोग अब महंगे, हाई-ऑक्टेन विकल्प की ओर भाग रहे हैं। हालांकि, ग्राहकों की जेब पर 160 रुपये का भारी बोझ डालने वाला यह ईंधन बाजार में हर जगह उपलब्ध नहीं है। कम बिक्री और हाई इन्वेस्टमेंट के कारण पेट्रोल पंप डीलर इसे अपने यहां स्टॉक करने से बच रहे हैं। वर्तमान में देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य पेट्रोल की कीमत करीब 112 रुपये प्रति लीटर है। वहीं विशेष एडिटिव्स और हाई-ऑक्टेन वैल्यू वाला प्रीमियम पेट्रोल 160 रुपये प्रति लीटर तक बिक रहा है। करीब 40 से 45 फीसदी महंगा होने के बावजूद पेट्रोल पंपों पर प्रीमियम ईंधन को लेकर पूछताछ काफी बढ़ गई है। ग्राहकों का मानना है कि रोज-रोज श्व20 पेट्रोल डलवाकर



इंजन खराब करने और भविष्य में भारी-भरकम मेंटेनेंस बिल चुकाने से बेहतर है कि अभी 160 रुपये प्रति लीटर खर्च करके गाड़ी की लाइफ सुरक्षित कर ली जाए। वाहन मालिकों का मानना है कि यह महंगा ईंधन सामान्य पेट्रोल के मुकाबले बेहतर माइलेज, स्मूथ ड्राइविंग और शानदार पिकअप देता है। यह ईंधन कोई अलग से आने वाला तेल नहीं है, बल्कि रेगुलर पेट्रोल का ही एक सुधरा हुआ रूप है, जिसे खास फॉर्मूले से तैयार किया जाता है। इसमें विशेष प्रकार के डिटर्जेंट्स और फ्रिक्शन मॉडिफायर्स मिलाए जाते हैं। यह इंजन के भीतर कार्बन जमा होने को रोकता है। इंजन साफ रहने के कारण गाड़ी की परफॉर्मेंस बनी रहती है और बार-बार गैरेज के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। यह मुख्य रूप से उन प्रीमियम और हाई-परफॉर्मेंस गाड़ियों के लिए बेस्ट है, जिन्हें हाई-ऑक्टेन फ्यूल की जरूरत होती है। तेल कंपनियों के आंकड़ों के अनुसार पिछली तिमाही में प्रीमियम पेट्रोल की बिक्री में 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत की ग्रोथ देखी गई है। तेल कंपनियों के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वे मुख्य रूप से प्रीमियम गाड़ियों के मालिकों को टारगेट करते हैं, इसलिए यह ईंधन केवल चुनिंदा शहरों और बड़े आउटलेट्स पर ही उपलब्ध है। कुल पेट्रोल बिक्री में इसकी हिस्सेदारी अभी भी महज 5 से 7 फीसदी ही है। भले ही ग्राहक 160 रुपये लीटर देने को तैयार हैं, लेकिन छोटे पेट्रोल पंप मालिकों के लिए इसे बेचना व्यावहारिक नहीं है। पुणे के एक डीलर के मुताबिक, उनके कुल बिजनेस में प्रीमियम पेट्रोल की हिस्सेदारी 5 प्रतिशत से भी कम है।

होर्मुज स्ट्रेट में खलबली, 8 टैंकरों ने अचानक लिया यू-टर्न

ईरान ने बार-बार कही है यह बात

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार और शनिवार के बीच ओमान के तट से होते हुए फारस की खाड़ी से निकलने की कोशिश कर रहे कम से कम आठ जहाज वापस लौट गए। यह इस बात का ताजा संकेत है कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना मुश्किल बना हुआ है। कारण है कि ईरान इस अहम समुद्री रास्ते पर अपना कंट्रोल बनाए रखना चाहता है। कुछ जहाजों ने ईरान के करीब वाले रास्ते से अपनी यात्रा जारी रखी।

शिप-ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि तेल टैंकर, बल्क कैरियर और वाहन ले जाने वाले जहाजों सहित कई जहाज होर्मुज स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे थे। कुछ जहाज मुसंडम प्रायद्वीप के उस सिरे तक पहुंच गए थे जो इस संकरे समुद्री रास्ते में निकला हुआ है। लेकिन, फिर वे अचानक वापस मुड़ गए। इसके बाद एक कच्चा तेल ले जाने वाला टैंकर, दो कमोडिटी टैंकर और एक बल्क कैरियर उत्तर की ओर उस रास्ते पर चले गए जिसे ईरान ने तय किया था। ओमान की तरफ से



होर्मुज स्ट्रेट के पास पहुंचते ही कम से कम आठ जहाजों को यू-टर्न लेते देखा गया। इनमें से चार जहाज बाद में ईरान वाले रास्ते से आगे बढ़ गए। यह पता नहीं चल पाया है कि जहाजों ने यू-टर्न क्यों लिया। हालांकि ईरान बार-बार कहता रहा है कि जहाजों को इस स्ट्रेट से केवल उसी अधिकृत रास्ते से गुजरना चाहिए जिसे इस्लामिक रिपब्लिक ने तय किया है। पिछले कुछ महीनों में फारस की खाड़ी से निकलने की कोशिश करने वाले जहाजों ने बताया है कि उन्हें ईरानी सेना की ओर से रेडियो पर चेतावनी मिली है कि उन्हें यहां से गुजरने के लिए तेहरान से अनुमति लेनी होगी। कुछ जहाजों पर यात्रा जारी रखने के कारण हमले भी हुए हैं। इससे आवाजाही के समन्वय को लेकर चिंता बढ़ गई है। ग्लोबल ऑयल मार्केट को सामान्य स्थिति में लाने के लिए टैंकर कंपनियों और उनके चालक दल की जोखिम उठाने की क्षमता बहुत महत्वपूर्ण है।

गौतम अडानी पर लगे आपराधिक आरोप क्यों हटाए गए, अमेरिकी कोर्ट में डीओजे का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने अमेरिकी अदालत में बताया है कि उसने उद्योगपति गौतम अडानी और सात अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को कानूनी और व्यावहारिक कारणों की वजह से वापस लिया। डीओजे ने ऐसे 6 कारण बताए हैं। विभाग का कहना है कि इस मामले में निवेशकों को कोई वित्तीय नुकसान नहीं हुआ था और आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत भी नहीं थे। इसके अलावा, इस केस से भारत और अमेरिका के बीच राजनयिक तनाव बढ़ने की आशंका भी थी।

अमेरिकी जिला जज निकोलस गराउफिस ने ष्ठश्छ से पूछा था कि जब मामला वापस लिया जा रहा है तो इसे स्थायी रूप से क्यों बंद किया जाए। जज ने पहले दाखिल किए गए आवेदन को 'अस्पष्ट' बताया था। इसके जवाब में DoJ ने 10 पन्नों का विस्तृत हलफनामा दाखिल किया।

ष्ठश्छ ने क्या कहा: न्याय विभाग ने अदालत से कहा कि इस मामले में किसी निवेशक को कोई आर्थिक नुकसान नहीं हुआ। ऐसे में आपराधिक मुकदमा चलाने का कोई खास मतलब नहीं था। विभाग ने



यह भी कहा कि अगर मुकदमा चलता भी, तो किसी को मुआवजा नहीं मिल सकता था क्योंकि नुकसान हुआ ही नहीं था।

पिछली सरकार पर भी उठाए सवाल: दावा किया कि यह मामला पिछली अमेरिकी सरकार के अंतिम दिनों में जल्दबाजी में दर्ज किया गया था। विभाग के अनुसार, इसका उद्देश्य सिर्फ आरोप लगाकर लोगों की छवि खराब करना था, जबकि मुकदमे को आगे बढ़ाने की वास्तविक संभावना बहुत कम थी।

कई महीनों तक दस्तावेजों की जांच और बचाव पक्ष के वकीलों से बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया। विभाग ने 6 प्रमुख वजहें गिनाईं कथित घटनाएं पूरी तरह भारत में हुई थीं। भारतीय एजेंसियों ने जांच में कोई गड़बड़ी नहीं पाई। निवेशकों को कोई वित्तीय नुकसान नहीं हुआ। जरूरी गवाह और सबूत विदेशों में थे, जिन्हें जुटाना आसान नहीं था। आरोपियों के अमेरिकी अदालत में पेश होने की संभावना बेहद कम थी। मामला अमेरिकी कानून के क्षेत्राधिकार की शर्तों पर पूरी तरह फिट नहीं बैठता था।

हालांकि, मई 2025 में ष्ठश्छ द्वारा मामला वापस लेने के बाद समूह के शेयरों में तेजी लौटी। इसके बाद अडानी एंटरप्राइजेज ने शेयर बिक्री के जरिए 15,000 करोड़ रुपये जुटाए और 11.5 अरब डॉलर की लागत वाले एक बड़े एल्युमिनियम प्लांट की परियोजना पर भी समझौता किया।

170 करोड़ रुपये में केस का निपटारा

इससे पहले गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी ने अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग के साथ जुड़े सिविल मामले को निपटाने के लिए 1.8 करोड़ डॉलर (करीब 170 करोड़ रुपये) का भुगतान करने पर सहमति जताई थी। यह मामला अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड से जुड़े कुछ कथित भ्रामक बयानों से संबंधित था। इस मामले में गौतम अडानी के अलावा सागर अडानी, विनीत जैन, रंजीत गुप्ता, सिरिल कैबनेस, सौरभ अग्रवाल, दीपक मल्होत्रा और रूपेश अग्रवाल के नाम भी शामिल थे। नवंबर 2024 में आरोप लगने के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों और मार्केट वैल्यू में बड़ी गिरावट आई थी।

भारत ने चीन के मरोड़ दिए कान, चालाकी पड़ी भारी, अब एंटी-डंपिंग ड्यूटी से बचने की होगी जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने चीन से आयात होने वाले प्रमुख हर्बिसाइड (खरपतवार नाशक) ग्लूफोसिनेट और उसके लवण पर अपनी निगरानी काफी सख्त कर दी है। सरकार ने इन आयातों को अस्थायी सीमा शुल्क मूल्यांकन के दायरे में डाल दिया है। इसके जरिए अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि क्या चीनी निर्यातक एंटी-डंपिंग ड्यूटी के असर को कम करने के लिए खुद ही इस लागत को वहन कर रहे हैं। राजस्व विभाग ने सीमा शुल्क अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे व्यापार उपचार महानिदेशालय द्वारा शुरू की गई एंटी-एब्जॉर्प्शन समीक्षा के नतीजे आने तक इस हर्बिसाइड के आयात का अनंतिम मूल्यांकन करें। आयातकों को वर्तमान में लागू एंटी-डंपिंग ड्यूटी तो देनी ही होगी, साथ ही उन्हें एक वित्तीय गारंटी भी देनी होगी। यदि समीक्षा के बाद ड्यूटी बढ़ाई जाती है, तो इस गारंटी से उस अतिरिक्त शुल्क की भरपाई की जाएगी। यह कदम ष्ठन्नञ्चक्की उस प्राथमिक जांच के बाद उठाया गया है, जिसमें यह सामने आया कि चीनी निर्यातकों ने मई 2025 में लगाई गई एंटी-डंपिंग ड्यूटी के प्रभाव को बेअसर करने के लिए अपनी निर्यात कीमतों को कम कर दिया या अन्य मूल्य निर्धारण रणनीतियां अपनाईं। ऐसा करने से भारतीय घरेलू निर्माताओं को मिलने वाली सुरक्षा कमजोर हो रही थी। ग्लूफोसिनेट एक व्यापक प्रभाव वाला हर्बिसाइड है। इसका उपयोग मक्का, सोयाबीन, कपास और कैनोला जैसी फसलों के साथ-साथ बड़े पैमाने पर व्यावसायिक खेती में खरपतवार को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।



पत्नी आकांक्षा के तलाक के एलान के बाद गौरव खन्ना ने पहली बार तोड़ी चुप्पी

चर्चित एक्टर और रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के विजेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला ने लॉकअप सीजन 2 में हिस्सा लिया है। यहां उन्होंने चौंकाने वाला खुलासा किया कि वे और गौरव तलाक ले रहे हैं। आकांक्षा ने यह भी कहा कि वे सालभर से अलग-अलग रहते हैं। पत्नी की तरफ से तलाक की पुष्टि के बाद गौरव खन्ना ने पहली बार इस पर रिएक्शन दिया है।

प्यार किया तो पीछे क्यों हटूं

तलाक की चर्चाओं के बीच गौरव खन्ना 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच एक्टर आज 30 जून को पहली बार 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट पर नजर आए। गौरव 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट के बाहर पैपराजी को पोज दिए। जैसे ही उन्होंने कैमरे के सामने पोज दिया तो एक फोटोग्राफर ने उनसे पूछा, 'गौरव भाई, क्या हाल हैं'? गौरव ने मुस्कुराते हुए कहा, 'बस यार, वही ,जो पहले था वही हाल है अभी भी। प्यार अभी भी उतना है, सपोर्ट अभी भी उतना है... मैं तो हमें सपोर्ट करूंगा आकांक्षा को, मेरी बीवी है यार। प्यार किया तो पीछे क्यों हटूं'?

हमेशा आकांक्षा के साथ खड़ा हूं

इसके बाद फोटोग्राफर ने पूछा, 'भाई लेकिन कंट्रोवर्सी बहुत ज्यादा हो गई है'। इस पर गौरव ने कहा, 'आकांक्षा को जीवन के लिए शुभकामनाएं। मैं हमेंशा उसके साथ खड़ा हूं और उसको सपोर्ट कर रहा हूं। वो अच्छा खेले और जीत कर आए'।

'लॉकअप सीजन 2' में आकांक्षा के तलाक को लेकर पुष्टि किए जाने के बाद पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट भी साझा किया है। गौरव ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। कैप्शन में वे प्यार की हिमायत करते दिखे हैं। गौरव ने लिखा है, 'लव ऑलवेज'। गौरव खन्ना के इस पोस्ट पर उनके फैंस सपोर्ट कर रहे हैं। नेटिजंस लिख रहे हैं, 'हम आपके साथ हैं। आपको खूब सारा प्यार'।



महिलाओं को सुपरस्टार बनाने में भी की जानी चाहिए उतनी ही मेहनत

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की कामयाबी से खुश हैं। उन्होंने लंबे वक्त के बाद इस फिल्म में वापसी की है। फिल्म को अच्छे रिव्यू मिले और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, बहुत कम महिला-प्रधान फिल्मों को ऐसी कमर्शियल सफलता मिलती है। हाल ही में सामंथा ने कहा कि फिल्ममेकर्स को महिला सुपरस्टार बनाने के लिए ज्यादा इन्वेस्ट करने की जरूरत है। पुरुष कलाकारों पर होती है मेहनत

वैरायटी इंडिया से बातचीत में जब सामंथा से पूछा गया कि क्या महिला स्टार्स को ज्यादा फीस के लिए संघर्ष करना पड़ता है? इस पर सामंथा ने कहा 'यह एक बार में एक कदम उठाने जैसा है। मैंने हमेशा यही कहा है, पुरुष सुपरस्टार एक दिन में नहीं बनते। बड़े-से-बड़े पुरुष सुपरस्टार बनाने में समय और मेहनत लगी है। हर फिल्म के साथ, हर डायरेक्टर ने उन्हें भगवान जैसा दर्जा दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की है। इसमें समय लगा है।'

डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स को करनी होगी मेहनत

उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि महिला स्टार्स को उतनी मेहनत और समय नहीं दिया जाता। अगर डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स किसी एक्ट्रेस को सुपरस्टार बनाने में उतनी ही मेहनत करें, तो यह मुमकिन हो जाएगा। हमें बस उस समय और इन्वेस्टमेंट की जरूरत है।'

फिल्म ने की अच्छी कमाई

'मां इंटी बंगारम' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत करते हुए पहले दिन 4.85 करोड़ की कमाई की। दो हफ्तों के अंदर, फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 80 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।

बन रहा फिल्म का सीक्वल

विशाखापत्तनम में एक सक्सेस मीट के दौरान, फिल्म के प्रोड्यूसर राज निदिमोरू ने घोषणा की कि इसका सीक्वल पहले से ही बन रहा है।'



हम भारतीय बहुत भावुक हैं, लोगों का दर्द समझते हैं

अरशद वारसी और राजकुमार हिरानी ने 'प्रीतम एंड पेड्रो' से पहले 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' और 'लगे रहो मुन्ना भाई' जैसी सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया है, जहां अरशद वारसी का 'सर्किट' वाला किरदार काफी पॉपुलर हुआ था। अरशद ने हाल ही में अमर उजाला से बातचीत के दौरान अपनी नई सीरीज, राजकुमार हिरानी के साथ दोबारा काम करने, उनके बेटे वीर हिरानी के साथ अपने अनुभव, बॉलीवुड की सच्चाई और साइबर फ्रॉड जैसे मुद्दों पर खुलकर बात की। बातचीत के दौरान, उन्होंने अजय देवगन का भी जिक्र किया। 'राजकुमार हिरानी का बेटा है तो क्या हुआ, गलत करेगा तो डांट पड़ेगी'

बता दें, राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी इस सीरीज के साथ एक्टिंग डेब्यू कर रहे है। वीर के साथ काम करने के अनुभव पर अरशद ने कहा कि उनके साथ काम करना काफी सहज रहा, क्योंकि वह उन्हें पहले से जानते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं वीर को काफी समय से जानता हूं, इसलिए काम बहुत आराम से हुआ। दूसरी बार जब आप किसी के साथ काम करते हैं तो समझ और बेहतर हो जाती है। हर इंसान एक-दूसरे से कुछ न कुछ सीखता है और मैंने भी उससे बहुत कुछ सीखा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या राजकुमार हिरानी के बेटे होने की वजह से वीर को कोई विशेष छूट मिलती थी, तो अरशद ने तुरंत हंसते हुए जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल नहीं। उस बेचारे को तो खूब डांट पड़ती थी। हमारा रिश्ता थोड़ा अलग है। मैं उसे गलत काम नहीं करने दे सकता। अगर किसी दृश्य में वह बिल्कुल अलग दिशा में चला जाता था तो मैं दोबारा करवाता था। कई बार दोबारा दृश्य करना पड़ा। राजकुमार हिरानी का बेटा होने का मतलब यह नहीं कि काम के दौरान छूट मिल जाएगी। 'हम भारतीय भावुक लोग हैं, इसलिए ये किरदार लोगों को जरूर पसंद आएंगे'

अपनी सीरीज को लेकर बढ़ती उम्मीदों पर बात करते हुए अरशद ने कहा कि किसी भी सीरीज की सबसे बड़ी ताकत उसके किरदार होते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर लोगों को किरदार पसंद आ जाएं तो वही किसी सीरीज की असली सफलता होती है। इस सीरीज के दोनों किरदार लोगों को पसंद आएंगे।



'इक्का' के साथ फिर सरप्राइज करेंगी आकांक्षा रंजन

आकांक्षा रंजन अब साफ़ तौर पर ये साबित कर रही हैं कि उन्हें अपने रोल्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने से ज़रा भी डर नहीं लगता। हर नए प्रोजेक्ट के साथ वो कुछ ऐसा लेकर आती हैं जो उनके पिछले किरदार से बिल्कुल अलग होता है। इसी के चलते उनकी फिल्मोग्राफी अब एकदम रंग-बिरंगी और वर्सेटाइल बनती जा रही है। हाल ही में 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में उन्होंने एक दिल छू लेने वाली, दयालु गांव की डॉक्टर — डॉ. गर्गी — का किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरी हैं। और अब आकांक्षा तैयार हैं दर्शकों को एकदम नया झटका देने के लिए, अपने आने वाले लीगल थ्रिलर 'इक्का' में। गांव की सादगी छोड़कर इस बार वो कोर्टरूम की तेज़-तर्रार दुनिया में एंट्री ले रही हैं, जहां वो एक मॉडर्न यंग वुमन के किरदार में नज़र आएंगी — जो उनके काम में एक और नया तड़का जोड़ता है।

आज रिलीज़ हुआ 'इक्का' का ट्रेलर इस इंटेंस कहानी की एक झलक देता है। एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा के बैकड्रॉप पर बनी ये कहानी एक मशहूर वकील के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे एक मर्डर के आरोपी का केस लड़ना पड़ता है। हालांकि आकांक्षा के किरदार को लेकर मेकर्स ने अभी ज़्यादा खुलासा नहीं किया है, लेकिन ट्रेलर ये इशारा ज़रूर करता है कि उनकी भूमिका कहानी में खास अहमियत रखती है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर आकांक्षा कहती हैं, 'मेरे लिए सबसे ज़्यादा मायने रखता है कि मैं अपने किरदार के ज़रिए क्या इम्पैक्ट ला सकती हूं। मैं काफी एक्साइटेड हूं कि अब दर्शक 'इक्का' की दुनिया की पहली झलक ट्रेलर के ज़रिए देख पाएंगे। मैंने पहले भी कहा है कि थ्रिलर मेरा पसंदीदा जॉनर है, तो ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए और भी रोमांचक था। मेकर्स की सोच और जिस तरह से स्क्रिप्ट मुझे सुनाई गई, उसने मुझे और भी खींच लिया। उनके विज़न में एकदम क्लैरिटी थी, और वही चीज़ मेरे साथ रह गई।' पिछले कुछ सालों में आकांक्षा ने जानबूझकर अलग-अलग जॉनर के प्रोजेक्ट्स चुने हैं। 'गिल्टी' और 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' में अपने दमदार परफॉर्मेंस से उन्होंने गहरी छाप छोड़ी, और फिर 'ग्राम चिकित्सालय' में डॉ. गर्गी बनकर अपना एक अलग ही सॉफ्ट और इमोशनल साइड दिखाया।

अब 'इक्का' के साथ वो फिर एक नए स्पेस में कदम रख रही हैं — इस बार कहानी ज़्यादा डार्क और लेयर्ड है। वर्क फ्रंट की बात करें तो, इस समय 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में अपने परफॉर्मेंस के लिए सराहना बटोर रहीं आकांक्षा जल्द ही 'इक्का' में नज़र आएंगी, जिसके बाद उनके पास कई और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं — जिनका खुलासा अभी बाकी है।



बेटी की पैदाइश के बाद जमीन-आसमान का बदलाव आया

अली फजल को इंडिया में भले दर्शक 'मिर्जापुर' के गुड्डू भैया के रूप में जानते हों, मगर अली ने हॉलीवुड में भी अच्छा-खासा काम किया है। इन दिनों वेब सीरीज 'राख' में अपनी भूमिका के लिए तारीफ बटोरने वाले अली जल्द ही कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में दिखेंगे। आमिर खान की 'बंटवारा 1947' के अलावा वह फिल्म 'मिर्जापुर' और 'लस्ट स्टोरीज' में भी नजर आएंगे।

'बंटवारा 1947' में बड़ा रोल नहीं, पर अहम

'बंटवारा 1947' में अपने रोल पर अली फजल कहते हैं, ' 'बंटवारा' में मेरा बहुत बड़ा रोल नहीं है, लेकिन मेरे लिए किरदार के आकार से ज्यादा अहमियत उस टीम और कहानी की होती है, जिसका मैं हिस्सा बनता हूं। सनी देओल जैसे दिग्गज कलाकारों और शानदार टीम के साथ काम करना अपने आप में बड़ा अनुभव है। आमिर खान सर इसे बना रहे हैं और मुझे इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार है। सच तो ये है कि मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार तक सीमित नहीं रखना चाहता। फिल्म मिर्जापुर में चिरपरिचित चेहरों के साथ एक सिनेमैटिक अनुभव मिलेगा।'

आज से तकरीबन दो साल पहले अली और रिचा ने जुनेरा नाम प्यारी बेटी को जन्म दिया। अली खुद को खुशकिस्मत मानते हैं, बेटी को पाकर। वह कहते हैं, 'बेटी को पाकर नसीब वाला महसूस करता हूं । बस रोज, दुआ करता हूं कि एक पैरेंट के रूप में बेटी का ध्यान रख पाऊं, उसकी जरूरतें पूरी कर पाऊं। मुझमें जमीन-आसमान का बदलाव आया है। लोग जब पूछते हैं कि एक पिता के रूप में क्या देना चाहेंगे? तो मैं मुझे लगता है कि ये तो इतिहास की सबसे पुरानी चीज है। हम बच्चों को क्या दे सकते हैं? जो भी देना है, वो तो हमारा फर्ज है। हम हजारों सालों से ये करते आए हैं। मुझे लगता है कि हमें बात का बतंगड़ नहीं बनाना चाहिए। हमें काम करना चाहिए, बच्चे पालने चाहिए, उन्हें एजुकेट करना जरूरी है। बाकी तो दुनिया चल ही रही है।'

जरूरी नहीं हर समय हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए

अली ने आगे कहा, 'हालांकि, एक अभिनेता के तौर पर हमारी जिम्मेदारी जरूर बनती है, क्योंकि हम भी समाज का हिस्सा हैं। हम समाज को देखते हैं, उससे सीखते हैं और फिर उसी का एक रूप अपने सिनेमा और कहानियों के माध्यम से दर्शकों के सामने रखते हैं। लेकिन यह भी जरूरी नहीं है कि हर समय और हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए। पहले सोशल मीडिया नहीं था, इसलिए लोगों से ऐसी अपेक्षाएं भी कम थीं। आज सोशल मीडिया के दौर में अक्सर यह उम्मीद की जाती है कि हर विषय पर कलाकार अपनी राय रखें। इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन मेरा मानना है कि आखिरकार हर व्यक्ति का अपना तरीका होता है। मेरे लिए मेरा काम ही मेरी सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।'

बिना सोचे-समझे कुछ नहीं कहता

सभी जानते हैं कि अली फजल की पत्नी रिचा चड्ढा मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखने में कभी पीछे नहीं रही हैं, मगर अली उनकी तरह मुखर नहीं हैं। इस पर वह कहते हैं, 'मेरा मानना है कि इंसान चाहे तो कुछ भी बन सकता है, और अगर मैं चाहूं तो हर मुद्दे पर बोलना भी शुरू कर सकता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपने काम के जरिए ज्यादा प्रभावी ढंग से अपनी बात कह पाता हूं। शायद मैं अभी उस मुकाम पर नहीं हूं कि बिना पूरी जानकारी और समझ के किसी भी विषय पर खुलकर टिप्पणी करूं।

इंसानी स्वभाव को समझने की कोशिश

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय रूप से कई तरह का काम करने के बाद अली एक इंसान और एकत्र के रूप में बदलाव महसूस करते हैं। वह कहते हैं, 'मेरे लिए हर किरदार इंसानी स्वभाव को बेहतर ढंग से समझने का एक अवसर होता है। मैं हमेशा यह जानने की कोशिश करता हूं कि क्या मैं एक आम इंसान के मन और उसकी परिस्थितियों के भीतर उतर सकता हूं। जब आप ऐसा करते हैं, तो अहसास होता है कि हर कहानी के पीछे एक सच्चा इंसान है, जिसकी अपनी जद्दोजहद और कई परतें हैं।

महिला टी20 विश्व कप 2026 ने रचा नया इतिहास

● दुनियाभर में व्यूअरशिप और दर्शकों के टूटे रिकॉर्ड

नईदिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल रविवार (5 जुलाई) को ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा। खिताबी मुकाबले से पहले आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने टूर्नामेंट की रिकॉर्डतोड़ सफलता पर खुशी जताते हुए इसे अब तक का सबसे बड़ा महिला टी20 विश्व कप बताया।

जय शाह ने बताई टूर्नामेंट की सबसे बड़ी उपलब्धि – जय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, हमारी इच्छा थी कि यह महिला टी20 विश्व कप अब तक का सबसे बड़ा टूर्नामेंट बने और रिकॉर्डतोड़ स्टेडियम दर्शकों के साथ-साथ टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शानदार व्यूअरशिप ने इस लक्ष्य को पूरा कर दिया।



● **चौथी बार फाइनल में आमने-सामने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया** – महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में यह चौथा मौका होगा, जब इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया फाइनल में भिड़ेंगे। इससे पहले 2012, 2014 और 2018 के फाइनल में भी दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं और तीनों बार ऑस्ट्रेलिया ने खिताब अपने नाम किया था। छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया इस बार भी शानदार लय में है। सोफी मोलिन्यू की कप्तानी वाली टीम ने लगातार छह मैच जीतते हुए फाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने द ओवल में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया था।

घरेलू मैदान पर दूसरा खिताब जीतना चाहेगा इंग्लैंड – मेजबान इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। नैट साइवर-ब्रंट की कप्तानी वाली टीम 2009 के बाद दूसरा महिला टी20 विश्व कप खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। खास बात यह है कि इंग्लैंड ने अपना पहला और इकलौता टी20 विश्व कप खिताब भी 2009 में लॉर्ड्स में ही जीता था।

क्लोजिंग सेरेमनी में होगा संगीत का तड़का

महिला टी20 विश्व कप 2026 के समापन समारोह को और भव्य बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय पॉप स्टार रीटा ओरा और मशहूर बैंड क्लीन बैंडिट प्रस्तुति देंगे। आईसीसी को उम्मीद है कि यह फाइनल क्रिकेट के साथ-साथ मनोरंजन के लिहाज से भी यादगार साबित होगा।

श्रेयस अय्यर को पहली जीत का इंतजार, लगातार तीसरी हार पर कहा

● 17वें ओवर में हम हार चुके थे, तीसरा मैच 7 जुलाई को



लंदन (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट में भारत का अजेय रहने का सिलसिला अचानक डगमगाने लगा है. टी20 वर्ल्ड कप जीतने और बिना कोई बाइलेटरल सीरीज हारे वर्ल्ड कप साइकल पूरा करने के कुछ ही महीनों बाद, भारत एक ऐसी स्थिति में आ गया है जिसका उसे पहले अनुभव नहीं था। श्रेयस अय्यर की टीम को पिछले चार टी-20 मैचों में से तीन में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया. आयरलैंड के खिलाफ उसे दो मैचों की सीरीज में 2-0 से हार का सामना करना पड़ा. अब शनिवार, 4 जुलाई को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के हाथों उन्हें चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा. लगभग 5 साल में पहली बार भारत लगातार 4 टी-20 मैचों में कोई जीत हासिल नहीं कर पाया है। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का पहला टी-20 मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था, लेकिन दूसरे मैच में जैकब बेथेल की नाबाद 76 रनों की पारी की बदौलत मेजबान टीम ने 191 रनों का लक्ष्य एक ओवर पहले ही हासिल कर लिया।

वैभव बल्लेबाजी करते देखना शानदार अनुभव

पंद्रह वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के अंतरराष्ट्रीय पदार्पण पर अय्यर ने कहा, उसका रवैया बिल्कुल बेखौफ है. उसे बल्लेबाजी करते देखना शानदार अनुभव है. पिछले कुछ महीनों में उसने जिस तरह का क्रिकेट खेला है, उसी आत्मविश्वास के साथ उसने इस स्तर पर भी खुद को साबित किया. उसका खेल आंखों को सुकून देने वाला है.।

रांची में 6 जुलाई से अंडर-9 ओपन एवं गर्ल्स शतरंज चैंपियनशिप की होगी शुरुआत

देशभर के 438 खिलाड़ी दिखाएंगे प्रतिभा

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता की मेजबानी करने जा रही है. 39वीं राष्ट्रीय अंडर-9 ओपन एवं गर्ल्स शतरंज चैंपियनशिप-2026 का आयोजन 6 से 12 जुलाई तक सरला बिरला विश्वविद्यालय, महिलौंग परिसर में होगा. सात दिनों तक चलने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 438 बाल शतरंज खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और अपनी रणनीति, एकाग्रता तथा बौद्धिक कौशल का प्रदर्शन करेंगे।



पांच लाख रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित – प्रतियोगिता का आयोजन ऑल झारखंड चेस एसोसिएशन द्वारा रांची जिला चेस एसोसिएशन के सहयोग से तथा ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के तत्वावधान में किया जा रहा है. इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता को विश्व शतरंज महासंघ की मान्यता भी प्राप्त है. खास बात यह है कि करीब आठ वर्षों के अंतराल के बाद रांची को फिर से इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिला है. प्रतियोगिता में कुल पांच लाख रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है।

भारत-इंग्लैंड टी-20 मैच के दौरान दिखाए गए एडल्ट विज्ञापन

● कीर्ति आजाद ने बीसीसीआई को लिया आड़े हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे टी-20 मैच के दौरान दिखाए गए कथित एडल्ट विज्ञापन पर सवाल उठाए हैं और बीसीसीआईसे इस मामले की जांच करने को कहा है। आजाद, जिन्होंने मैच के दौरान सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे के बारे में पोस्ट किया था, ने कहा कि लाखों बच्चों द्वारा देखे जाने वाले खेल के दौरान ऐसे विज्ञापनों का दिखना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जरूरत पड़ी तो वह संसद में भी यह मुद्दा उठाएंगे। अपनी चिंता बताते हुए आजाद ने कहा कि क्रिकेट देखने वाले परिवारों की बड़ी संख्या इस मुद्दे को और भी अहम बनाती है। उनका तर्क था कि लाइव स्पोर्ट्स इवेंट के दौरान बच्चों को ऐसा कंटेंट नहीं दिखाया जाना चाहिए। आजाद ने आईएएनएस से ??कहा, यह एक एडल्ट विज्ञापन है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ मैच देखते हैं। वे 16 साल से कम उम्र के बच्चे होते हैं। इस देश में क्रिकेट को धर्म माना जाता है। जब मैं मैच देख रहा था, तब 44 करोड़ लोग इसे देख रहे थे और मैच के दौरान एक एडल्ट विज्ञापन दिखाया गया। पूर्व ऑल-राउंडर ने कहा कि ऐसे विज्ञापन अक्सर माता-पिता को असहज स्थिति में डाल देते हैं ।

विंबलडन 2026 में बड़ा उलटफेर

एलेक्जेंड्रा एला ने डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक को हराया

फिलीपींस (एजेंसी)। विंबलडन 2026 में सेंटर कोर्ट पर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर देखने को मिला। फिलीपींस की 21 वर्षीय एलेक्जेंड्रा एला ने डिफेंडिंग चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 7-6 (11-9), 6-2 से हराकर तीसरे दौर से बाहर कर दिया। पहला सेट 84 मिनट तक चला, जिसमें दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। लेकिन टाई-ब्रेक में एला ने शानदार संयम दिखाते हुए बढ़त बनाई और दूसरे सेट में पूरी तरह मैच पर कब्जा जमा लिया।

स्वियातेक की गलतियां पड़ीं भारी

मैच के दौरान इगा स्वियातेक अपनी लय में नजर नहीं आईं। उन्होंने कुल 44 अनफोर्स्ड एरर किए, जिसका एला ने पूरा फायदा उठाया। पहले सेट के टाई-ब्रेक में स्वियातेक के पास दो सेट प्वाइंट थे, लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सकीं। दूसरे सेट में एला ने 4-0 की बढ़त बना ली। स्वियातेक ने वापसी की कोशिश जरूर की, लेकिन लगातार गलतियों और दो डबल फॉल्ट ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

भावुक अंदाज में खत्म हुआ मुकाबला

आखिरी गेम भी काफी रोमांचक रहा। एला ने चार ब्रेक प्वाइंट बचाए और तीसरे मैच प्वाइंट पर दमदार फोरहैंड विनर लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। जीत के बाद वह खुशी से कोर्ट पर घुटनों के बल बैठ गईं, जबकि स्वियातेक बिना ज्यादा देर रुके कोर्ट से बाहर चली गईं। यह हार स्वियातेक की किसी ग्रैंड स्लैम में सबसे शुरुआती विदाई है, जब से वह दो साल पहले विंबलडन में तीसरे दौर में यूलिया पुतिन्त्सेवा से हारी थीं।

एला ने रचा इतिहास

इस जीत के साथ एलेक्जेंड्रा एला ने अपने देश के लिए एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। दो दिन पहले ही वह ओपन एरा में किसी ग्रैंड स्लैम के तीसरे दौर में पहुंचने वाली पहली फिलीपीन खिलाड़ी बनी थीं और अब उन्होंने छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक को हराकर नया इतिहास रच दिया। यह स्वियातेक के खिलाफ एला की तीन मुकाबलों में दूसरी जीत भी रही। अब उनका सामना पूर्व विंबलडन फाइनलिस्ट जैस्मिन पाओलिनी से होगा। अगर एला यह मुकाबला जीतती हैं तो 1953 फ्रेंच ओपन के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली फिलीपीन एकल खिलाड़ी बन जाएंगी।



फीफा वर्ल्ड कप

फ्रांस ने पैराग्वे को हराकर क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह, एम्बाप्पे ने रचा इतिहास



फिलाडेल्फिया (एजेंसी)। दो बार की वर्ल्ड चैंपियन फ्रांस ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 16 मैच में पैराग्वे को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है, जहां उनका मुकाबला मोरक्को से होगा।

काइलियन एम्बाप्पे ने फिलाडेल्फिया स्टेडियम में खेले गए इस कड़े मुकाबले के दूसरे हाफ में पेनल्टी से एकमात्र गोल किया. इस गोल के साथ वे गोल्डन बूट की रेस में गोल के मामले में लियोनेल मेसी के 7 गोल के बराबर पहुंच गए हैं, लेकिन असिस्ट के मामले में उनसे आगे हैं।

इसके अलावा एम्बाप्पे अब मेसी के वर्ल्ड कप में कुल 20 गोल के रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे हैं. यह एम्बाप्पे का वर्ल्ड कप नॉकआउट स्टेज में 11वां गोल था, जो एक रिकॉर्ड है. साथ ही वे लगातार तीन टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

यह मुकाबला आसान नहीं था

फ्रांस के लिए यह मुकाबला आसान नहीं था, जैसा कि उम्मीद की जा रही थी, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वियों ने काफी आक्रामक खेल दिखाया. पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी को हराकर राउंड ऑफ 16 में पहुंचने वाली पैराग्वे टीम ने फ्रांस के लिए निराशाजनक रहे पहले हाफ में डिफेंस को बहुत मजबूत रखा. फ्रांस के खिलाड़ियों को शरीर पर कुछ चोटें भी आईं। मैच में फ्रांस का बॉल पर कब्जा ज्यादा रहा, लेकिन वे पैराग्वे के अनुशासित डिफेंस को तोड़ने में संघर्ष करते रहे. दूसरे हॉफ में फ्रांस ने हमले तेज किए. आखिरकार 69वें मिनट में पैराग्वे का डिफेंस टूटा, जब रिव्यू के बाद डेजायर डौए को पेनल्टी एरिया में गिराए जाने का फैसला दिया गया. एम्बाप्पे ने शांति से पेनल्टी किक ली और गिल को गलत दिशा में छकाते हुए अपनी टीम को अंतिम आठ (क्वार्टर फाइनल) में पहुंचा दिया।

अब हमें मोरक्को पर ध्यान देना है

मैच के बाद एम्बाप्पे ने कहा, हमें पता था कि किस तरह का मैच होने वाला है. मुझे लगता है कि हमारे लिए ऐसे गेम का अनुभव करना और यह देखना बहुत अच्छा रहा कि हमने इसे कैसे संभाला. हमने दिखाया कि हम सिर्फ अटैकिंग फुटबॉल खेलने वाली टीम नहीं हैं. हर टीम अपनी ताकत का इस्तेमाल करती है. खेलने का कोई सही या गलत तरीका नहीं होता. एकमात्र सही तरीका जीतना है. अब हमें मोरक्को पर ध्यान देना है. हम उनका सामना करने के लिए बहुत उत्साहित हैं क्योंकि हम जानते हैं कि वे एक बहुत अच्छी टीम हैं।



वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, 15 साल की उम्र में किया डेब्यू, सचिन तेंदुलकर पीछे छूटे

डेब्यू पर वैभव बोले-नेशनल टीम का प्रतिनिधित्व करना एक सम्मान की बात

लंदन (एजेंसी)। बिहार के समस्तीपुर जिले के 15 वर्षीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार (4 जुलाई) को भारतीय क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय लिख दिया. वो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले देश के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए. उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में खेलने का मौका मिला. जिसके साथ लगभग 37 वर्षों से कायम महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड टूट गया। सचिन तेंदुलकर ने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ कराची में 16 वर्ष 205 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था. जबकि सूर्यवंशी ने 2026 में में महज 15 वर्ष 99 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से भारतीय टीम में पदार्पण किया. इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद कई सीनियर खिलाड़ियों ने वैभव को शुभकामनाएं दी।



मेजबान कनाडा को हराकर मोरक्को क्वार्टरफाइनल में पहुंचा, फ्रांस से होगा अगला मुकाबला

कनाडा (एजेंसी)। सह मेजबान कनाडा फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने वाला पहला मेजबान देश बन गया है. ह्यूस्टन में खेले गए टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 के पहले मैच में मोरक्को ने दूसरे हाफ में शानदार खेल दिखाते हुए 3-0 से जीत हासिल की और क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की की। कनाडा ने मैच की शुरुआत में बेहतर खेल दिखाया, लेकिन वे गोल करने में असफल रहे. जैसे-जैसे पहला हाफ आगे बढ़ा, रेफरी ने सात खिलाड़ियों को येलो कार्ड दिखाया. 40वें मिनट में खेल का माहौल काफी गरमा गया, जब कप्तान अशरफ हकीमी ने रिची लारिया को धक्का दे दिया. दोनों खिलाड़ी एक लंबी बॉल का पीछा कर रहे थे।

दूसरे हाफ में मोरक्को की टीम बदली हुई रणनीति के साथ मैदान पर उतरी और ब्रेक के पांच मिनट बाद ही गोल कर दिया. हकीमी ने फ्री-किक से गेंद को खूबसूरती से अजेदीन ओनाही की तरफ बढ़ाया. ओनाही को बॉक्स के



किनारे पर काफी जगह मिली और उन्होंने गोलकीपर मैक्सिम क्रेपो को छकाते हुए गेंद को नेट में डाल दिया. जिससे अफ्रीकी टीम को बढ़त मिल गई। उम्मीद के मुताबिक, कनाडा बराबरी का गोल करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मोरक्को का डिफेंस मजबूत था. उसके बाद ओनाही ने 82वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके जीत पक्की कर दी. इसके बाद स्टॉपेज-टाइम में सूफियान रहीमी ने तीसरा गोल करके जीत पर मुहर लगा दी. अब क्वार्टरफाइनल में मोरक्को का साम फ्रांस से होगा. जिन्होंने पैराग्वे को 1-0 से मात देकर



क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की की है। दोनों टीमों के बीच क्वार्टरफाइनल भारतीय समय के अनुसार 10 जुलाई को रात में 1:30 बजे से खेला जाएगा।

कनाडा का शनदार सफर खत्म

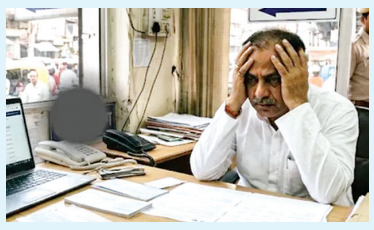
कनाडा का वर्ल्ड कप का सफर मोरक्को से 3-0 की हार के साथ खत्म हुआ, लेकिन को-होस्ट के तौर पर टीम ने अपने देश के लिए इतिहास रचा. कनाडा ने स्वदेश वर्ल्ड कप में अपना पहला पॉइंट हासिल किया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला नॉकआउट मैच जीतकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई. कनाडा के डिफेंडर एलिस्टर जॉनस्टन ने कहा कि उन्हें अपनी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है।

जॉनस्टन ने कहा, मैं बस इस वर्ल्ड कप के बाद आईने में खुद को देखकर यह कहना चाहता हूं कि मैंने अपना सब कुछ मैदान पर झोंक दिया. मुझे लगता है कि हमने ऐसा किया है. भले ही हम ह्यूस्टन में हार गए हों, लेकिन हम जानते हैं कि घर पर हमारा कैसा सांस्कृतिक प्रभाव पड़ रहा है, और यह बात हमारे लिए मायने रखती है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में एक कारोबारी को लगाई 1.5 करोड़ की चपत, बैंक रिकॉर्ड देख उड़े होश

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। यहां एक स्टील कारोबारी के अकाउंटेंट ने उनके खातों से धीरे-धीरे करीब 1.5 करोड़ रुपये पार कर दिए। पीड़ित की शिकायत पर बुराड़ी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अकाउंटेंट के पास ही कंपनी के सभी वित्तीय लेन-देन का जिम्मा था। आरोपित फरार है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, बुराड़ी में स्टील का कारोबार करने वाले एक कारोबारी ने शिकायत देकर आरोप लगाया कि



आरोपी अकाउंटेंट पांच साल से उनकी फर्म से जुड़ा हुआ था। वह बैंकिंग ऑपरेशंस, अकाउंट्स और सभी फाइनेंशियल ट्रांजक्शंस देखता था। लंबे समय से काम करने के कारण उसके पास कारोबारी के कई पर्सनल और बिजनेस बैंक अकाउंट्स का पूरा एक्सेस था। धोखाधड़ी का पता तब चला जब पिछले महीने कारोबारी ने अकाउंटेंट को दो अलग-अलग खातों से 1.1 करोड़ रुपये ट्रांसफर करने को कहा। मैनेजर ने 50 लाख और 20 लाख रुपये तो ट्रांसफर कर दिए, लेकिन बाकी के 40 लाख रुपये ट्रांसफर नहीं किए। पूछने पर वह लगातार बहाने बनाता रहा। एक दिन वह बैंक जाने के बहाने कारोबारी से साइन किए हुए चेक लेकर ऑफिस से निकला, लेकिन उसके बाद न तो बैंक पहुंचा और न ही काम पर वापस आया। जब अकाउंटेंट वापस नहीं लौटा, तो कारोबारी खुद बैंक पहुंचे। वहां उन्हें पता चला कि खातों में उतना बैलेंस है ही नहीं जितना होना चाहिए था। जब बैंक रिकॉर्ड्स की बारीकी से जांच की गई तो कारोबारी के होश उड़ गए। उनके बिजनेस और पर्सनल अकाउंट्स से लगभग 1.5 करोड़ रुपये गायब थे।

दिल्ली मेट्रो के यात्री ध्यान दें! स्टेशनों की घोषणा के बीच सुनाई देंगे विज्ञापन



नई दिल्ली, एजेंसी। मेट्रो में यात्रा करते समय यात्रियों को जल्द ही स्टेशन आने की जानकारी और सुरक्षित यात्रा के निर्देशों के साथ ही विज्ञापन सुनने को मिलेंगे। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने रेड लाइन, ब्लू लाइन, येलो लाइन और मजेंटा लाइन पर ऑडियो विज्ञापन शुरू करने का निर्णय लिया है। शीघ्र ही इसके शुरू होने की उम्मीद है। डीएमआरसी का दावा है कि ऑडियो विज्ञापन से यात्रियों को दी जाने वाली यात्रा से संबंधित जानकारी में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी। डीएमआरसी के अधिकारी का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य गैर-टिकटिंग आय को बढ़ाना है। पहले चरण में रेड लाइन, येलो लाइन, ब्लू लाइन और मजेंटा लाइन में से प्रत्येक पर छह ट्रेनों में इन-ट्रेन ऑडियो विज्ञापन स्लाट उपलब्ध कराए जाएंगे। एजेंसियों को आमंत्रित करने के लिए निविदा जारी की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विज्ञापन केवल नियमित परिचालन घोषणाओं के बीच मौन अंतराल के दौरान प्रसारित किए जाएंगे, जिसमें यात्री जानकारी और सुरक्षा संदेशों को पूर्ण प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए विज्ञापनों के बीच पर्याप्त अंतराल की भी आवश्यकता है। डीएमआरसी ने पहली बार दिसंबर 2023 में कश्मीरी गेट और बदरपुर के बीच वायलेट लाइन पर चलने वाली छह ट्रेनों में इन-ट्रेन ऑडियो विज्ञापन शुरू किया था। अधिकारी के अनुसार, एजेंसी ग्राहकों से विज्ञापन राजस्व एकत्र करेगी और उसके बाद डीएमआरसी का हिस्सा स्थानांतरित करेगी और मेट्रो निगम को विज्ञापनों के माध्यम से उत्पन्न सकल राजस्व का 85 प्रतिशत प्राप्त होगा।

20 में फर्जी आधार कार्ड और 15 में वोटर आईडी



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस को एक ऐसे कथित ऑनलाइन रैकेट की जानकारी मिली है, जो नकली सरकारी डॉक्यूमेंट बना रहा था। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों ने बताया कि यह ऑपरेशन रेगुलर साइबर पेट्रोलिंग और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान सामने आया। शुरुआती जांच में पता चला कि एक ऑर्गनाइज्ड नेटवर्क नकली ब्लिंक कार्ड बना रहा था और असली पहचान व ब्लिंक कार्ड जैसे दूसरे ऑफिशियल डॉक्यूमेंट पाने और उन्हें अपडेट करने में उनका इस्तेमाल कर रहा था। वेबसाइट पर कथित तौर पर नकली रेजिडेंस सर्टिफिकेट, कास्ट सर्टिफिकेट, वोटर आइडेंटिटी कार्ड, बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट, आधार से जुड़े डॉक्यूमेंट और दूसरे सपोर्टिंग रिकॉर्ड दिए गए।

दिल्ली में एसआईआर ड्यूटी का स्कूलों पर असर

दो सरकारी स्कूलों के सभी नियमित शिक्षक बने बीएलओ, पढ़ाई पर संकट



नई दिल्ली, एजेंसी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान के बीच भलस्वा और जीटीबी नगर के पास स्थित दो सरकारी स्कूलों के सभी नियमित शिक्षकों को बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ) और उससे जुड़े चुनावी कार्यों में लगा दिया गया है।

इससे इन स्कूलों में नियमित पढ़ाई का संकट खड़ा हो गया है। भलस्वा स्थित इस सरकारी स्कूल में करीब 1,200 छात्र हैं और लगभग 20 नियमित शिक्षक कार्यरत हैं।

इनमें से सभी को एसआइआर ड्यूटी पर भेज दिया गया है। अब 22 सेक्शन की पढ़ाई की जिम्मेदारी केवल 15 अतिथि शिक्षकों पर आ गई है। वहीं, जीटीबी नगर के पास स्थित दूसरे स्कूल के 22 नियमित शिक्षकों को भी बीएलओ ड्यूटी पर लगाया गया है। स्कूल अधिकारियों का कहना है कि अक्टूबर तक यह व्यवस्था जारी रही तो छात्रों की पढ़ाई का नुकसान होना तय है।

निदेशालय के अधिकारियों ने इस पर कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि न तो एसआइर अभियान प्रभावित हो और न ही छात्रों की पढ़ाई। उन्होंने कहा कि यदि कहीं ऐसी स्थिति बनी है तो उसे सुधारा जाएगा।

इससे पहले राजकीय विद्यालय शिक्षक संघ (जीएसटीए) ने दिल्ली सरकार को पत्र लिखकर चेतावनी दी थी कि हजारों शिक्षकों के चुनावी ड्यूटी पर जाने से लाखों छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होगी। एसोसिएशन ने मांग की है कि एसआइआर ड्यूटी के कारण खाली हुए पदों पर तत्काल अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की जाए, विशेषकर 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के हित में।

सात अक्टूबर तक ड्यूटी चलने की संभावना

एसोसिएशन का कहना है कि यह ड्यूटी सात अक्टूबर तक चलने की संभावना है, जिससे बाद में शैक्षणिक

लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

स्कूल अधिकारियों और शिक्षकों का कहना है कि चुनावी कार्य महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इसके लिए किसी एक स्कूल के पूरे स्टाफ को नहीं हटाया जाना चाहिए। उनका सुझाव है कि प्रत्येक स्कूल से अधिकतम एक-दो शिक्षकों को ही चुनावी कार्य में लगाया जाए, ताकि पढ़ाई और चुनाव दोनों कार्य प्रभावित न हों। आदेश के अनुसार उन्हें वोटर सेंटर और ईआरओ कार्यालयों में डेटा एंट्री, फार्म-6 और फार्म-8 की जांच, ड्राफ्ट मतदाता सूची तैयार करने, क्लेरिकल कार्य और अन्य चुनावी जिम्मेदारियां निभानी होंगी।

पहचान करके कर संग्रह बढ़ाने के लिए व्यवहारिक सुझाव तैयार करना है

दिल्ली में कहां हो रहा है राजस्व का नुकसान? कमियां खोजने के लिए सरकार कराएगी खास स्टडी

नई दिल्ली, एजेंसी। कमियों की पहचान के लिए अध्ययन करा दिल्ली सरकार कर आय बढ़ाएगी। इसके लिए सरकार ने अपने प्रमुख राजस्व विभागों के कर वसूली का व्यापक आकलन कराने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी (एनआइपीएफपी) को अध्ययन की जिम्मेदारी सौंपी है। इस अध्ययन का उद्देश्य कर प्रशासन की दक्षता का मूल्यांकन करना और राजस्व नुकसान के कारणों की पहचान करके कर संग्रह बढ़ाने के लिए व्यवहारिक सुझाव तैयार करना है।

सरकार के योजना विभाग की ओर से कराए जा रहे इस अध्ययन में आबकारी, परिवहन, व्यापार एवं कर, राजस्व विभाग तथा संपत्ति पंजीकरण जैसे प्रमुख टैक्स मदों की समीक्षा की



जाएगी। साथ ही यह भी परखा जाएगा कि मौजूदा कर प्रशासन और प्रवर्तन व्यवस्था कितनी प्रभावी है तथा किन स्तरों पर सुधार की आवश्यकता है। कम टैक्स-टू-जीडीपी अनुपात को ध्यान में रखते हुए की है। वर्ष 2024-25 में दिल्ली का टैक्स-टू-ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट (जीडीपी) रेश्यो 4.9 था। 2025-26 के बजट अनुमानों के अनुसार इसके बढ़कर 5.16 प्रतिशत होने की उम्मीद है। यह अनुपात किसी अर्थव्यवस्था के आकार की तुलना में कर संग्रह की क्षमता को दर्शाता है और सरकार की विकास परियोजनाओं व जनकल्याण योजनाओं को वित्तपोषित करने की क्षमता का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है।सरकार को उम्मीद है कि रिपोर्ट के आधार पर तकनीक के बेहतर उपयोग, कर प्रशासन में सुधार, प्रभावी प्रवर्तन और राजस्व संग्रह बढ़ाने के लिए ठोस नीति सुझाव प्राप्त होंगे।

कहां से कितनी होती है दिल्ली सरकार की कमाई?

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, दिल्ली सरकार के कुल व्यय का 68.7 प्रतिशत हिस्सा जीएसटी, वैट, आबकारी, स्टांप ड्यूटी और मोटर वाहन कर से प्राप्त राजस्व से पूरा होता है। वर्ष 2025-26 में कुल कर राजस्व में जीएसटी की हिस्सेदारी 71.3 प्रतिशत, स्टांप ड्यूटी 13.1 प्रतिशत, आबकारी 10.2 प्रतिशत और मोटर वाहन कर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अध्ययन के दौरान अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कर संग्रह प्रणाली का तुलनात्मक विश्लेषण भी किया जाएगा।

3 मिनट में 3 किलो आम का पल्प!



नईदिल्ली, एजेंसी। जनकपुरी स्थित दिल्ली हाट में आयोजित 35वें आम महोत्सव में शनिवार को पुरुष वर्ग की आम खाने की प्रतियोगिता मुख्य आकर्षण रही। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को तीन मिनट में तीन किलोग्राम आम का पल्प खाने की चुनौती दी गई। प्रतियोगिता को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। आम प्रदर्शित किए गए हैं। यहां लीची और पपीते जैसे आकार वाले आमों के साथ कई दुर्लभ प्रजातियों ने भी आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए झूले, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य मनोरंजक गतिविधियों की व्यवस्था की गई है। वहीं, फूड स्टॉल पर विभिन्न व्यंजनों का स्वाद लेने के साथ लोग हस्तकरघा, हस्तशिल्प और आम से बने उत्पादों की खरीदारी भी कर रहे हैं। आम स्लोगन प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। महोत्सव में इस बार एआई आधारित विजुअल एजेंट राधिका भी विशेष आकर्षण बना है। यह आगंतुकों से आवाज के माध्यम से संवाद कर उनके सवालों के जवाब दे रही है और उन्हें महोत्सव से जुड़ी जानकारी उपलब्ध करा रही है।

दिल्ली में नाबालिग के अपहरण और पॉक्सो मामले में दबोचा गया युवक, लड़की सकुशल बरामद

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली में गोकलपुरी थाना पुलिस ने नाबालिग के अपहरण और पॉक्सो मामले में 22 वर्षीय आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया है। आरोपित के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, 23 जून को गोकलपुरी थाने में एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि उसकी 17 वर्षीय बेटी 20 जून से लापता है। परिवार ने अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। महिला ने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी बेटी का अपहरण कर लिया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज किया। वहीं, जांच के दौरान थाना गोकलपुरी के एसएचओ इंस्पेक्टर उमेद सिंह के नेतृत्व में एएसआई पूनम, हेड कॉन्स्टेबल अनुज, रोहित, नरेश और कॉन्स्टेबल परवीन की टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी निगरानी, इलेक्ट्रनिक साक्ष्यों के विश्लेषण और स्थानीय स्तर पर सूचना तंत्र का सहारा लेकर पीड़िता का पता लगाया। जांच के आधार पर पुलिस ने उत्तम नगर निवासी 22 वर्षीय करण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने नाबालिग लड़की को भी सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।

पंजाब नेशनल बैंक के पास गोदाम में लगी आग, ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देख सहम गए थे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के चंदन होला में पंजाब नेशनल बैंक के पास गोदामों में आग लग गई। यह आग देर रात 2 बजे लगी। वहीं, आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई। आग बुझाने में टीम को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।यह आग पंजाब नेशनल बैंक के पास लगभग दो एकड़ में बने दो टिन-शेड वाले गोदामों में लगी थी, जहां एग्जिबिशन (प्रदर्शनी) का सामान रखा हुआ था। राहत की बात यह है कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। फायर ब्रिगेड के मुताबिक, रात सवा 2 बजे आग लगने की सूचना मिली।

चीन के हथियारों का 'गेटवे' बना पाकिस्तान? रिपोर्ट में चार अरब डॉलर के रक्षा सौदे का दावा

बीजिंग, एजेंसी। चीन अपने रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल एक माध्यम के रूप में कर रहा है। अमेरिका स्थित थिंक टैंक मिडिल ईस्ट फोरम की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान और लीबियाई नेशनल आर्मी के बीच 16 जेएफ-17 लड़ाकू विमानों, प्रशिक्षण विमानों और अन्य सैन्य उपकरणों से जुड़ा 4 अरब डॉलर से अधिक का रक्षा सौदा इसी रणनीति का अहम उदाहरण माना जा रहा है। सौदा लीबिया पर संयुक्त राष्ट्र के हथियार प्रतिबंध को कमजोर कर सकता है। इसके अलावा, इससे देश के आंतरिक संघर्ष का सैन्य संतुलन बदलने और पूरे क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका भी जताई गई है। थिंक टैंक के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान और चीन के बीच रक्षा, सुरक्षा और खुफिया सहयोग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2021 से 2024 के बीच पाकिस्तान के कुल हथियार आयात में 80



प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी चीन की रही। यह पाकिस्तान की बढ़ती निर्भरता और उसके रक्षा क्षेत्र में चीन की मजबूत होती पकड़ को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान अब भी अमेरिकी मूल के एफ-16 फाइटिंग फाल्कन लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करता है और समय-समय पर अमेरिका से सैन्य सहायता भी प्राप्त करता है। इसके बावजूद उसकी सैन्य क्षमता का बड़ा हिस्सा अब चीनी हथियारों पर आधारित हो चुका है। पाकिस्तान, चीन के साथ संयुक्त रूप से विकसित जेएफ-17 लड़ाकू विमान, चीनी ड्रोन, एचक्यू-9 वायु रक्षा प्रणाली और अन्य रक्षा उपकरणों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।

आजादी का जश्न छोड़ मुस्लिम जलसे में पहुंचीं न्यूयॉर्क मेयर की पत्नी रमा दुवाजी

अल्बानी, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी एक तरफ जहां अमेरिका के 250वें स्थापना दिवस के आधिकारिक कार्यक्रमों में मशगूल हैं, वहीं उनकी पत्नी रमा दुवाजी का स्पेन में होना नई राजनीतिक बहस छेड़ चुका है। यह सवाल हर किसी के जहन में है कि क्या देश के सबसे बड़े जश्न के दौरान उनका विदेश में रहना महज एक इत्तेफाक है, या फिर इसके पीछे कोई गहरी मंशा छिपी है?

रमा दुवाजी के दौरे पर सियासत तेज क्यों?

खबर है कि अमेरिका 250 के समारोहों से ठीक पहले, सीरियाई-अमेरिकी कलाकार रमा दुवाजी को नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर देखा गया था। वह स्पेन के पाल्मा, मैलोर्का की उड़ान भर रही थीं। मेयर जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क में ही रहकर पुलिस कमिश्नर जेसिका टिश के साथ सुरक्षा ब्रीफिंग और 'सेल250' परेड जैसे आयोजनों की शोभा बढ़ा रहे थे। वहीं, उनकी पत्नी का प्रमुख राष्ट्रीय पर्व के दौरान देश से बाहर रहने पर बवाल शुरू हो गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रमा दुवाजी 'द वूमेंस सैंक्चुअरी' की ओर से आयोजित 'प्लांट्स ऑफ द कुरान' नामक रिट्रीट में हिस्सा ले रही हैं। यह कार्यक्रम बुधवार से सोमवार तक चलेगा। वे न केवल इस रिट्रीट की होस्ट हैं, बल्कि इसकी 'आर्टिस्ट इन रेजिडेंस' भी हैं। इतना ही नहीं, वह नौ से 14 जुलाई तक फ्रांस के कोर्सिका में 'मैरी इन द कुरान' रिट्रीट में भी शामिल होंगी। सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर उन्हें इसी समय का चुनाव क्यों करना पड़ा? अचानक यात्राः अमेरिका 250 के जश्न से ठीक पहले रमा का स्पेन जाना चर्चा का विषय बना।



मेयर की मौजूदगी: मेयर जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क में आधिकारिक आयोजनों में सक्रिय दिखे।

राजनीतिक प्रतिक्रिया: रिपब्लिकन काउंसिल सदस्यों ने इसे अमेरिका के प्रति उनकी नाराजगी से जोड़कर देखा।

सुरक्षा का मुद्दा: मेयर कार्यालय ने स्पष्ट किया कि उनके साथ कोई एनवाईपीडी सुरक्षा दल नहीं था। कॉमेडियन एरिन वेक्सलर ने इस यात्रा की तस्वीरें साझा कर निशाना साधा। क्वींस काउंसिलवुमन जोआन एरियोला ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा, 'अमेरिका 250 के जश्न को छोड़कर छुट्टी पर जाना रमा दुवाजी की अमेरिका विरोधी सोच को उजागर करता है।'

अमेरिका की आजादी के 250 साल पूरे, ट्रंप बोले- साम्यवाद कैंसर की तरह, खात्मा जरूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर चल रहे भव्य आतिशबाजी कार्यक्रम के दौरान एक बार फिर हल्की बारिश शुरू हो गई। पूरे दिन मौसम की खराबी के कारण कार्यक्रम प्रभावित रहा और लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पिछले ढाई सौ वर्षों से अमेरिका पूरी दुनिया के लिए उम्मीद, विश्वास, रोशनी और गर्व का प्रतीक रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि ईश्वर की कृपा से देश आगे भी यही भूमिका निभाएगा और पहले से अधिक मजबूत बनेगा। ट्रंप ने कहा कि 4 जुलाई 1776 से लेकर 4 जुलाई 2026 तक अमेरिका ने दुनिया को दिखाया है कि वह अत्याचार पर जीत हासिल कर सकता है और आजादी की रक्षा कर सकता है। उन्होंने दावा किया कि आज अमेरिका पहले से अधिक मजबूत, स्वतंत्र, समृद्ध, सुरक्षित और आत्मविश्वास से भरा हुआ है।

ट्रंप ने 'सेव अमेरिका एक्ट' को बताया जरूरी, वोटिंग नियम सख्त करने की वकालत

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'सैल्यूट टू अमेरिका' कार्यक्रम के दौरान 'सेव अमेरिका एक्ट' को पारित कराने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि हर मतदाता के लिए नागरिकता का प्रमाण देना अनिवार्य होना चाहिए। ट्रंप ने डाक मतपत्रों को केवल बीमारी, दिव्यांगता, सैन्य तैनाती या यात्रा जैसी विशेष परिस्थितियों तक सीमित करने की बात कही। उनका दावा था कि इससे चुनाव में गड़बड़ी रुकेगी। हालांकि अमेरिकी सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी के पास इस विधेयक को पारित कराने या फिलीबस्टर नियम खत्म करने के लिए आवश्यक समर्थन फिलहाल मौजूद नहीं है। ट्रंप बोले- साम्यवाद कैंसर की तरह, इसे शुरुआत में ही खत्म करना जरूरी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन में साम्यवाद यानी कम्युनिज्म पर तीखा हमला



बोला। उन्होंने कहा कि साम्यवाद हमेशा असफल रहा है और यह अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है। ट्रंप ने इसे कैंसर की तरह बताते हुए कहा कि ऐसे खतरे को शुरुआत में ही खत्म कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका कभी भी अपनी आजादी किसी के हाथ में नहीं जाने देगा और देश में साम्यवाद के लिए कोई जगह नहीं है। ट्रंप ने भाषण में अभिव्यक्ति की आजादी, धर्म की स्वतंत्रता और कानून के समक्ष समान न्याय जैसी संवैधानिक स्वतंत्रताओं का भी उल्लेख किया।

ट्रंप परिवार और कैबिनेट के साथ वीआईपी मंच पर पहुंचेब्र अमेरिका की आजादी के 250वें वर्ष के समारोह के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल स्थित वीआईपी मंच पर पहुंचे। यहां उनके साथ प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और एरिक ट्रंप मौजूद रहे। बेटी टिफनी ट्रंप, पोती काई ट्रंप और बहू बेटीना ट्रंप भी वीआईपी क्षेत्र में दिखाई दीं। ट्रंप ने कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश, होमलैंड सिक्योरिटी सचिव मार्कवेन मुलिन और प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन से भी मुलाकात की।

कई घंटे की देरी के बाद ट्रंप का भाषण शुरू

खराब मौसम के कारण कई घंटे की देरी के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में अपना संबोधन शुरू कर दिया। हजारों लोगों की मौजूदगी में मंच पर पहुंचते ही ट्रंप ने कहा, 'गुड इवनिंग अमेरिका। अगर आपको लगता है कि यह आसान था, तो ऐसा नहीं था।' तेज बारिश और आंधी की चेतावनी के कारण कार्यक्रम में देरी हुई थी और लोगों को कुछ समय के लिए सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया था। मौसम सामान्य होने के बाद समारोह दोबारा शुरू किया गया। अमेरिका की आजादी के 250वें वर्ष के मुख्य समारोह की शुरुआत वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में हो गई है। खराब मौसम के कारण हुई देरी के बावजूद बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल पर पहुंच चुके हैं। ट्रंप के मंच पर आने से पहले सांस्कृतिक और संगीत प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। गायक क्रिस्टोफर मैकियो ने और ली ग्रीनवुड ने गीत प्रस्तुत कर माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। अब कुछ ही देर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्र को संबोधित करेंगे। अमेरिका की आजादी के 250वें वर्ष के समारोह से पहले वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में मौसम और सुरक्षा व्यवस्था का असर साफ दिखाई दिया। दिन में जहां बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, वहीं बारिश और सुरक्षा कारणों से कराए गए अस्थायी निकासी आदेश के बाद भीड़ काफी कम हो गई। दोबारा प्रवेश के लिए लोगों को फिर से सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ा। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संबोधन और भव्य आतिशबाजी का इंतजार करते हुए कार्यक्रम स्थल पर डटे रहे।

नवबिहार टाइम्स का स्थापना दिवस समारोह : कैमरे की नजर में



बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार का स्वागत करते प्रधान संपादक कमल किशोर



नवबिहार टाइम्स के 37 वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करते बिहार विस अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार, सूचना एवं जन संपर्क मंत्री श्रवण कुमार तथा अन्य



ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं जन संपर्क मंत्री श्रवण कुमार का स्वागत करते प्रधान संपादक

मीडिया की विश्वसनीयता को बनाये तथा बचाये रखने में नवबिहार टाइम्स का भी योगदान : डॉ. प्रेम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति होती है। उन्होंने कहा कि मीडिया केवल सूचना देने का माध्यम नहीं है बल्कि समाज को जागरूक करने, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने तथा सरकार और जनता के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम भी है। नवबिहार टाइम्स के स्थापना दिवस समारोह में उन्होंने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और इसकी भूमिका समय के साथ और अधिक महत्वपूर्ण होती जा रही है। एक सशक्त एवं जिम्मेदार मीडिया शासन-प्रशासन को जवाबदेह बनाने के साथ-साथ समाज को सही दिशा देने का कार्य करता है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि पत्रकारों को निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा और सामाजिक उत्तरदायित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता



देनी चाहिए। पत्रकारिता का उद्देश्य केवल समाचार प्रकाशित करना नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाना, समाज में जागरूकता पैदा करना और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना भी है। उन्होंने कहा कि मीडिया सरकार और जनता के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करता है तथा आम लोगों की समस्याओं और अपेक्षाओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सूचना के अनेक माध्यम उपलब्ध हैं। डिजिटल तकनीक और सोशल मीडिया के विस्तार से समाचारों के प्रसार की गति काफी तेज हुई है, लेकिन इसके साथ ही गलत और भ्रामक सूचनाओं के प्रसार की चुनौती भी बढ़ी है। ऐसे समय में विश्वसनीय, तथ्यपरक और जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी समाचार के प्रकाशन या प्रसारण से पहले उसकी सत्यता की जांच आवश्यक है। मीडिया की विश्वसनीयता ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी है और इसे बनाए रखना प्रत्येक पत्रकार का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि मीडिया की विश्वसनीयता को बनाये और बचाये रखने में नवबिहार टाइम्स जैसे समाचार पत्र का अहम योगदान है।



ओबरा विधायक प्रकाश चन्द्र का स्वागत करते प्रधान संपादक कमल किशोर



शिक्षा पुरुष सुरेश कुमार गुप्ता को मिला सम्मान



सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज के प्राचार्य को सम्मानित करते विधानसभा अध्यक्ष



कैचेस मसाले के निदेशक नितेश कुमार को सम्मानित करते ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार



कौशल विकास एवं रोजगार के लिए सम्मानित होते आनंद रंजन झा



डॉ. अता रिजवी को सम्मानित करते विस अध्यक्ष प्रेम कुमार



निर्माण कंपनी के निदेशक सुरेंद्र श्रेष्ठ को सम्मानित करते डॉ. प्रेम कुमार



डॉ. साजन दूबे को सम्मानित करते मंत्री श्रवण कुमार

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को और बेहतर बनाया जाएगा : मंत्री श्रवण कुमार

हिंदी अखबारों को मिलेगा बढ़ावा, पत्रकारों की समस्याओं के समाधान और पेंशन योजना पर सरकार गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने कहा है कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को और अधिक प्रभावी, आधुनिक एवं जनोन्मुखी बनाया जाएगा, ताकि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समय पर आम लोगों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि इस दिशा में मीडिया, विशेषकर हिंदी समाचार पत्रों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है और सरकार उन्हें हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हिंदी अखबारों को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक पहल करेगी। साथ ही पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए भी ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पत्रकारों के लिए पेंशन सम्मान योजना को तेजी से लागू किया जाएगा ताकि लंबे



समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान देने वाले लोगों को सामाजिक सुरक्षा मिल सके। श्री कुमार ने कहा कि पत्रकारों को सरकारी मान्यता (एक्रेडिटेशन) प्रदान करने की प्रक्रिया को और अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाया जाएगा। इससे योग्य पत्रकारों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा और वे अधिक प्रभावी ढंग से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और लोकहित से जुड़ी पहलों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मीडिया की अहम भूमिका है। सरकार इस कार्य में मीडिया का सहयोग और अधिक व्यापक स्तर पर लेगी, ताकि योजनाओं की सही एवं प्रमाणिक जानकारी लोगों तक पहुंचे और वे उनका लाभ उठा सकें। मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया सरकार और जनता के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करता है। इसलिए सरकार पत्रकारों के हितों की रक्षा करने, उनकी सुविधाओं में सुधार लाने तथा सूचना एवं जनसंपर्क व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय से पारदर्शिता बढ़ेगी, जनहित की योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार होगा और विकास की गति को नई मजबूती मिलेगी।



भारतीय जीवन बीमा निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक (सीसी) विनोद कुमार को मिला सम्मान



एनटीपीसी के डीजीएम (पीआर) विश्वनाथ चंदन को विस अध्यक्ष ने दिया सम्मान



योग एवं एक्यूप्रेशर क्षेत्र में सम्मानित होते डॉ. अजय प्रकाश



गरीब बच्चों को निःशुल्क पढ़ाने के लिए नूतन पांडेय को मिला सम्मान



देव एंड फ्रेंड्स म्यूजिकल टीम को सम्मानित करते कमल किशोर एवं कौस्तुभ किशोर